हरियाणा विधान सभा

की

कार्यवाही

26 फरवरी, 1993

खण्ड 1, अंक 4

अधिकृत विवरण

विशय सूची

भुक्रवार, 26 फरवरी, 1993

पृश्ठ संख्या

तारांकित प्र न एवं उत्तर	(4)1
नियम 45 के अधीन सदन की मेज पर रखे गए तारांकित प्र नों के लिखित उत्तर	(4)20
अतारांकित प्र न एवं उत्तर	(4)26
ध्यानाकर्शण प्रस्ताव (1) भिवानी भाहर के अतिरिक्त जिले के गांवों में पीने के पानी की पर्याप्त मात्रा न उपलब्ध होने संबंधी	(4)30
वक्तव्य– जन स्वास्थ्य मंत्री द्वारा उपयुक्त ध्यानाकर्शण प्रस्ताव संबंधी	(4)30
ध्यानाकर्शण प्रस्ताव (2) भिवानी जिले में सिंचाई सुविधाएं उपलबध कराने संबंधी	(4)35
वक्तव्य–	(4)36

सिंचाई मन्त्री द्वारा उक्त ध्यानाकर्शण प्रस्ताव संबंधी	
विभिन्न ध्यानाकर्शण सूचनाओं के बारे में माननीय अध्यक्ष द्वारा संबंधित सदस्यों को सूचना देना	(4)43
स्थगन प्रस्ताव– एस0वाई0एल0 तथा यमुना नदी के पानी के हिस्से संबंधी	(4)43
वाक आउट	(4)49
वर्श 1992–93 के अनुपूरक अनुमान प्रस्तुत करना	(4)50
प्राक्कलन समिति की रिपोर्ट प्रस्तुत करना	(4)50
राज्यपाल के अभिभाशण पर चर्चा (पुनरारम्भ)	(4)50
बैठक का समय बढाना	(4)82
राज्यपाल के अभिभाशण पर चर्चा (पुनरारम्भ)	(4)82
अनैक चर–'ए'	(4)92

हरियाणा विधान सभा

भुक्रवार, 26 फरवरी, 1993

विधान सभा की बैठक, हरियाणा विधान सभा हाल, विधान भवन, सैक्टर–1, चण्डीगढ़ में प्रातः 9.30 बजे हुई। अध्यक्ष (चौधरी ई वर सिंह) ने अध्यक्षता की।

तारांकित प्र न एवं उत्तर

श्री अध्यक्ष: साहेबान, अब सवाल होंगे।

Kaithal By Pass

***396. Sh. Amar Singh:** Will the Minister for P.W.D. (B&R) be pleased to state-

(a) whether there is any proposal under consideration of the Govt. to construct By pass in Kaithal City; and

(b) if so, the time by which the said By pass is likely to be constructed ?

लोक निर्माण मन्त्री (सड़कें तथा भवन)(चौधरी आनन्द सिंह डांगी):

(क) जी हां।

(ख) कैथल बाई पास का निर्माण पूरा हो चुका है। फिर भी यह रेलवे विभाग "भारत सरकार" द्वारा नरवाना कुरूक्षेत्र रेलवे लाईन पर लैवल क्रांसिंग बनाने के प चात तथा वन विभाग द्वारा कैथल करनाल सडक और कैथल जींद सडक (जीन्द की

ओर) के साथ बाई पास के इन्टरसैक ान पर खडे वृक्षों को हटाने के बाद पूर्णतः कार्यान्वित हो सकेगा।

श्री अमर सिंहः अध्यक्ष महोदय, जैसा कि मन्त्री महोदय ने बताया है कि बाई पास का एक्सटैं ान वर्क तो कम्पलीट हो गया है लेकिन इसमें बाई पास के इन्टरसैक ान पर खडे वृक्ष बाधा बने हुए हैं। मैं मन्त्री महोदय से जानना चाहता हूं कि ये वृक्ष कब तक हटा कर इसको पूरा कर दिया जाएगा ?

चौधरी आनन्द सिंह डांगीः अध्यक्ष महोदय, नए कैथल बाई पास का निर्माण करने हेतू सरकार ने अपने पत्र क्रमांक 9/238/82 दिनांक 17–10–85 द्वारा 84.82 लाख रूपये की लागत के अनुमान का प्र ाासकीय अनुमोदन किया था। बाई पास की कुल लम्बाई 6.70 किलोमीटर है। यह कैथल भाहर के उत्तर की ओर से कैथल को बाई पास करता हुआ पेहवा सडक को कैथल जींद/असंध सडक से जोडता है। यद्यपि यह कार्य वर्श 1985 के दौरान अनुमोदित हुआ था परन्तु निर्माण कार्य 1989 में भाुरू किया गया। धन के अभाव के कारण कार्य धीमी गति से चलता रहा। माननीय मुख्य मंत्री हरियाणा ने 14–11–91 को कैथल यात्रा दौरान कैथल बाई पास को प्राथमिकता पर पूरा करने की इच्छा प्रकट की। अतः निर्माण गति विधि तेज कर दी गई। सडक निर्माण कार्य लगभग पूरा हो चुका है परन्तु निम्नलिखित बाधाओं के कारण सडक पूरी तरह से चालू नहीं है :–

1. नरवाना–कुरूक्षेत्र रेलवे लाईन पर रेलवे विभाग (भारत सरकार) द्वारा रेलवे क्रासिंग का कार्य अभी पूरा करना है

जिसके लिए रेलवे विभाग से बार बार अनुरोध किया जा रहा है। मैन संचालित रेलवे क्रासिंग का एल सैक ान प्रति हस्ताक्षर करके मण्डली अधीक्षक अभियन्ता नं0 1 उत्तरी रेलवे, नई दिल्ली को भेज दिया गया है और रेलवे विभाग को 29–10–91 को 32000 रूपये की रा ि ा, सर्वे के लिए जमा कराई जा चुकी है। भोश रा ि ा रेलवे विभाग द्वारा अनुमान के टैक्नीकल स्वीकृति प्राप्त होने पर जमा करा दी जाएगी।

2. इस बाई पास के रास्ते में लगभग 131 वृक्ष खडे हुए हैं जो कि विभिन्न सडकों, रजबाहों व ड्रैनों पर पडते हैं। इन वृक्षों के हटाये जाने संबंधी सभी त्रुटियों को दूर कर दिया गया है और इस बारे में स्वीकृति के लिये आयुक्त एवं सचिव हरियाणा सरकार, वन विभाग चण्डीगढ के पत्र क्र0 800 दिनांक 18–1–93 द्वारा वनपाल पर्यावरण मंत्रालय भारत सरकार क्षेत्रीय कार्यालय चण्डीगढ से अनुरोध किया गया है जिसकी स्वीकृति एक मास की अवधि में प्राप्त होने की संभावना है।

सरकार ने जींद, नारनौल, झज्जर, रिवाडी तथा पानीपत में अन्य बाई पासिज बनाने का प्रस्ताव किया है। जीन्द बाई पास के लिये भूमि अधिग्रहण हेतु 2.08 करोड रूपये का अनुमान विचाराधीन है। अन्य बाई पासों के विकास तथा निर्माण के लिये इनको चुंगी सडक की तरह बनाने की संभावनाओं का मामला आई0एल0एफ0एस0 के साथ उठाया गया है।

चौधरी बीरेन्द्र सिंहः अध्यक्ष महोदय, मैं आपके द्वारा मन्त्री महोदय से दो सवाल पूछना चाहता हूं। एक तो यह है कि

कैथल में भाहर के अन्दर जो पेड थे वे तो काट दिए गए, पता नहीं उसकी फोरलेनिंग हुई या नहीं हुई, जैसे कि यह बता रहे हैं कैथल बाई पास के बारे में ये कह रहे हैं कि स्वीकृति नहीं मिली है जबकि बाई पास का काम इससे पहले साल का भुरू हुआ है, यानी फोरलेनिंग के पहले का भुरू हुआ है। दूसरे मैं यह पूछना चाहता हूं कि जो नै ानल हाईवे पर बाई पास बनते हैं, क्यों न उनको ने ानल हाईवे का हिस्सा बना दिया जाए ? रोहतक का जो बाई पास है वह ने ानल हाईव पर है और अब भी भाहर के अन्दर से जाता है। जो बाई पास है, क्या वह स्टेट गवर्नमैंट की कन्स्ट्रक ान है या स्टेट गवर्नमैंट उसको लुक आफटर करती है ? जो इतने इम्पोर्टैंट बाई पास हैं, क्यों ने उनको ने ानल हाईवे का हिस्सा बना दिया जाए ? क्या इस बारे में इन्होंने कभी सोचा है कि ऐसे मामले टेकअप किए जाएं ? रोहतक सिटी से मेन रोड जाती है, वह अब भी ने ानल हाईवे पर है जबकि उस ने ानल हाईवे की यूटिलिटी खत्म हो चुकी है। मैं मन्त्री महोदय से यह जानना चाहूंगा कि जो बाई पास आज से 25–26 साल पहले बना हुआ था, वह आज भी ने ानल हाईवे में टेक ओवर हुआ है या नहीं हुआ है ?

चौधरी आनन्द सिंह डांगी: अध्यक्ष महोदय, माननीय चौधरी बीरेन्द्र सिंह जी ने कैथल बाई पास के बारे में जो बात पूछी है, उसका उत्तर यह है कि जो सडक कैथल भाहर के बीच से जाती है, उसको फोर लेन किया गया है। इन्होंने कहा कि उन पेडों को तो एकदम से कटवा दिया गया है। भाहर के अन्दर सडक पर कोई पेड ही नहीं था (विघ्न) जो बाई पास बना है,

उसके पेड कटवाने के लिये केन्द्रीय सरकार से मंजूरी लेनी पडती है। दूसरे मेरे आदरणीय साथी ने रोहतक बाई पास के बारे में कहा है कि रोहतक बाई पास को भी ने ानल हाईवे में कन्वर्ट किया जाए। जो बाई पास बन गया है, वह तो अपने आप ही नै ानल हाईवे में कन्वर्ट हो जाता है और उस पर हाईवे के हिसाब से ट्रैफिक चल रहा है।

श्री अध्यक्षः भाायद यह अपने आप तो नहीं बनता, आप वैरीफाई कर लें।

श्री अमर सिंहः अध्यक्ष महोदय, ये अर्थ वर्क और बाई पास बनाए जाने के बारे में बताएं। मैं आपके माध्यम से माननीय मन्त्री जी से जानना चाहता हूं कि फलाई ओवर ब्रिज कब तक पूरा करा देंगे और दरख्तों की कटाई कब तक हो जाएगी ? क्या ये कोई डेट मुकर्रर करेंगे ?

चौधरी आनन्द सिंह डांगीः अध्यक्ष महोदय, मैंने कहा है कि दरख्तों की कटाई के लिये एक महीने के अन्दर अन्दर मंजूरी मिल जाने की उम्मीद है और बहुत जल्दी ही कटान का काम भाुरू हो जाएगा और उसको साफ कर दिया जाएगा। यह फलाई ओवर ब्रिज नहीं बनना है क्रोसिंग बनना है और उसके ऊपर फाटक लगना है। इस फाटक के लिये 32 हजार रूपये सैन्ट्रल गवर्नमैंट के पास जमा करवा दिए हैं और उसकी प्रक्रिया जारी है। बहुत जल्द इसको भी पूरा किया जाएगा।

श्री मनी राम केहरवालाः अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से मन्त्री जी यह जानना चाहूंगा कि 10 दिन पहले

ऐलनाबाद बाई पास बनाने के बारे में सरकार की तरफ से जो घोशण की गई थी, इस बारे में अब लेटेस्ट पोजी ान क्या है ?

चौधरी आनन्द सिंह डांगीः अध्यक्ष महोदय, मेरे साथी भाई मनीराम जी ने ऐलनाबाद बाई पास के बारे में पूछा है, मैं इनको बताना चाहूंगा कि उसकी ऐडमिनिस्ट्रेटिव अप्रूवल हो चुकी है और इसकी लम्बाई लगभग पौने 4 किलोमीटर पडेगी। इस पर साढे 52 लाख रूपये की लागत आएगी। जितनी जल्दी हो सकेगा, इसकी प्रक्रिया जारी करके अगले साल तक बना दिया जाएगा।

चौधरी सूरजभान काजलः अध्यक्ष महोदय, आज से अढाई महीने पहले मन्त्री जी गांव बुआना हल्का जुलाना में गए थे और इन्हौंने घोशणा की थी कि 3 महीने के अन्दर बोराडैम से बुआना सडक बन कर तैयार हो जाएगी। मैं मन्त्री जी से यह जानना चाहूंगा कि क्या इस पर कोई निर्माण कार्य भाुरू हुआ है और अगर भाुरू हुआ है तो क्या 15 दिन के अन्दर यह बन कर तैयार हो जाएगी ?

श्री अध्यक्षः यह सवाल बाई पास का है, सडक का नहीं है।

चौधरी सूरजभान काजलः अध्यक्ष महोदय, ...
...

चौधरी आनन्द सिंह डांगीः अध्यक्ष महोदय, इनकी यह बात रिकार्ड पर नहीं आनी चाहिए।

श्री अध्यक्षः इस बात को रिकार्ड न किया जाए।

चौधरी आनन्द सिंह डांगीः अध्यक्ष महोदय, मैं माननीय भाई से यह जानना चाहूंगा कि मेरी जो मीटिंग वहां पर हुई थी, क्या वे उसमें उपस्थित थे, जिसमें मैंने कहा था कि 10–12 गांवों को यह जोडती है इसलिये इस सडक को बनाएंगे ?

चौधरी सूरजभान काजलः अध्यक्ष महोदय, दो सडकों की मांग की थी, एक तो बोराडैम से बुआना और दूसरी ईगरा से बुआना।

श्री मोहन लाल पीपलः अध्यक्ष महोदय, मैं मन्त्री महोदय से जाना चाहूंगा कि रिवाडी से दिल्ली रेलवे लाईन है, उस पर ओवर ब्रिज 1985 में हरियाणा सरकार ने बनाना स्वीकर किया था। क्या उसकी भारत सरकार से मंजूरी आ गई है ? अगर नहीं आई है तो क्या ये भारत सरकार को दोबारा लिखेंगे क्योंकि वहां पर ओवर ब्रिज का होना बहुत जरूरी है।

चौधरी आनन्द सिंह डांगीः अध्यक्ष महोदय, ओवर ब्रिज की मंजूरी नहीं आई है और हम उसके लिये दोबारा भी लिख रहे हैं।

श्री हरि सिंह नलवाः अध्यक्ष महोदय, मैं मन्त्री जी से जानना चाहूंगा कि क्या 1993–94 में पानीपत में कोई बाई पास बनाने की योजना है और साथ ही हरियाणा में कौन कौन से ऐसे और भाहर हैं जहां पर बाई पास बनाने की योजना है ?

चौधरी आनन्द सिंह डांगीः अध्यक्ष महोदय, सरकार का जीन्द, नारनौल, झज्जर, रिवाडी और पानीपत में बाई पास बनाने का प्रावधान है।

साथी लहरी सिंहः स्पीकर साहब, मैं मन्त्री जी से जानना चाहूंगा कि रेलवे लाईन पर ओवर ब्रिज नहीं बन सकते। तो जो उनके नीचे पुल से सडकें निकलती हैं, वह अच्छे अच्छे भाहरों को मिलती हैं तो क्या वहां पर अंडर ग्राउंड सडकें बनेंगी जैसे कि मुस्तफाबाद और बराडा है ?

चौधरी आनन्द सिंह डांगीः ऐसी कोई परपोजल नहीं है।

चौधरी बलवन्त सिंह मैनाः अध्यक्ष महोदय, रोहतक में एक सरकुलर रोड है, जिसके ऊपर डबल फाटक लगता है। क्या उस पर सरकार की कोई ओवर ब्रिज बनाने की स्कीम है ?

चौधरी आनन्द सिंह डांगीः ऐसा कोई परपोजल नहीं है।

Disparity in Service Conditions

***406. Prof. Chhattar Singh Chauhan:** Will the Minister for Education be pleased to state-

(a) whether it is a fact that there is a disparity in conditions of service between the Lectruers working in Govt. Colleges and Private College; and

(b) if so, the reasons thereof ?

ि ाक्षा मन्त्री (श्रीमती भाान्ति देवी राठी):

(ए) जी हां।

(बी) राजकीय महाविद्यालयों तथा अराजकीय महाविद्यालयों में कार्यरत प्राध्यापकों की सेवा भार्तें इस कारण से समान नहीं हैं क्योंकि उनके नियोक्ता भिन्न हैं। सरकारी महाविद्यालयों में कार्यरत प्राध्यापकों तथा अराजकीय महाविद्यालयों में कार्यरत प्राध्यापकों की समान सेवा भार्तें रखना संभव नहीं है।

प्रो0 छत्तर सिंह चौहानः अध्यक्ष महोदय, मैं मन्त्री महोदया से जानना चाहूंगा कि प्राईवेट कालेजों और गवर्नमैंट कालेजों के टीचरों की सेवा भार्तें समान क्यों नहीं हैं ? प्राईवेट कालेज के टीचर की रिटायरमैंट उम्र 60 साल है जबकि गवर्नमैंट कालेज के टीचर की रिटायरमैंट की उम्र 58 साल है। जब कोई गवर्नमैंट टीचर रिटायर होता है तो वह किसी प्राईवेट कालेज में सर्विस जवाइन कर लेता है। क्या वह टीचिंग के लिये मैंटली फिट होता है। अगर फिट होता है तो दोनों की सेवा भार्तों में समानता होनी चाहिये।

श्री अध्यक्षः यह तो जवाब दे दिया गया है।

प्रो0 छत्तर सिंह चौहानः अध्यक्ष महोदय, प्राईवेट कालेजों में पार्ट टाईम लगाने पर 800 रूपए दिया जाता है। जबकि गवर्नमैंट कालेजों में बहुत कुछ दिया जाता है।

श्री अध्यक्षः गवर्नमैंट कालेज वालों को 1000 रूपये दिये जाते हैं।

प्रो0 छत्तर सिंह चौहानः अध्यक्ष महोदय, मेरा मन्त्री महोदया से अनुरोध है कि प्राईवेट कालेजों को 95 प्रति ात ग्रांट दी जाती है, 100 प्रति ात देने में क्या प्रोब्लम है ? उनको क्यों ने 100 प्रति ात ग्रांट दी जाए ? क्या यह बात मन्त्री महोदया के ध्यान में है कि 100 प्रति ात ग्रांट कर दी जाए तथा दोनों में समानता करने का विचार किया जाये ?

श्रीमती भाान्ति देवी राठीः अध्यक्ष जी, मैं आपके माध्यम से अपने भाई प्रो0 छत्तर सिंह चौहान को बताना चाहूंगी कि एक तो वे स्वयं भी प्राध्यापक रहे हैं और उनको यह पता भी है और मैंने पहले भी कहा है कि नियोक्ता/एप्वायंटिं अथोरिटी दोनों की अलग अलग हैं। हमारे राजकीय विद्यालयों में तो पब्लिक सर्विस कमी ान सिलैक ान करता है और जहां तक दूसरी अराजकीय ि ाक्षण संस्थाओं की बात है, इसके बारे में जैसा कि आपको पता भी है कि वहां प्राईवेट मैनेजमैंट होती है जो प्राध्यापकों को नियुक्त करती है। इसके अलावा, सेवा भार्तें भी दोनों की अलग अलग हैं। गवर्नमैंट कालेजों में 1986 की सेवा भार्तें लागू हैं और अराजकीय महाविद्यालयों की 1979 की सेवा भार्तें लागू हैं। इस प्रकार दोनों की सेवा भार्तें अलग अलग हैं। वे वि वविद्यालयों से सम्बंद्ध हैं जबकि गवर्नमैंट कालेजों के टीचर्ज को स्टेट के अन्य सरकारी कर्मचारियों की तरह ट्रीट किया जाता है। जहां तक लाभ की बात है, यह बात तो आपने भी स्वीकार की है कि उनको 95 परसैंट एड गवर्नमैंट देती है। इसके अलावा उनको कभी कभी मैचिंग ग्रांट का लाभ भी मिलता है तथा मुख्य मंत्री जी कभी कभी अपने स्वैच्छिक कोटे से उनको लाखों रूपये देते हैं। प्राइवेट

कालिज के जो सदस्य होते हैं, उनसे भी चन्दा एकत्र करके दिया जाता है। जहां तक अन्तर की बात है, उनको वेतन तो समान मिलता है लेकिन इस बात में कोई संदेह नहीं है कि पार्ट टाईम पर जो लैक्चरर लगाते हैं, पहले उनको 600 रूपये मिलते थे परन्तु अब गवर्नमैंट ने 800 रूपये देने भाुरू कर दिये हैं तथा बाकी रा ि ा प्राइवेट मैनेजमैंट अपनी ओर से देती है।

प्रो0 सम्पत सिंहः स्पीकर सर, अभी मन्त्री महोदया ने बताया कि 95 परसैंट एड गवर्नमैंट देती है तथा उनकी एप्वायंटिंग अथौरिटी भी अलग अलग बतायी है। जहां तक उनकी रिक्रूटमैंट का तरीका है तथा एप्वायंटिंग अथौरिटी का सवाल है तो वह अलग अलग है। यह सही है लेकिन प्राईवेट कालेज के टीचर का जब रिक्रूटमैंट होता है तो इन्टरव्यू के समय गवर्नमैंट का नोमिनी भी होता है और यूनिवर्सिटी का नोमिनी भी होता है, इसलिये रिक्रूटमैंट का तरीका लगभग पब्लिक सर्विस कमी ान जैसा ही है, तो क्यों नहीं गवर्नमैंट के टीचर्ज जैसी उन टीचर्ज को सुविधाएं दी जाती ? दूसरे जहां तक स्टुडैंटस और टीचर्ज की रे ाो की बात है प्राईवेट कालेजों में स्टुडैंटस ज्यादा होते हैं और टीचर कम होते हैं जबकि गवर्नमैंट कालेजों में टीचर्ज ज्यादा होते हैं और स्टुडैंटस कम होते हैं और पढाई भी उनके मुकाबले में कम है। इसके इलावा, जहां तक मैरीटोरियस स्टुडैंटस की बात है, प्राईवेट कालेज वाले ज्यादा मेहनत कराते हैं लेकिन उसके बावजूद भी पिछले दो साल से अब तक एक भी टीचर्ज की पोस्ट को मंजूरी नहीं दी गयी है (विघ्न) मैं मन्त्री महोदया से जानना चाहूंगा कि

जब प्राईवेट कालेजों में स्टुडैंटस की संख्या बढ गयी है तो वहां पर अभी तक लैक्चरार की पोस्टस सैंक ान क्यों नहीं की गयी ?

श्रीमती भाान्ति देवी राठीः अध्यक्ष महोदय, मैं आपकी अनुमति से अपने माननीय भाई श्री संपत सिंह जी को बताना चाहूंगी कि कि इसमें सन्देह नहीं कि पिछले दो वर्श से प्राईवेट कालेजिज में हमने अतिरिक्त पोस्टस नहीं दीं, लेकिन यह मामला विचाराधीन है। निकट भविश्य में हम अपनी वित्तीय व्यवस्था के अनुकूल जितना भी इस बारे कर सकेंगे, करने वाले हैं।

Consumer Forum

***415. Sh. Ram Bhajan Aggarwal:** Will the Minister forFood and Supplies be pleased to state-whether there is any proposal under consideration of the Govt. to nominate the traderes in the District Consumer Redressal Forum ?

खाद्य एवं पूर्ति मन्त्री (श्री महेन्द्र प्रताप सिंह): नहीं।

श्री राम भजन अग्रवालः अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से मन्त्री महोदय से जानना चाहूंगा कि क्या कंज्यूमर्ज के हित की रक्षा के लिए स्टेट के अन्दर कोई उपभोक्ता संघ बनाया हुआ है, यदि हां तो उसके मैम्बर्ज कौन से हैं ? क्या कंज्यूमर्ज के हित की रक्षा के लिए इस फोरम में उनके प्रतिनिधि होना जरूरी नहीं है क्योंकि ज्यादा केसिज उनके आते हैं ?

श्री महेन्द्र प्रताप सिंहः अध्यक्ष महोदय, जहां तक माननीय सदस्य की भावना का सवाल है जिसे मैं समझा हूं और आप भी भाायद समझते होंगे कि इनका मकसद ट्रेडर्ज का फोरम

में प्रतिनिधि देने से है। अध्यक्ष महोदय, यह 1986 का कंज्यूमर्ज प्रोटैक ान एक्ट है जो सैंट्रल गवर्नमैंट का एक्ट है। इसके अन्तर्गत थ्री टायर सिस्टम की व्यवस्था की गई है। उसमें एक डिस्ट्रिक्ट फोरम होता है। उसमें एक चेयरमैन व दो उसके मैम्बर होते हैं। ऐसा ही स्टेट कमी ान और सैंट्रल कमी ान में होता है। स्टेट कमी ान में दो मैम्बर व एक चेयर मैन एवं सैंट्रल कमी ान में चार मैम्बर होते हैं। एक्ट के प्रोविजन के मुताबिक इस फोरम में समाज के ट्रेड वाणिज्य और एजूके ान से अच्छी प्रतिश्ठा वाले उन व्यक्तियों को जिनको इस फील्ड के बारे में ज्ञान हो, सरकार नोमिनेट करती है। वैसे यह सैंट्रल गवर्नमैंट का एक्ट है लेकिन इस व्यवस्था के अन्तर्गत हमने जिला स्तर पर और राज्य स्तर पर ऐसे व्यक्तियों को जो एजूके ान फील्ड या ट्रेडर्ज से ताल्लुक रखते हैं को नोमिनेट किया है। डिस्ट्रिक्ट फोरम हो या स्टेट फोरम हो। उसमें व्यापारियों के खिलाफ ट्रेडर प्रोडयूसर या उद्योग के खिलाफ ि ाकायतें आती हैं अगर इनके प्रतिनिधियों को इन फोरम्स में प्रतिनिधित्व दिया जाएगा तो उपभोक्ता के प्रति इस एक्ट की जो भावना है कि हम उसको सस्ता और जल्दी न्याय दें, वह पूरा नहीं हो पाएगी। पिछले दिनों उनका प्रतिनिधि मंडल मुख्य मंत्री से और मुझसे मिला। ऐक्ट संबंधी सारी दिक्कतों को सामने रखते हुए हमारी स्टेट की जो एडवाइजरी कौंसिल है, उसमें प्रतिनिधित्व देने के लिये फैसला सरकार ने कर लिया है। एफ0डी0 को केस भेजा है एफ0डी0 से आने पर इनका प्रतिनिधित्व कौंसिल में दे दिया जायेगा। कौंसिल के जरिए अपनी दिक्कत या संरक्षण हेतु सुझाव देकर इस उद्दे य की प्राप्ति कर सकते हैं।

Loss suffered during the Anti Reservation Agitation

***499. Sh. Attar Singh:** Will the Chief Minister be pleased to state-

(a) the total loss of property suffered by the Govt. during the anti reservation agitation in the State in the year 1990-91; and

(b) whether any enquiry has been got conducted in the above mentioned loss of property; if so, the results thereof togetherwith the action; if any, taken against the persons held responsible ?

मुख्य मन्त्री (चौधरी भजन लाल):

(क) वर्श 1990–91 में आरक्षण विरोधी आन्दोलन के दौरान नुक्सान हुई सम्पति की कुल अनुमानित कीमत 562323049 रूपये है।

(ख) हरियाणा रोडवेज की बसों को सोनीपत में जलाये जाने के संबंध में सरकार ने आयुक्त, रोहतक मण्डल द्वारा एक जांच करवाई थी, जिसके आधार पर आगामी कार्यवाही की जा रही है।

साथी लहरी सिंहः मुख्य मंत्री महोदय ने जवाब दिया है कि आगामी कार्यवाही की जा रही है। इस केस को हुए दो साल हो गये हैं। स्पीकर साहब, मैं मुख्य मंत्री महोदय से यह जानना चाहता हूं कि कौन कौन से आदमी इसमें इन्वाल्वड हैं, किस किस आदमी का उस इन्कवायरी रिपोर्ट में नाम है ओर कौन से अफसर

ने इसको इन्क्वायरी की है और कब तक यह इन्क्वायरी पूरी हो जायेगी ?

चौधरी भजन लालः अध्यक्ष महोदय, मेन जो दोशी हैं वे आपके सामने बैठे हैं। उस वक्त इनकी सरकार थी। इनके इ ाारे पर ही यह सारा नुक्सान हुआ है। इस बात को सारे प्रदे ा के लोग जानते हैं (व्यवधान व भाोर) आप लोग चाहे कुछ भी कहते रहें लेकिन सारे प्रदे ा के लोग इस बात की सच्चाई को जानते हैं। (व्यवधान व भाोर)

श्री सतबीर सिंह कादयानः स्पीकर साहब, मेरे ख्याल से यह किसी दूसरे मैम्बर का सवाल था। उन्होंने इनको अथोराईज भी नहीं किया हुआ है। मेरे ख्याल से वह तो इस सवाल को पुट ही नहीं कर सकते थे। मैं इस बारे में आपकी रूलिंग चाहता हूं।

चौधरी भजन लालः अब आपको तकलीफ क्यों है। स्पीकर साहब ने इजाजत दी है।

श्री सतबीर सिंह कादयानः मैं आपकी इस बारे में व्यवस्था चाहूंगा कि सवाल किसी और का हो और बिना अथोराईजे ान के श्री लहरी सिंह ने क्वै चन पुट किया है, क्या वह पूछ सकते हैं।

Mr. Speaker: He has requested and it can be allowed.

चौधरी भजन लालः अध्यक्ष महोदय, इन्होंने पहले तो यह पूछा है कि इसमें कितने अधिकारी इन्वालवड हैं, मैं यह बताना

चाहता हूं कि इसमें 14 अधिकारी इन्वाल्वड हैं। जो कमी ान ने रिपोर्ट दी है, उसके मुताबिक भी 14 अधिकारी इसमें इल्वाल्वड हैं। उनके नाम इस प्रकार से हैं :–

1. आर0सी0 राव, आई0ए0एस0, डी0सी0 सोनीपत।

2. गुलाब सिंह, आई0एस0एस0, एडी ानल डी0सी0 सोनीपत।

3. के0के0 भार्मा, आई0पी0एस0, एडी ानल एस0पी0, सोनीपत।

4. भील माथुर, आई0पी0एस0, एस0पी0, सोनीपत।

5. द र्ान सिंह, डी0एस0पी0, हैडक्वार्टर सोनीपत।

6. राजेन्द्र सिंह, गेहलोट, नायब तहसीलदार, सोनीपत।

7. देस राज ढिंगरा, जी0एम0, सोनीपत।

8. मुके ा गम्भीर, डी0ई0टी0सी0, सोनीपत।

9. वेद पाल हांडा, डी0एफ0एस0ओ0, सोनीपत।

10. मांगे राम, इंस्पैक्टर, सिटी सोनीपत।

11. खजान सिंह, एस0आई0, एस0एच0ओ0, सदर, सोनीपत।

12. बगीचा सिंह, एस0एच0ओ0, सी0आर0पी0

13. श्री चन्द एस0एच0ओ0, सिटी।

14. देवेन्द्र सिंह, आई0ए0एस0, एस0डी0एम0, सोनीपत।

यह 14 लोग हैं जिनके खिलाफ कमी ान ने रिपोर्ट दी है। आप जानते हैं कि 190 पेज की रिपोर्ट थी, वह रिपोर्ट आने में ही एक साल लग गया। हमने इस बारे में कुछ कार्यवाही की भी है। एक एस0पी0 और ए0एस0पीव को सस्पैंड भी किया है। बाकी आदमियों की जवाबतलबी भी की है। कानून के मुताबिक जो भी कार्यवाही हो सकती है, वह हम जरूर करेंगे।

श्री अमीर चन्द मक्कड़: स्पीकर साहब, मैं मुख्य मंत्री महोदय से यह जानना चाहूंगा कि 55 करोड रूपये का जो नुकसान हुआ है, जिलेवार इसका ब्यौरा बताने की कृपा करें। दूसरे मैं यह भी जानना चाहता हूं कि जिन्हौंने यह नुक्सान किया है, क्या सरकार ने उनको गिरफ्तार भी किया है या नहीं किया है ? क्या इस बारे में जिलेवार ब्यौरा देने का कश्ट करेंगे ?

10.00 बजे।

चौधरी भजन लाल: अध्यक्ष महोदय, अध्यक्ष महोदय, इन्होंने यह पूछा है कि जिलेवार कितना कितना नुक्सान हुआ है, वह भी मैं बता देता हूं। वह इस प्रकार से है :–

अम्बाला	211543915.00
यमुनानगर	275423.00
कुरूक्षेत्र	158204111.

	00
कैथल	501700.00
करनाल	1091802.00
पानीपत	1468000.00
रोहतक	5286832.00
सोनीपत	31458107.00
हिसार	6348500.00
सिरसा	367989.00
भिवानी	323575.00
जीन्द	2894193.00
गुड़गांवा	30000.00
फरीदाबाद	10000000.00
महेन्द्रगढ़	219700.00
रेवाड़ी	51000.00
रेलवे हरियाणा	132258202.00
कुल योग	562323049.

	00

स्पीकर साहब, जहां तक इन्होंने पूछा है कि कितने लोगो के खिलाफ केसिज दर्ज किए, उस बारे में इस प्रकार इंफरमे ान है। कुल केस दर्ज हुए 496, जिसमें गिरफ्तार लोग किए गए, वे हैं 898।

श्री रामपाल सिंह कंवरः अभी मुख्य मंत्री महोदय ने जिलेवार नुकसान का ब्यौरा दिया है, क्या मुख्य मंत्री महोदय बताने की कृपा करेंगे कि यह जो प्रोपर्टी का नुकसान बताया है, यह केवल स्टेट गवर्नमैंट की प्रौपर्टी है या इसमें सैंट्रल गवर्नमैंट की भी प्रौपर्टी भाामिल है ?

चौधरी भजन लालः यह सरकार प्रौपर्टी का नुक्सान है और इसमें स्टेट गवर्नमैंट और सैंटर दोनों की प्रौपर्टी भाामिल है, प्राईवेट प्रौपर्टी भाामिल नहीं है।

प्रो0 सम्पत सिंहः अभी मुख्य मंत्री जी ने बताया है कि कुछ एस0पी0 और ए0एस0पी0 वगैरह सस्पैंड किए गए। क्या मुख्य मंत्री महोदय बताने की कृपा करेंगे कि जो एस0पी0 और ए0एस0पी0 आदि सस्पैंड किए गए, वे किस तारीख को किए गए और उनको कब बहाल किया गया। जो लोग गिरफ्तार किए गए, वे इनकी सरकार आने के बाद किए गए थे या पहले किए गए थे ?

चौधरी भजन लालः स्पीकर साहब, गिरफ्तार से पहले चालान आदि की एक प्रक्रिया होती है और इस कार्यवाही में कुछ

टाईम लगता है। स्पीकर साहब, हमारे टाईम में जो भी लोग गिरफ्तार किए गए और इनके समय में भी गिरफ्तार किए गए। फर्क इतना है कि इनके समय में लोगों पर झूठे केस बनाकर गिरफ्तार किया गया। जहां तक सस्पैंड करने का सवाल है, जब हमने काफी भाोर मचाया तो इन्होंने एक एस0पी0 और ए0एस0पी0 को सस्पैंड किया लेकिन उनको एक माह बाद ही बहाल कर दिया।

श्री मनीराम केहरवालाः क्या मुख्य मंत्री महोदय बताने की कृपा करेंगे कि पिछली सरकार के समय जिन लोगों पर झूठे केसिज बनाकर गिरफ्तार किया गया था उनकी दुबारा इंक्वायरी कराकर उन झूठे केसिज को वापिस लेने पर सरकार विचार करेगी ?

चौधरी भजन लालः स्पीकर साहब, जहां पर किसी ने दरखास्त दी कि उसके खिलाफ झूठा केस बनाया गया था, उसकी हमने बाकायदा इंक्वायरी करवाई और जहां पाया गया कि केस झूठा था, उसके खिलाफ केस वापिस लिया गया लेकिन कुछ केसिज में सरकार की भी मजबूरी होती है। जहां केस कोर्ट में चला गया और भाहादत भी हो गई और केस का फैसला होने वाला है वहां केस वापिस लेना मुमकिन नहीं है। लेकिन फिर भी अगर किसी के साथ अन्याय हुआ है और वह लिखकर दे कि उसके खिलाफ झूठा मुकदमा बनाया गया था, वहां पर हम जांच करवा सकते हैं।

प्रो0 छत्तर सिंह चौहानः अध्यक्ष महोदय, मुख्य मंत्री महोदय ने स्वयं बताया कि सोनीपत के अन्दर बसों का सबसे ज्यादा नुकसान हुआ हैं इस बात की सारी जिम्मेवारी वहां के जी0एम0 रोडवेज पर आती है, जो उस समय वहां पर था और आज भी वह वहीं पर पोस्टिड है। क्या कारण है कि सरकार ने उसके खिलाफ आज तक कोई कार्यवाही नहीं की और दूसरी तरफ भिवानी में भी लोगों का काफी नुकसान हुआ है। ठीक है, बसों का कम से कम लगभग 3 लाख के करीब नुकसान हुआ है लेकिन भिवानी के अन्दर एक भी बस नहीं दी गई। उसकी जगह सोनीपत में और बसें देकर वहां यह कम्पनसे ान दिया गया है जो कि उचित नहीं है। मुख्य मंत्री महोदय ने इस ओर कोई ध्यान नहीं दिया क्योंकि ये समझते हैं कि वे अपोजी ान के मैम्बर हैं। मैं आपके माध्यम से मुख्य मंत्री महोदय से यह जानना चाहता हूं कि भिवानी में जो नुकसान हो चुका है, उसके बारे में वे क्या कार्यवाही कर रहे हैं ? क्या भिवानी में हुए नुकसान के लिये कोई कम्पनसे ान सरकार देने जा रही है या नहीं ? भिवानी जिले के साथ बसें वगैरह देने में सौतेला व्यवहार सरकार क्यों कर रही है ? जी0एम0 सोनीपत जिनके वक्त में बसों का काफी नुकसान हुआ है, उसके खिलाफ आज तक कोई कानूनी कार्यवाही क्यों नहीं की गई है और न ही उन्हें वहां से बदला गया है ? क्या उन पर इनकी कोई वि ोश कृपा तो नहीं है ?

चौधरी भजन लालः अध्यक्ष महोदय, जहां तक सोनीपत के जी0एम0 का ताल्लुक है, उसने बहुत अच्छा काम किया है और उसकी कोि ा ाों के कारण बसों का और ज्यादा नुक्सान भी

नहीं हुआ है। अगर वे कोि ा ा न करते तो सरकार का और नुकसान हो सकता था। इसलिये हमने उनको इसके बदले में ऐप्रीि ाऐ ान लैटर भी दिया है कि उन्होंने अपनी कोि ा ाों की बदौलत सरकार का और अधिक नुकसान होने से बचाव किया है। अध्यक्ष महोदय, जहां तक भिवानी जिले का सवाल है, भिवानी के साथ किसी भी प्रकार का सरकार की ओर से कोई भेदभाव नहीं बरता गया है। आप जानते हैं कि सरकार को इस बात का खास ध्यान रखना पडता है कि बसें कौन से डिपो से कितनी कितनी संख्या में ज्यादा चलती हैं ? एक बस की चलने की अवधि कितनी होती है और कितने समय के बाद बस की रिप्लेसमैंट होनी चाहिये इन सब बातों को देखते हुए क्रायटेरिया के अनुसार बसों को चलाया जाता है और अलाटमैंटस की जाती है। इस बात का भी ध्यान सरकार को रखना पडता है कि कितना सफर कर चुकने के बाद बस को बदला जाना है। कितनी कितनी सवारियां किस किस रूट से चलती हैं। यह सब देखना पडता है कि अगर कहीं पर सवारियां ओवर लोडिड होती हों तो उसी के हिसाब से नार्मज के अनुसार बसें अलाट की जाती हैं लेकिन जैसा कि इन भाईयों ने कहा कि भिवानी के साथ सौतेला व्यवहार क्यों किया जा रहा है, ऐसी कोई बात नहीं है। सरकार ने सभी जगहों पर एक सारता बरती है। अगर माननीय सदस्यों के नोलिज में ऐसी कोई बात है तो वे हमारे नोटिस में लाएं, हम देख लेंगे और अगर कोई दिक्कत कहीं पर लोगों को महसूस होगी, तो हम उनकी तकलीफों को दूर करने की कोि ा ा करेंगे ?

Auction of Liquor Vends

***436. Sh. Jai Parkash:** Will the Minister for Excise & Taxation be pleased to state-

(a) the total number of Liquor vends auctioned in the State during the year 1992-93;

(b) the number of vends out of thos referred to in part (a) above given to persons/firms who have been given for the last three years; and

(c) whether any raids were conducted by the Department/Anti Corruption Board on the Liquor Shops during the year as referred above; if so, the action taken against any of the officers/officials found involved therein under the anti corruption campaign ?

Excise and Taxation Minister (Sh. A.C. Chaudhary):

(a) 1208 liquor vends were auctioned for the year 1992-93;

(b) Out of 1208 liquor vends 29 liquor vends were given to firms who have been given such vends for the last three years.

(c) No, Sir; does not arise.

श्री जयप्रका : अध्यक्ष महोदय, क्या मन्त्री महोदय यह बताने का कश्ट करेंगे कि 1991–92, 1992–93 में सरकार ने जो ठेके नीलाम किये थे, उनसे सरकार को कितनी आय हुई है ? दूसरे इन्होंने अपने जवाब में बताया है कि 1208 ठेके जो हैं उनमें से 29 ठेकें उन फर्मों को दिये जिन्हें ऐसे ठेके पिछले तीन वर्शों में दिये जाते रहे हैं। मैं इस बारे मैं यह जानना चाहता हूं कि

उनको इन ठेकों से कोई नुकसान तो नहीं हुआ है ? तीसरे 'ग' भाग के जवाब में इन्होंने बताया कि सरकार ने कोई रेड नहीं किया। आया कहीं पर कोई मिलावट भी हुई है या कि नहीं ? मैं इन से यह भी जानना चाहता हूं कि अब तक इस तरह के पग न उठाने का क्या कारण है ?

श्री ए0सी0 चौधरीः स्पीकर साहब, जहां तक 29 वैंडज की बात है, हमने इसके लिए दो बार औक ान करके इनको देने की कोि ा ा की। लेकिन अब औक ान नहीं हुई तो हमने नैगोसिए ान सैटलमैंट के तौर पर डी0सी0 की अध्यक्षता में एक कमेटी बनाई और ये ठेके पुरानी पार्टियों को दे दिए गए। इनमें से दो तीन केसिज को छोडकर और सरकार के रैवेन्यू को देखते हुए, हमारे पास कोई और चारा नहीं था कि हम नैगोसिए ान से सैटलमैंट न करते। जहां तक रेडज की बात है या चैंकिंग की बात है, रेडज और चैकिंग में फर्क है। रेड वह होता है जो किसी खास सूचना मिलने पर मारा जाता है और उसमें पूरी तरह से टीम जाकर चैकिंग करती है। जो चैकिंग की बात है, वह रैगुलर होती रहती है, जिसका डायरैक्टिव हमने इ ाू किया हुआ है कि किस हालत में कितनी चैकिंग की जानी चाहिए। जैसे एक्साइज इंस्पैक्टर है, वह भाहरी इलाकों में हफ्ते में एक बार चैकिंग करेगा और रूरल में 15 दिन में एक बार करेगा। ई0टी0ओ0 भाहरी इलाके में 15 दिन के बाद और देहात में एक महीने के बाद चैंकिग करेगा। डी0ई0टी0सी0 भाहर में एक महीने में एक बार और देहात में दो महीने में एक बार चैंकिंग करेगा। आदरणीय सदस्य ने पूछा कि हमने किस तरह से चैकिंग की या नहीं की। हमने

बाकायदा सख्ती से चैंकिंग की। हमने इस बार 1031 चैकिंग्ज की हैं जिनमें से 906 के हमने लाईसैंस रद्द किए। नैगोसिए ान के लिहाज से हमने 2280400 रूपए जुर्माना डिफरैंट केसिज में वसूल किया।

प्रो0 सम्पत सिंहः स्पीकर साहब, अगले साल के लिये ये लीकर वैंडज को जल्दी ही औक ान करने जा रहे हैं। मैं जानना चाहता हूं कि जो आपकी एक्साईज पौलिसी आई है, उसमें आपने स्पश्ट लिखा है कि इतनी वैंडज होंगी। दूसरी तरफ हरियाणा प्रदे ा में भाराब बन्दी को लकर गांव गांव में जनता आन्दोलन चला रही है। गांव के लोग सरकार को रैजोल्यू ान पास करके भेज रहे हैं और पंचायतों की तरफ से भी ऐसे रैजोल्यू ान आ रहे हैं। जहां से पंचायत की तरफ से रैजोल्यू ान आए हैं, वहां ऐजीटे ान हो रही हैं और जहां लोगों ने इसके खिलाफ धरने दे रखे हैं, क्या वहां पर आप वैंडज नहीं खालेंगे ? अगर नहीं खोलेंगे तो आपने पूरे वैंडज का टारगेट कैसे रखा है ?

श्री ए0सी0 चौधरीः स्पीकर साहब, पिछले दो सालों से हमने कोई वैंड नहीं बढाया क्योंकि हमारी मन ाा जहां रैवेन्यू इकटठा करने की है, उसके साथ साथ भाराब के फैलाव को रोकने की भी हम कोि ाश कर रहे हैं। मुझे बडी हैरानगी हो रही है कि ये कह रहे हैं कि पहले भी इतने वैंडज थे और अब भी इतने हैं। हमने कुरूक्षेत्र और पेहोवा को पवित्र धरती मान कर वहां से भाराब के ठेके उठाने के कदम उठाए हैं। इसके अलावा हमने हरियाणा को एक और वरदान दिया कि हमने अहाते बन्द किए। दूसरी तरफ पंचायतों का मान करते हुए हमने फैसला किया है कि जहां जहां

की पंचायतों ने रेजोल्यू ान दिए, उन पर विचार किया। इस साल हमारे पास कुल 569 प्रस्ताव आए थे। हमने एक असूल के आधार पर उनमें से केवल 26 प्रस्ताव रिजेक्ट किए हैं बाकी 306 को हमने उसी वक्त मान्यता दी। उनमें से 222 डिस्प्यूट में डाल कर फाइनैंि ायल कमि नर के पास अपील के लिये भेजे। इस बात से सरकार की नियत आप जांच सकते हैं कि 569 में से सिर्फ 26 को रिजैक्ट किया है। हमारी एक्साईज पालिसी के मुताबिक जहां से भी प्रस्ताव आता है, वहां अगर इलीसिट डिस्टीले ान का चालान हुआ हो, वहां बन्द नहीं करते। वहां पर लोगों की जिन्दगी बचाने के लिये ऐसा करते हैं। लोग नकली भाराब पिएंगे, जहर पीते हैं, स्प्रिट पीते हैं या ड्रग के सहारे रहते हैं। उनको इस बुरी आदत से बचाने के लिये केवल 26 प्रस्ताव ही रिजैक्ट किए गए हैं। 222 प्रस्ताव डिस्प्यूट में हैं, जिनमें पंचायतों के प्रस्तावों में और अपीलेट अथोरिटी के विचारों में फर्क नजर आया। (विघ्न) अभी इन 222 प्रस्तावों को रिजैक्ट नहीं किया गया है। ये प्रस्ताव अभी अपील में पैंडिंग हैं। यदि आप लोगों की बात को मान कर चलें और इन 222 को भी यदि रिजैक्ट हुआ मान लेते हैं तो भी आप देखेंगे कि हमने फिर भी लगभग 325 प्रस्तावों को माना है, जहां पर भाराब के ठेके नहीं खोले जाएंगे।

श्री राजेन्द्र सिंह बिसलाः अध्यक्ष महोदय, मैं मन्त्री महोदय से जानना चाहता हूं कि सारे प्रदे ा में आज अनेक सामाजिक, धार्मिक और महिला संगठनों ने भाराब के खिलाफ भारी जन समर्थन जुटाया है। मैं मन्त्री जी को इस बात के लिये बधाई देता हूं कि जिन ग्राम पंचायतों की तरफ से भाराब बंदी के प्रस्ताव

आए हैं वहां पर ये भाराब के ठेके नहीं खोलेंगे। साथ ही साथ मैं मन्त्री जी से इस बात का आ वासन चाहूंगा कि जहां पर ि ाक्षण संस्थाएं या धार्मिक संस्थाएं चाहे वे स्कूल मन्दिर गुरूद्वारे हैं या मेन बाजार में हैं, जहां पर बहन बेटियां सामान खरीदने आती जाती हैं, उन जगहों पर जो सरकार ने नार्म्ज फिक्स कर रखे हैं ठेके खोलने के उनकी आने जाने में उल्लंघना नहीं की जाएगी क्योंकि अब सायं 6.00 बजे के बाद जो गांवों के या भाहर के बेरोजगार नौजवान हैं, वे भाराब पीकर हुडदंग मचाते हैं जिसकी वजह से क्राईम भी बढते हैं। इसलिये मैं मन्त्री महोदय से आ वासन चाहूंगा कि क्या आने वाले साल में सारे प्रदे ा में भाराब के ठेके खोलने के नियमों का उल्लंघना तो नहीं की जायेगी ?

श्री ए0सी0 चौधरीः अध्यक्ष महोदय, इसमें कोई दो राय नहीं कि कुछ लोग जो भाराब को एक लानत मानते हैं वे आज उसके खिलाफ एजिटे ान के माध्यम से अपनी आवाज उठा रहे हैं लेकिन प्रायः बडी भारी मैजोरिटी उन लोगों की है, जो बाकायदा तौर पर देसी भाराब और घटिया भाराब पीते हैं और वे ज्यादातर अवैध किस्म के काम करने वाले सजायफता लोग हैं। सरकार की मन ाा लोगौं को स्वच्छ और साफ सुथरी भाराब देनले की है। (विघ्न) साफ सुथरी भाराब क्या है, वह भी मैं आपको बता देता हूं। साफ सुथरी भाराब हम उसको मानते हैं जिसको सरकार अपनी निगरानी में बनवाती है। सरकार मुलायसिज भाराब बनाने वाली एजेंसियों को सप्लाई करती है और बाकायदा तौर पर एक्साईज के अधिकारी वहां पर मौजूद रहते हैं। बाकायदा किसी

भाराब के बनाये जाने के नार्म्ज भी होते हैं उसी हिसाब से वह भाराब बनवायी जाती है। कहने का मतलब यह है कि सरकार के सुपरविजन में जो भाराब बनती है वह साफ सुथरी है। कुछ लोग स्प्रिट पीते हैं या इन्टोक्सोकैंटस लेते हैं। उसको तो मैं जहर कहता हूं। इस नाते मैं आज भी वि वास से कह सकता हूं कि यह ऐजिटे ान भाराब के विरोध में नहीं बल्कि कुछ स्वार्थी तत्व जो अपनी दुकानदारी खत्म होते हुए देख रहे हैं, वे इस ऐजिटे ान के पीछे हैं। मैं आनरेबल मैम्बर्ज से रिक्वैस्ट करूंगा और बताना भी चाहूंगा कि इस बारे में सरकार पूरी तरह से सचेत है। जहां भी इस मामले में भाराब के फैलाव की बात होगी, उसको पूरी तरह से रोकने के लिये सरकार कदम उठाएगी लेकिन जहां लोगों की जिन्दगियों से स्वार्थी तत्व खिलवाड करने की कोि ा ा कर रहे हैं, उनको रोकने में आनरेबल मैम्बर्ज मदद दें। प्रो0 सम्पत सिंह मेरे प्रैडिसैंसर रहे हैं उनको पालिसी के बारे में गहराई से पता है कि यह पोलिसी स्टेट के हित मैं है और इसको बन्द करके हमें कोई फायदा नहीं है। मैं एक एग्जाम्पल बताता हूं। महाराश्ट्र में जब मोरारजी देसाई मुख्य मंत्री बने थे, तो उन्होंने भाराब बन्दी लागू की थी। नकली भाराब पीने के कारण हजारों लोग अस्पतालों में पहुंचे थे और बहुत से लोग मरे भी थे। लोगों की जिन्दगियों को बचाने के लिये भी उनको स्टैंडर्ड नार्म की बनी हुई भाराब मुहैया करानी जरूरी है। (विघ्न एवं भाोर)

श्री पीर चन्दः अध्यक्ष महोदय, मंत्री जी ने बताया है कि 306 ऐसे रैजोल्यू ान आए हैं, जिनको हमने मान्यता दी है तथा जिन में कहा गया है कि उनके गांवों में ठेके न खोले जाएं। यह

एक अच्छी बात है (विघ्न)। मैं मन्त्री महोदय से यह जानना चाहूंगा कि क्या इस बात को वे आगे भी लागू रखेंगे ? मेरा दूसरा सवाल यह है कि गांवों में जो ठेके खुलते हैं, वे आम तौर पर हरिजन बस्तियों के पास खुलते हैं, जिससे उनकी बहन बेटियों को काफी परे ाानी होती है। मैं मन्त्री जी से यह आ वासन चाहूंगा कि क्या सरकार ऐसी बस्तियों से ठेकों को दूर हटाने के लिये पग उठाएगी ?

श्री ए0सी0 चौधरीः स्पीकर सर, सरकार की यह वाजिब पालिसी है कि कम से कम हरिजन बस्तियों और गरीबों की बस्तियों के नजदीक ठेके न खोलें जाएं क्योंकि अगर ठेके नजदीक होंगे तो गरीब लोगों का इस ओर ज्यादा अट्रैक ान होगा। पालिसी में जो नार्म्ज हैं, उसमें बस्तियों के लिए डिस्टैंस की बात है। मैं सरकार की तरफ से माननीय सदस्य को आ वस्त करूंगा कि एक्साईज पालिसी के नार्म के मुताबिक जहां सुधार लागू करने की आव यकता है, हम उस मामले में पूरी कोि ा ा करेंगे (विघ्न)।

श्री पीर चन्दः अध्यक्ष महोदय, मैं माननीय मन्त्री जी से यह जानना चाहता हूं कि क्या आप अभी यह जरूरत नहीं समझते कि ठेकों को हरिजन बस्तियों के नजदीक न खोला जाए ?

श्री ए0सी0 चौधरीः हमारी यह कोि ा ा रहती है कि हरिजन बस्तियों के पास ठेके न खोलें जाएं। इसके लिये जो डिस्टैंस है, उसको हम फोलो करते हैं। अगर डिस्टैंस से फालतू भी, लिमिट से बाहर खोलना चाहेंगे तो पालिसी के मुताबिक जो

डिस्टैंस है, उससे बाहर भी ले जाने का तैयार हैं। जहां तक भाई बिसला जी के सवाल का ताल्लुक है, जहां कहीं ठेकों की वजह से बहन बेटियों को गुजरने में असुविधा होती है, मैं अर्ज कर दूं कि भाहरों में जो पब्लिक प्लेस हैं, मार्किट प्लेस हैं या धार्मिक स्थल हैं, वहां ठेके खुलने के लिये एक निर्धारित डिस्टैंस है, उसको हर सूरत में मान्यता दी जाएगी। अगर कहीं जरूरत होगी तो इसमें रिलैक्से ान दी जाएगी, यह मैं वि वास दिलाता हूं।

श्री राम प्रका I: अध्यक्ष महोदय, बन्दी के बारे में प्रबल जन आन्दोलन चल रहा है, इसको हरियाणा के आम आदमी का भारी समर्थन है। समर्थन के होते हुए भी 222 केसों को डिस्प्टयूटेड करके भेज दिया है। तो वे कौन से ऐसे बाधक नार्म्ज हैं और वे किस मन्त्रि मण्डल की मीटिंग में पास हुआ था। अध्यक्ष महोदय, जब सारा गांव इस लानत को समाप्त करना चाहता है और उनकी यह मांग है तो उसको बन्द करने के लिये इनके पास और क्या ढंग होगा जिससे भाराब बन्दी हो सके ? दूसरे मैं यह जानना चाहता हूं कि गांवों में कितने ठेके खोले गए हैं और जितनी दूरी पर हरिजन बस्तियों से ठेके होने चाहिएं क्या वे उतने ही दूरी पर हैं।

तीसरे मैं कुरूक्षेत्र के बारे में कहना चाहूंगा वहां पर गान्धी बस्ती, हरिजन और बाल्मिकी बस्तियां हैं वहां पर नाजायज भाराब बिकती रही है, जिसके खिलाफ लोगों को वहां पर धरना देना पडा है। (ोम भोम) अगर कहीं पर नाजायज भाराब बिकती है तो उसको रोकने की जिम्मेवारी सरकार की है न कि उस

आधार पर किसी ठेके को मन्जूदी दे दी जाए ? इस बारे में मैं मन्त्री जी के विचार जानना चाहूंगा।

श्री ए0सी0 चौधरीः अध्यक्ष महोदय, आज भी मेरे कुछ माननीय भाई सीरियस होकर बात नहीं कर रहे हैं। जहां भाराब बन्दी के मामले में हर आदमी को चिन्ता हो सकती है कि इसका कोई न कोई रास्ता निकले वहां हमारे लैजिस्लेटर्ज की और भी जिम्मेवारी बनती है कि हम इसका वि ोश ध्यान रखें। किसी गलत मांग से स्टेट का रैवेन्यू कम न हो। कहीं ऐसा न हो कि डिवैल्पमैंट के काम ही रूक जाएं। राम प्रका ा जी एक बार पब्लिक मीटिंग में, पब्लिक की मांग पर इसको बन्द कर दिया था और कुरूक्षेत्र को पवित्र स्थान घोशित कर दिया था। इसका क्रैडिट भी इसी सरकार को जाता है। जहां तक गांधी नगर का ताल्लुक है वह मैं फिर स्पश्ट कर देता हूं कि जो आई0एम0एफ0एल0 है, जिसे अंग्रेजी भाराब कहते हैं या कंट्रीलीकर है, दोनों को सरकार द्वारा लाईसैंस के रूप में मान्यता है।

श्री राम प्रका ाः अध्यक्ष महोदय, वह जहां बेची गई है, वह जगह एप्रूवड नहीं है।

श्री ए0सी0 चौधरीः अध्यक्ष महोदय, उसकी जब तक कोई खास इनफर्मे ान न हो, तो उस नाते जहां भी हम अपने वैंडज देते हैं, वह सरकार की पालिसी के मुताबिक ही देते हैं। अगर कोई आदमी चोरी करके लीक करके या पिलफ्रिज करके ले आए तो उसके बारे में कौगनीजैंस सरकार जरूर लेगी। जहां से भी इत्लाह मिलेगी पुलिस ऐक ान लेगी।

श्री राम प्रका ा: अध्यक्ष महोदय, मैंने यह जानना चाहा है कि जब सारे लोग हरियाणा में भाराब बंदी चाहते हैं तो 222 ठेकों को बंद करने का मामला डिसाईड क्यों नहीं कर रहे हैं, जब कि गांवों की पंचायतों ने इनको बंद करने के प्रस्ताव पास कर दिए हैं ? बाकी 26 को भी रिजैक्ट करना ठीक नहीं होगा। अध्यक्ष महोदय, इससे भाराब बंदी के हक में और ज्यादा माहौल नहीं बन सकता।

श्री ए0सी0 चौधरी: राम प्रका ा जी, आप को डांग मांज में वि वास करना छोड देना चाहिए।

श्री अध्यक्ष: चौधरी साहब, आप चेयर को ऐड्रैस करें।

श्री ए0सी0 चौधरी: अध्यक्ष महोदय, मैं आदरणीय मैम्बर से रिक्वैस्ट करूंगा कि प्रैक्टिकल और थ्योरी मे फर्क समझें। मैंने यह कहा है कि 569 में से सिर्फ 26 रिजेक्ट किए हैं यानि 26 के मामले में हमने उनकी कंटे ान को नहीं माना। बाकी हमने 306 मान लिये हैं और कुछ अंडर कंसीड्रे ान हैं, प्रोसैस में हैं, पंचायतों ने मान्यता दी है ताकि वे अपनी बात रख सकें।

श्री बंसी लाल: अध्यक्ष महोदय, एक बात तो साफ है कि गवर्नमैंट के जवाब से यह सदन सहमत नहीं है। हम तो यह चाहते हैं कि आप आधा घंटा इस पर डिस्क ान करा दें जिससे अच्छी तरह से इस पर डिस्क ान हो जाए। यह बहुत अहम क्वै चन है अभी तक किसी मैम्बर की भी तसल्ली नहीं हुई है।

श्री ए0सी0 चौधरी: अध्यक्ष महोदय, ये किस प्रकार की तसल्ली चाहते हैं ? (विघ्न)

श्री अध्यक्ष: आप बैठिए, धीरपाल जी आप भी बैठिए। Question Hour is over.

नियम 45 के अधीन सदन की मेज पर रखे गए तारांकित प्र नों के लिखित उत्तर

Repair of Damaged Roads

***428. Sh. Kitab Singh:** Will the Minister of State for Local Govt. be pleased to state-whether there is any proposal under consideration of the Govt. to repair the damaged roads of Gohana City; if so, the time by which the said roads are likely to be repaired.

स्थानीय भाासन राज्य मन्त्री (चौधरी धर्मबीर गाबा): नगरपालिका की क्षति ग्रस्त सडकों की मुरम्मत लगातार की जाती रही है। इसलिये इसके बारे में समय निर्धारत नहीं किया जा सकता।

Number of Unemployed persons in the State

***455. Sh. Sampat Singh:** Will the Minister of State for Labour and Employment be pleased to state-

(a) the district wise total numbher of educated and uneducated unemployed persons registered with the Employment Exchanges in the State as on 31st March, 1991, 31st March, 1992 to date separately; and

(b) the number of persons out of those as referred to in part (a) above having educational qualification of Matric or above given employment from 31st July, 1991 todate ?

Minister of State for Labour and Employment (Ch. Krishan Murti Hooda):

(a) Statement is placed below at Annexure-I.

As this information is collected on half yearly basis i.e. for the half years ending 30th June and 31st December every year figures as on 31st March 1991 and 31st March 1992 are not available. However, the position as on 30th June, 1991, 30th June, 1992 and 31st December 1992 has been provided.

(b) Statement is placed below at Annexure-II.

Anexxure- I

District	Total number of educated and uneducated			Unemployed persons registered with Employmnet Exchanges					
	As on 30-6-91			As on 30-6-92			As on 31-12-92		
	Educated	Uneducated	Total	Educated	Uneducated	Total	Educated	Uneducated	Total
Ambala	33091	32450	65541	38975	26220	65195	40688	25143	65831
Yamuna Nagar	19353	15218	34571	22113	13219	35332	24549	12421	36970
Kurukshetra	15810	12181	27991	17219	7120	24339	16151	8301	24453
Kaithal	15091	8190	23281	14346	6592	20938	14634	6390	21024
Karnal	22076	16079	38155	26702	17074	43776	28626	17987	46613
Panipat	14180	9005	23185	11894	6301	18195	13776	5327	19103

Rohtak	36795	24360	61155	36125	22433	58558	37696	25724	63420
Sonepat	25695	15735	41430	26583	12546	39129	27059	12116	39175
Jind	25339	12866	38205	25594	10525	36119	21488	14793	36281
Bhiwani	36115	18110	54225	37960	12309	50269	42988	13576	56564
Gurgaon	20569	16284	36853	27218	8835	36053	29415	8358	37773
Faridabad	27333	27090	54423	26191	28994	55185	28230	29633	57863
Mohindergarh	15636	9599	25235	16775	6696	23471	17598	7207	24805
Rewari	16097	5509	21606	16570	4512	21082	17113	6047	23160
Hisar	38863	27264	66127	46076	24904	70980	46850	27517	74367
Sirsa	12922	8532	21454	14054	7560	21614	14798	8008	22806
Total	374965	258472	633437	404395	215840	620235	421659	228548	650207

Note:- 1. Educated means matric and above and uneducated means below matric according to DGET guidelines.

2. Information relating to educated applications at half yearly intervals. i.e. for the half years ending 30th June and 31st December, that is why the said information as on 31-3-1991 and 31-3-1992 is not availbale with the Employment Exchanges.

ANNEXURE- II

District	Number of persns given employment having educational qualification of Matric and above during the period from 1-7-91 to 31-12-92	Information relating to educated applicants is collected on half yearly basis i.e. period ending 30th June and 31st December, that is why information is being given from 1-7-91 instead of 31-7-91. Separate month wise figures for placement of matric and above are not available.
Ambala	313	
Yamuna Nagar	156	
Kurukshetra	174	
Kaithal	75	
Karnal	314	
Panipat	36	
Rohtak	205	
Sonepat	129	
Jind	79	
Bhiwani	117	
Gurgaon	133	
Faridabad	340	

Mohindergarh	54	
Rewari	80	
Hisar	229	
Sirsa	66	
Total	2500	

NOTE: In addition to the above mentioned 2500 educated persons 5537 uneducated (below Matric) persons were also provided employment through employment exchanges during the period 1-7-91 to 31-12-92. It may be mentioned that recruitment on regular basis for all Class-I & II posts is done through H.P.S.C. to Class-III posts through S.S.S. Board and some departments have special selection commitees for recruitment.

Merger of Villages

***424. Ch. Zile Singh Jakhar:** Will the Chief Minister be pleased to state-whether there is any proposal under consideration of the Govt. to merge the villages Bahu, Khera Tharu, Goria, Tumbaheri and Markpur in District Rohtak which falls in District Rewari at present ?

मुख्य मन्त्री (चौधरी भजन लाल): केवल गोरिया गांव को ही जिला रिवाडी से जिला रोहतक में भाामिल करने का मामला विचाराधीन है।

Supply of Ravi-Beas Water

***471. Sh. Om Parkash Beri:** Will the Minister for Irrigation be pleased to state-

(a) whether it is a fact that Ravi-Beas water to the tune of 1.8 m.a.f. is being supplied to the farmers of the State through Bhakra Main line Canal; and

(b) whether the water of the aforesaid river is being supplied to the areas of Rohtak, Sonipat, Bhiwani, Rewari, Mohindergarh and Gurgaon as per their requirements if not, the reasons thereof ?

Interim Reply

Jagdish Nehra "D.O. No. 101/C

Sd/-

Irrigation and Parliamentary

Affaris Minister, Haryana.

Chandigarh

Dated : 23-2-93.

Subject : Starred Assembly Q. No. 471, asked by Sh. Om Parkash Beri, M.L.A. fixed for 26th February, 1993- Extension in time.

Sir,

To reply the above question information is required to be collected from B.B.M.B. and it will take some more time. It will not be possible for the Govt. to reply to the question on 26th February, 1993. Therefore, I request you to grant extension in time of one month for preparing reply to the question.

Yours sincerely,

(JAGDISH NEHRA)

Sh. Ishwar Singh,

Speaker, Haryana Vidhan Sabha,

Chandigarh."

Bogus Muster Roll

***475. Smt. Chandravati:** Will the Minister for Irrigation to state-whether it is a fact that any official of the Karnal Circle of Irrigation Department has been found responsible for preparing bogus Muster Roll worth of more

than Rs. 8 lakhs; if so, the action taken against such an officer/official ?

सिंचाई मन्त्री (चौधरी जगदी ा नेहरा): नहीं,

सवाल ही पैदा नहीं होता।

Construction of a Bus Stand at Madlauda

***459. Sh. Krishan Lal:** Will the Minister for Transport be pleased to state-whether there is any proposal under consideration of the Govt. to construct a new bus stand at village Madlauda in Distt. Panipat ?

परिवहन राज्य मन्त्री (श्री बलवीर पाल भााह):नहीं, श्रीमान जी।

P.H.C. at Uttawar and Nagal Jat

***465. Ch. Azmat Khan:** Will the Minister for Health be pleased to state-

(a) whether there is any proposal under consideration of the Govt. to construct the building of Primary Health Centre at Uttawar and Nagal Jat; and

(b) if so, the time by which the work on the said buildings are likely to be started/completed ?

स्वास्थ्य मन्त्री (बहिन करतार देवी):

(क) जी हां।

(ख) इस स्तर पर समय सीमा नहीं दी जा सकती क्योंकि यह धन उपलब्धि पर निर्भर है।

अतारांकित प्र न एवं उत्तर

Posts of Lecturers

70. Prof. Sampat Singh: Will the Minister for Education be pleased to state-

(a) whether any proposal was sent by the Privately Managed Govt. aided colleges to sanction the posts of lecturers in the State during the period from July 1991 to date; fi so, the number thereof; and

(b) the number of posts out of those as referred to in part (a) sanctioned so far ?

ि ाक्षा मन्त्री (श्रीमती भाान्ति देवी राठी):

(क) जी हां, अराजकीय महाविद्यालय जो सरकार से ग्रांट इन एड लेते हैं, वे वर्क लोड के आधार पर प्राध्यापकों के अतिरिक्त पदों की मांग करते रहे हैं। इन सभी महाविद्यालयों की आव यकता कुल मिला कर 327 पूर्ण तथा 7 अं ाकालीन पदों की है।

(ख) अराजकीय महाविद्यालयों में प्राध्यापकों के अतिरिक्त पदों की स्वीकृति का विशय सरकार की वित्तीय स्थिति को ध्यान में रखते हुए अभी विचाराधीन है।

Tubewells connections under Money Deposit Scheme

71. Prof. Sampat Singh: Will the Chief Minister for be pleased to state-

(a) whether any applications fr tubewells connections under the money deposit scheme, have been received by the Govt. in the State; if so, the number there of and in the District Bhiwani, separately; and

(b) the number of electricity connectin out of those referred to in part (a) above have been released in District Bhiwani and Loharu sub division separately during the period from December 31, 1991 to date ?

मुख्य मन्त्री (चौधरी भजन लाल):

(क) धन रा ि ा जमा करके टयूबवैल कनैक ान लेने की स्कीम बोर्ड में विभिन्न रूपों में वर्श 1987 से चालू है। सन्दर्भित अवधि से संबंधित आवेदन पत्रों का विस्तृत ब्यौरा निम्न प्रकार से है :–

	दिनांक 31–12–91 तक लम्बित आवेदन पत्र	दिनांक 1–1–92 से 1–1–93 तक प्राप्त आवेदन पत्र
समस्त बोर्ड	931	8383

जिला भिवानी		668

(ख) दिनांक 31–12–91 से दिनांक 1–1–93 तक 330 तथा 44 कनैक ान क्रम ाः जिला भिवानी तथा परिचालन उप मण्डल लोहारू में दिए गए थे।

Water Works in Bhattu Kalan Constituency

72. Prof. Sampat Singh: Will the Minister for Public Health be pleased to state-

(a) whether it is a facdt that the sanction to construct the water works for villages Banawali and Kirmara in Bhattu Kalan constituency has been accorded; if so, when; and

(b) whether the work for the construction of the said water works has been started; is so, the time by which it is likely to be completed ?

जन स्वास्थ्य मन्त्री (श्री निर्मल सिंह):

(क) जी हां।

(ख) कार्य अब तक आरम्भ नहीं किया गया है।

Bizli Sewa Kender

73. Prof. Sampat Singh: Will the Chief Minister for be pleased to state-

(a) the names of places where Bizli Sewa Kendera exists in Bhattu Kalan Assembly constituency in District Hisar; togetherwith the strength of the staff posted in each kendra as at present; and

(b) the number of Bizli Sewa Kendra out of those as referred to in Part (a) above the functioning at present ?

मुख्य मन्त्री (चौधरी भजन लाल): भट्टू कलां विधान सभा क्षेत्र के बिजली सेवा केन्द्रों का ब्यौरा तथा वर्तमान समय में पदास्थापित स्टाफ की संख्या निम्न प्रकार है :–

नाम	पदास्थापित लाईनमैन	स्टाफ की संख्या सहायक लाईन मैन
बानावाली		1
किरधान	1	
धाबी कलां	1	
किरमारा	1	1
काली रावान	1	1
जगन		2

चुली बागरियान		2

(ख) उपरोक्त भाग (क) मैं बताये गये सभी बिजली सेवा केन्द्र वर्तमान समय में कार्य कर रहे हैं।

Development of Sectors in Palwal City

83. Sh. Karan Singh Dalal: Will the Chief Minister be pleased to state- whether there is any proposal under consideration of the Govt. to develop sectors around Palwal City, if so, the details thereof ?

मुख्य मन्त्री (चौधरी भजन लाल): हां। पलवल भाहर के विकास प्लैन के अनुसार सैक्टर 1 व 2 का विकास 247.77 एकड के क्षेत्र पर करने बारे प्रस्ताव है। हरियाणा सरकार गजट में 10—12—1992 को भूमि अभिग्रहण एक्ट 1894 की धारा 4 के अन्तर्गत अधिसूचना जारी की जा चुकी है।

Repairs of Roads in Palwal Constituency

84. Sh. Karan Singh Dalal: Will the Minister for P.W.D. (B&R) be pleased to state-

(a) whether there is any proposal under consideration of the Govt. to repair the following roads of Palwal Constituency during the year 1992-93 :-

(i) Alhapur to Kalwaka;

(ii) Maheshpur to Damaka;

(iii) Bamnikhera to Rundhi via Ladiyaka;

(iv) Palwal to Sadarpur via Badram and Gaghot;

(v) Gughera to Yadupur via Alika;

(vi) Durgapur to Jalalpur Khalsa via Ahorwan;

(vii) Palwal to Rahimpur Bridge;

(viii) Palwal to Jodhpur via Rajpura;

(b) names of the roads repaired by the Govt. in the year 1992 in Palwal Sub Division and the total expenditure incurred thereon ?

लोक निर्माण मन्त्री (डांगी):

(क) जी हां, इन सडकों की मुरम्मत की जा रही है।

(ख) सूचना एकत्रित की जा रही है तथा भेज दी जायेगी।

श्री धीरपाल सिहः अध्यक्ष महोदय, अभी हमें तो टाईम मिला ही नहीं है।

श्री अध्यक्षः ऐसा है, अभी गवर्नर ऐड्रैस पर चर्चा चल रही है और बजट पर भी चर्चा होगी, उसमें आप खूब बोल लेना।

श्री धीरपाल सिहः अध्यक्ष महोदय, टाईम तो मिलता ही नहीं है। (विघ्न)

श्री अध्यक्षः आप बैठिये।

श्री धीरपाल सिहः अध्यक्ष महोदय, मेरी आपसे गुजारि ा है कि सदस्यों को बोलने का टाईम नहीं मिल पा रहा है। अभी तक केवल एक एक पार्टी का एक ही सदस्य बोल पाया है। (विघ्न)

Mr. Speaker: Please take your seat.

ध्यानाकर्शण प्रस्ताव

(1) भिवानी भाहर के अतिरिक्त जिले के गांवों में पीने के पानी की पर्याप्त मात्रा न उपलब्ध होने संबंधी

Mr. Speaker: Hon. Members, I have received a notice of Calling Attention Motion No. 5, from Sarvshri Amar Singh, Chhattar Singh and Ram Bhajan Aggarwal, M.L.As. fro providing drinking water in Bhiwani City as well as in the villages of Bhiwani District. I admit it Sh. Amar Singh may read his notice and Minister concerned may make a statement thereafter.

Sh. Amar Singh: Sir, I want to draw the attention of this August House towards a matter or urgent public importance that drinking water in Bhiwani District is not being provided in adequate quantity in Bhiwani City as well as in the villages of this district. More than 60 percent of the villages are not given drinking water as per norm. If it is so in winter season, the fate of the people can be imagined during the Summer season specially in the months of May & June.

Therefore, I request the Govt. to make a statement on the floor of the House in this regard.

वक्तव्य–

जन स्वास्थ्य मंत्री द्वारा उपयुक्त ध्यानाकर्शण प्रस्ताव संबंधी

जन स्वास्थ्य मंत्री (श्री निर्मल सिंह): भिवानी भाहर को एक जलघर, जो कि पि चम यमुना नहर पर आधारित है, से पेयजली की पूर्ति की जा रही है। यह जलघर इस नगर में 1.25 लाख निवासियों की 180 लीटर प्रति व्यक्ति प्रति दिन की जरूरतें पूर्ण करने के लिये योग्य है। जलघर की नहरी पानी की पूर्ति भिवानी डिस्ट्रीब्यूटरी, जुई फीडर व गुजरानी माईनर से होती है। इन फीडरों से स्वीकृत निकासी क्रम ाः 25 क्यूसिकस, 30 क्यूसिक्स और 8 क्यूसिक्स है। यदि नहरी पानी स्वीकृत क्षमता के अनुसार प्राप्त होता है तो इस नगर को पीने के पानी से संबंधित कोई मुि कल नहीं होती। भाुश्क मौसम के दौरान सारी प्रणाली के डिस्चार्ज में कमी के कारण नहरी पानी की मात्रा अभिप्राय अनुसार प्राप्त करना संभव नहीं होता जिसके फलस्वरूप नगर में पीने के पानी की कुछ कमी हो जाती है। तब भी नगर में जल वितरण मात्राा 135 लीटर प्रति व्यक्ति प्रति दिन से ज्यादा रहती है, जो कि नगर की पेयजल जरूरतों को पूरा करने के लिये पर्याप्त है। स्थिति को मोनीटर करने की हर संभव कोि ा ा की जायेगी ताकि नहर प्रणाली से पेयजल वितरण को उच्च

प्राथमिकता देकर गर्मियों के मौसम में भी पीने के पानी की जरूरतों को सुनिि चत किया जाये।

भिवानी जिले में 387 गांव हैं, इनमें से 138 गांवों में पानी की मात्रा 40 लीटर प्रति व्यक्ति प्रति दिन है, जबकि 169 गांवों में पानी की मात्रा 30 से 40 लीटर प्रति व्यक्ति प्रति दिन है जो कि पर्याप्त है। भोश 80 गांवों में इस समय पानी की मात्रा 18 से 30 लीटर प्रति व्यक्ति प्रति दिन है। इन 80 गांवों में से बहुत से गांवों में बढौतरी कार्यक्रम पहले ही भाुरू किया जा चुका है और आठवीं पंचवर्शीय योजना में इन सभी गांवों में इस स्तर को 40 लीटर प्रति व्यक्ति प्रति दिन कर दिया जायेगा।

जिला भिवानी में जल वितरण बढौतरी कार्यक्रम 145 गांवों में 16 करोड रूपये की लागत से पहले ही प्रगति पर है और इन योजनाओं के पूरा होने पर प्रभावित गांवों की स्थिति में बहुत सुधार होगा।

जिला भिवानी के गांवों में उपरोक्त वितरण स्तर आगामी ग्रीश्म ऋतु में भी ऐसा ही रखने का हर भरसक प्रयत्न किया जायेगा और जिन गांवों की जल वितरण नहरी पानी के फिलटरे ान पर आधारित है उन गांवों के लिये नहरी पानी प्रणाली को उच्च प्राथमिकता दी जायेगी। इसी प्रकार टयूबवैल पर आधारित योजनाओं ने भी सरकार का पूरा ध्यान आकर्शित किया है और पिछले एक वर्श में जिला भिवानी के 23 अतिरिक्त

टयूबवैल कार्यान्वित किये गये हैं। इससे इस जिले की टयूबवैल पर आधारित योजनाओं की स्थिति में बहुत सुधार हुआ है।

श्री अमर सिंहः स्पीकर सर, मन्त्री महोदय ने खुद माना है कि 80 गांवों में प्रतिदिन 18 से 30 लीटर तक पीने का पानी दिया जा रहा है, मैं यह कहता हूं कि 18–20 लीटर पानी से तो घडे का तला भी नहीं भरा जाता। पानी की वजह से भिवानी जिले में लिटिगे ान ज्यादा बढ रही है, टैंक खाली पडे हैं। मंत्री महोदय खुद इस बात को मान रहे हैं कि इरीगे ान डिपार्टमैंट का कोआपरे ान नहीं है और नहरों में पानी नहीं है। जब नहरों में पानी नहीं होता तो कोई सवाल ही नहीं है कि वाटर टैंक कभी भरैंगे। मुख्य मंत्री जी 17 जनवरी 1993 को तो ाम कह आए कि अब तक हफते में साढे तीन दिन पानी मिलता रहा है, अब सातों दिन पानी मिलेगा जबकि आजकल साढे तीन दिन भी पानी नहीं मिल रहा है। मुख्य मंत्री जी और मंत्री जी को बताना चाहता हूं कि जब विन्टर सीजन में यह हालत है कि 2–3 कि0मी0 दूर से पानी लाना पडता है, बैलों को, प ाुओं को दूसरे गांवों में जाकर पानी पिलाना पडता है, तो मई जून के महीनों में क्या हालत होगी ? मंत्री जी बताएं कि मई जून के महीने में लोगों को किस तरह से पानी उपलब्ध कराएंगे ?

श्री निर्मल सिंहः अध्यक्ष महोदय, हमारे माननीय साथी श्री अमर सिंह जी ने भिवानी डिस्ट्रक्ट की पानी की समस्या रखी है। भिवानी डिस्ट्रिक्ट के कस्बों में, रूरल एरियाज के 87 गांव हैं,

उन पर सरकार का बाकायदा ध्यान है कि किस ढंग से वहां पानी की समस्या से निपटा जाए। मई जून के महीने में ज्यादा समस्या होती हैं और यह समस्या हमे ाा आती रही है लेकिन हर साल कुछ इम्प्रूवमैंट के तरीके खोजे गए हैं। इनमें काफी बजट भी खर्च किया गया है। 387 गांवों में से कुछ गांव ऐसे हैं, जहां पानी की समस्या नहीं है। यह बात नही ंहै कि सरकार उनकी तरफ पूरा ध्यान नहीं दे रही, सरकार ध्यान दे रही है और देती रहेगी। 80 गांवों में पानी की समस्या नहीं है। जिन गांवों में पानी की समस्या है, उनके लिए आने वाली पंचवर्शीय योजना में पैसों का प्रावधान है। मई जून के महीनों में पिछले साल से कुछ ज्यादा काम करके हम दिखाएंगे। एक कैटैगरी में 165 गांव हैं, जिनमें पानी थोडा कम मिलता है हालांकि जरूरत पूरी हो जाती है फिर भी काफी पैसा उन गांवों के लिए देकर हम इम्प्रूवमैंट कर रहे हैं। भिवानी की जो बात इन्होंने बताई है कि भिवानी डिस्ट्रीब्यूटरी में तीन दिन पानी कम रहा, जो कि एक रिकार्ड है। भिवानी डिस्ट्रीब्यूटरी में इतना पानी कभी भी कम नहीं हुआ। जब भिवानी डिस्ट्रीब्यूटरी में पानी की कमी आती है तो जुई डिस्ट्रीब्यूटरी से यह कमी पूरी कर ली जाती है।

इसी ढंग से तो ाम के बारे में भी बात हुई थी, 30 अप्रैल तक तो ाम के साथ लगते हुए 8 बडे गांवों के लिये अलग सिस्टम से पानी का प्रबन्ध करने का प्रोग्राम है। इसके लिए टयूबवैल वगैरह लगाकर बिजली का कनैक ान दे दिया गया है,

बाकी का काम काफी हद तक कम्पलीट हो गय है। मैं तो यही आ वासन दूंगा कि आपके एरिया में और दूसरे ऐसे एरियाज में जहां पीने का पानी की कमी है, पानी देने के लिये सरकार प्रयासरत है। सरकार की पूरी नौलेज में बात है और हम पूरी तरह से इसको मीट आउट करने की कोि ा ा करेंगे।

प्रो0 छत्तर सिंह चौहानः स्पीकर साहब, मैं आपके माध्यम से सरकार से एक बात कहना चाहता हूं और मुख्य मंत्री महोदय का ध्यान भी इस समस्या की ओर दिलाना चाहता हूं। मैं मन्त्री महोदय से यह पूछना चाहता हूं कि दो साल से हम भिवानी के जितने भी एम0एल0एज0 हैं, सारे प्रार्थना कर रहे हैं कि भिवानी जिले में नहरी पानी तो दूर रहा, पीने का पानी भी नहीं मिल रहा है। और पीने के पानी की अच्छी व्यवस्था हो सकेगी। यहां पर पानी और बिजली के बारे में काफी कुछ कहा गया है। मुख्य मंत्री जी भी और मैं भी मानता हूं कि किसान के खेत में पूरा पानी नहीं पहुंचा है, पानी की कमी है। स्पीकर साहब, मैं तो सभी सदस्यों को इतना ही वि वास दिला सकता हूं कि जब तक एस0वाई0एल0 का पानी नहीं आ जाएगा तब तक किसान के खेत में पानी की कमी बनी रहेगी। टेल पर भी पूरा पानी नहीं पहुंचेगा और खेत में पानी की कमी रहेगी। लेकिन आज मैं पूरे वि वास के साथ कह रहा हूं कि आप चिन्ता न करें। यह सरकार इस मामले में चिन्तित है और यह सरकार एस0वाई0एल0 का पानी लाएगी और किसान को खेत के पानी के लिए कोई दिक्कत नहीं

रहेगी और उसी के साथ पीने के पानी का संबंध जुडा हुआ है। (ाोर एवं व्यवधान)। समय सीमा नहीं बांधी जा सकती क्योंकि मामला काफी उलझा हुअ ा है। समय तो पहले भी सरकारें देती रही हैं लेकिन कभी वायदा पूरा नहीं किया गया। उपाध्यक्ष महोदय, इस समय सै ान चल रहा है और अगर कोई जरूरी इंफर्मे ान सरकार ने कहीं बाहर भेजनी हो तो उस बारे में पहले हाउस को पूरी जानकारी देनी चाहिये लेकिन सरकार ने बिना इस हाउस को इन्फार्म किये सैन्ट्रल सरकार को सूचना भेज दी जिस बारे में हमें तो अखबारों से जानकारी मिली। अध्यक्ष महोदय, मैं यह मानता हूं कि सूचना देने से सरकार इन्कार नहीं कर सकती। मेरा तो केवल इतना ही कहना है कि अगर इन्होंने कोई जरूरी सूचना बाहर भेजी थी तो कम से कम परसों हाउस में बता देते तो हाउस में इतना हंगामा न होता परन्तु इन्होंने ऐसा न करके हाउस को गुमराह किया है। यह हाउस की कनटैम्ट है कि हाउस को बताये बगैर इंफर्मे ान बाहर भेजी गयी है। मैं यह कहना चाहता हूं कि माननीय मुख्य मंत्री महोदय व गृह मंत्री महोदय इस बात का साफ साफ उत्तर दें कि इस तरह क्यों किया गया है ? इस हाउस की एक स्पै ाल कमेटी गठित की जाये और उस कमेटी का अध्यक्ष विपक्ष की आरे से हो जो इस बात का न्याय करे ताकि दूध का दूध और पानी का पानी अलग हो जाए। उपाध्यक्ष महोदय, मैं चाहता हूं कि जो मुददे मैंने उठाये हैं, मुख्य मंत्री उनका जवाब दे और हकीकत का पता लगाएं कि किन कारणों से ऐसा हुआ जिसकी वजह से आज सारा हिन्दुस्तान हिल

गया है। इसकी सारी जिम्मेवारी हरियाणा सरकार की है। इस सारी बात की जांच हो और जो सच्चाई हो, वह यहां सदन के सामने लाई जाए। मैं मुख्य मंत्री महोदय से यह कहना चाहता हूं कि अगर चौधरी बंसी लाल जी यहां पर मुख्य मंत्री होते और उन्हें सात दिन पानी चलाने के लिये कहते तो कम से कम 10 दिन पानी चलाते, चाहे इसके लिये भगवान से पानी लेकर आते। मैं अध्यक्ष महोदय, आपके माध्यम से प्रार्थना करना चाहूंगा कि भिवानी जिले की सिंचाई के लिये नहरी पानी तो दे नहीं सकते, कम से कम पीने के लिये तो पानी दे दो। अगर यह नहीं देंगे तो फिर हम देखेंगे कि सदन में गलत बोलने का क्या नतीजा हो सकता है। हम बार बार प्रार्थना नहीं कर सकते। हम आपको वहां पर जाना मु कल कर देंगे। (व्यवधान व भाोर)

श्री निर्मल सिंहः स्पीकर साहब, माननीय सदस्य ने पानी की कमी के बारे में सरकार का ध्यान दिलाया है। उसके संबंध में मेरा कहना यह है कि हम कोि ा ा करेंगे कि उनको पानी पूरा दिया जा सके। (व्यवधान व भाोर) जैसे इन्हौंने बताया कि फलां फलां जगहों पर मोटरों की रिपेयर के बिल नहीं दिये गये स्पीकर साहब, आनरेबल मैम्बर किसी पर्टिकुलर स्कीम का नाम बताएं उसके बारे में हम जवाब देंगे।

श्री अध्यक्षः आप यह अ योर करें कि पूरा पानी दिया जाएगा ?

श्री निर्मल सिंहः स्पीकर साहब, यह निि चन्त रहें, इनको पूरा पानी दिया जाएगा। जो स्कीम बनी हुई हैं और जितना पानी इनको पहले मिल रहा था उतना ही मिल रह है उसमें हमने कोई कटौती नहीं की है। यह तो रिकार्ड की चीज है। हम पीने के पानी की जो दूसरी स्कीमें हैं, उन पर भी काम करेंगे। आप एक कमेटी हाउस की बना दें और मैं भी वहां चलने के लिए तैयार हूं। पानी की कोई ि ाकायत नहीं है, चाहे वह भिवानी है या दूसरी जगह हैं।

श्री राम भजन अग्रवालः अध्यक्ष महोदय, मन्त्री जी ने बताया कि भिवानी में पानी की कोई कमी नहीं है और पूरा पानी दिया जा रहा है। अध्यक्ष महोदय, वहां पर केवल पानी की ही कमी नहीं बल्कि बिजली की भी कमी है। पानी इतना खराब है कि आंखों से पानी आ जाता है। वहां पर पीने का पानी नहीं मिलता। इस कैनाल की कंस्ट्रक ान के लिये जमीन ऐक्वायर करवाई है कुछ ऐसी जमीन ऐक्वायर हुए बिना रहती है जो पहाडी है और कुछ एरिया फलड के कारण डैमेज हो गया है जो ऐक्वायर नहीं हो सका। इस तरह की जमीन के अलावा 100 फीसदी जमीन ऐक्वायर हो चुकी है। अर्थ वर्क का काम 93.26 परसैंट पूरा हो चुका है। इसी तरह से लाइनिंग का काम 93.41 परसैंट पूरा हो चुका है। मीडियम और लार्ज क्रौस ब्रिज जो ड्रेनेज के बनने थे वह टोटल 52 थें सरकार के समय में एक भी ब्रिज नहीं बना था। हमारी सरकार के आने के बाद 52 में से 47 मीडियम और लार्ज

क्रोस ब्रिज कम्पलीट हो चुके हैं। इनके अलावा जो रोडज और रेलवे लाइनों पर ओवर ब्रिज बनने थे वह टोटल 76 थे जिनमें से हमारी सरकार ने 62 ब्रिज कम्पलीट कर दिए हैं। कांग्रेस पार्टी की सरकार के समय में इनमें से एक भी ब्रिज कम्पलीट नहीं हुआ था तो हमारे समय में उस कैनाल का इतना काम हो चुका है। अगर यह सरकार भिवानी के लोगौं को पानी के बिना मारना चाहती है तो मैं इनको बताना चाहता हूं कि भिवानी के लोग इतनी आसानी से मरने वाले नहीं हैं। वहां पर बिजली का भी यही हाल है। बिजली का पता नहीं कि किस टाईम आ जाए। औरतें पानी के लिए रातों खडी रहती हैं लेकिन पानी सुबह आता है और वह भी दो औरतों के लिए दो मटके पानी। बिजली कभी रात को दो बजे आ जाती है और कभी सुबह पांच बजे। औरतें पानी की बाट देखती रहती हैं कि पानी कब आएगा। इसलिए अध्यक्ष महोदय, मेरी सरकार से प्रार्थना है कि पीने के पानी की व्यवस्था जरूर करें।

मुख्य मंत्री (चौधरी भजन लाल): स्पीकर साहब, पानी का मसला बहुत जरूरी है। माननीय सदस्यों ने जो बातें कहीं हैं, उनको ध्यान में रखते हुए हम इस बात को महसूस करते हैं कि गर्मी आने वाली है और अगर लोगों को पानी नहीं मिलेगा तो कोई मुनासिब बात नहीं है।

अध्यक्ष महोदय, आप जानते हैं कि ये स्कीमें पहले की बनी हुई हैं। चौधरी बंसी लाल जी को मैं इसके लिये दोश नहीं

देता। आबादी बढती है तो पानी की मात्रा भी आधी पर आ जाती है। अभी चौधरी अमर सिंह जी ने कहा कि 18 लीटर पानी एक व्यक्ति के लिये बहुत कम होता है। इससे पांच घडे भरते हैं। (ाोर एवं व्यवधान) अध्यक्ष महोदय 18 से 30 लीटर की जो बात कही गई, अगर सही मात्रा में पर व्यक्ति सही पानी मिलता रहे तो कभी भी कोई दिक्कत नहीं हो सकती। (ाोर) अध्यक्ष महोदय, जहां तक पीने के पानी का सवाल है जैसा कि चौहान साहब, चौधरी अमर सिंह जी, श्री राम भजन जी और कल चौधरी बंसी लाल जी ने कहा और इस बारे में हम भी समझते हैं कि पीने के पानी का बन्दोबस्त हर हालत में होना ही चाहिये। भिवानी जिले की समस्या का काफी जिकर यहां पर आया। सिर्फ भिवानी जिला ही नहीं, रोहतक, झज्जर व रिवाडी, कोसली व मेवात के इलाकों में भी सभी जगहों पर पीने के पानी की समस्या है। जहां नहर का पानी न पहुंचता होगा, नीचे का पानी खारा होगा, वहां पानी मिलना ही चाहिये। हम इस बात को मानते हैं। मैं वि वास के साथ कह सकता हूं कि चालू आठवीं पंचवर्शीय योजना में भिवानी के अंदर 40 लिटर पानी हर व्यक्ति को हम देंगे। जहां वाटर सप्लाई स्कीम्ज बनी हुई हैं और जहां पर नहरी पानी नहीं पहुंचाता या नीचे का पानी खारा है, उस एरिया में पानी का बन्दोबस्त सबसे पहले किया जाएगा और जिस जिस जिले में पानी की समस्या है, उसको पहले दूर किया जाएगा, चाहे हमें खेती को तरजीह बाद में देनी पडे। यह वि वास मैं सदन के सामने आपको दिलाता हूं।

ध्यानाकर्शण प्रस्ताव

(2) भिवानी जिले में सिंचाई सुविधाएं उपलबध कराने संबंधी

Mr. Speaker: Hon'ble Members, I have received a calling attention motion No. 6 given notice of by Sarvshri Amar Singh, Chhatar Singh Chauhan and Ram Bhajan, M.L.As. for providing irrigational facilities in Bhiwani District. I admit it. Sh. Amar Singh may please read his motion and the concerned Minister may make the statement thereafter.

Sh. Amar Singh: Sir, I want to draw the attention of this August House towards a matter of urgent public importance that the farmers of Bhiwani District are crying for irrigational facilities. Sunder and Butana two groups which supply water to all the canals of Bhiwani District do not carry adequate water and therefore water does not reach to the tail of each canal, Minors, Sub Minors of Dadri Feeder, Baund Disty. Dadri Distributary, Jui Canal, Loharu Canal, Siwani Canal. Hence the crops of the farmers have damaged immensely.

Therefore, I request the Govt. to make a statement on the floor of the House in this regard.

वक्तव्य–

सिंचाई मन्त्री द्वारा उक्त ध्यानाकर्शण प्रस्ताव संबंधी

Irrigation Minister (Ch. Jagdish Nehra): Areas of Bhiwani District receive irrigation through western Jamuana Canal (WJC), Jui Canal, Sewani Canal, Loharu Canal and JLN

Canal System. The W.J.C. Jui Canal and Sewani Canal systems are perennial whereas Loharu and JLN Systems are non perennial. Both these non perennial systems presently get water from river Yamuna during monsoon period and would become perennial on completion of the S.Y.L. Canal.

The Channels of three perennial systems irrigating Bhiwani areas get supplies form river Yamuna diverted at Tajewala. These fall in three groups namely Butana, Sunder & Anta out of four groups of the W.J.C. System which are run on rotation.

Total inflows in river Yamuna at Tajewala after October, 1992 were low and water falling to the share of Haryana was just sufficient to meet the requirement of only one group out of 4 groups of the W.J.C. System. After 20th December, 1992 inflows further got reduced and Water available to the State from Yamuna during months of January and February 1993 was not even sufficient to meet the requirements of one group out of four groups. On 16th February 93 share of Haryana at Tajewala was 1352 Cs. which is 40% less than that of a dry year pattern. Position of the average 10 days of the available supplies at Tajewala during January and February this year and the last year is given as below :-

		1992 Avg. in Cs.	1993 Avg. in Cs.	Less in percentage
January	1-10	3250	2936	10%

	11-20	3646	3381	7%
	21-31	4343	2870	34%
February	1-10	6496	2942	54%
	11-20	5048	2826	44%

This shows that the total available supplies from river Yamuna have been much less this year as compared to the last year especially during the months of January & February.

Water is supplied through existing net work of the canals for various water works and village ponds. The requirements for drinking purposes and pond filling is met only when atleat two groups of channels are run. In view of the running of only one group out of four groups from October the availability of drinking water also became critical. Efforts were made to divert maximum water from Bhakra System to W.J.C. System through Narwana Branch Karnal Link and Maximum of 2700 Cs including Delhi were diverted during the critical period. It was not possible to divert more supplies from Bhakra in view of the constraints of the carrying capacity of the Narwana Branch getting supplies from B.M.L. through Bhakra System. Even after supplementing the supplies in W.J.C. the total water available was not sufficient to meet the requirement of one group of W.J.C. and shortages were distributed proportionately resulting into the shortage at the tail end of the system. It may be mentioned that during this critical period we had also to give preference to the non perennial system of the JLN for purpose of drinking water and the Ponds filling located in districts of Mohindergarh, Rewari,

Rohtak and Bhiwani being fed from Loharu and JLN System. The position was so critical that we had to close some chhannels in the 1st preference group where there were existing alternative arrangement for irrigation through Tubewells.

11.00 बजे।

All the perennial channels of the Bhiwani Distt. had run their rotational turn in 1st preference order after October and the shortage at the tails was experienced during the critical period because these channels are located at the tail end of the system.

The total quantity of water run in the various

Period	Dadri Disty.	Baund Disty.	Bhiwani Disty.	Jui Feeder	Sewani Canal
10/92	2393	2721	4881	7854	5129
11/92	1739	948	1937	5568	5039
12/92	923	835	1746	4932	2499
1/93	1244	850	1847	5444	2407
1-2-93 to 25-2-93	701	584	1062	4628	1327

perennial channels of Bhiwani district are given below :-

In view of this all the channels of WJC System in the State did not receive water as per requirements of farmers due to limited availability of waters in river Yamuna during Rabi.

श्री अमर सिंहः अध्यक्ष महोदय, ने अपने जवाब में जो फिगर्ज दी हैं, वे ठीक हैं। इन्होंने इस बात को एडमिट किया है कि फरवरी के महीने में 1.2.93 से 25.2.93 तक वैस्टर्न यमुना कैनाल में पानी का मामला साफ हो गया। स्पीकर साहब, हमें वैस्टर्न यमुना कैनाल और भाखडा कैनाल से ही पानी मिलता है। आजकल चर्चा है और पंजाब के मुख्य मंत्री ने मांग की है कि यमुना के पानी में पंजाब का भी भोयर होना चाहिये। यदि उनको पानी दे दिया गया तो फिर यमुना में तो पानी रहेगा ही नहीं। एस0वाई0एल0 का पानी कब हरियाणा को मिलेगा, आज 26 साल हो गए, अब तक तो मिलना नहीं और न ही इस पानी के निकट भविश्य में मिलने की उम्मीद है। मन्त्री महोदय ने फिगर्ज दी हैं कि दादरी डिस्ट्रीब्यूटरी में 10/92 को 2393 क्यूसिक डेज और 1.2.93 से 25.2.93 तक 701 क्यूसिक डेज पानी मिला। मैं आपके माध्यम से मन्त्री जी से जानना चाहता हूं कि जब फरवरी के महीने में पानी की यह हालत है तो आगे आने वाले मई और जून के महीनों में क्या हालत होगी ? उस समय तो फिर यह बिल्कुल ड्राई हो जाएगी। इसलिये मंत्री महोदय बताने की कृपा करें कि उन दिनों फिर हमको किस तरह से पानी देने का प्रबंध करेंगे ?

चौधरी जगदी ा नेहराः अध्यक्ष महोदय, जैसे कि मैंने पहले जवाब में कहा है कि यमुना का पानी बहुत कम हो गया है और जो पिछली एवरेज है उससे भी बहुत कम हो गया इसलिये यह कमी आई है। जैसे कि मैंने कहा कि दादरी डिस्ट्रीब्यूटरी में पानी 701 क्यूसिक्स डेज चला है। अभी तक दादरी डिस्ट्रीब्यूटरी चल रही है और 4 दिन इससे पहले चल चुकी है और बाकी 2–3 दिन और चलेगी। (विघ्न) जहां तक यमुना का पानी टेल तक न पहुंचने का ताल्लुक है मैं एडमिट करता हूं, यमुना में पानी कम आने की वजह से टेल पर पानी कम आया। जहां तक अक्तूबर की बात है जो फिग्र्ज हैं वह मैंने दे दी हैं। दादरी डिस्ट्रीब्यूटरी महीने में 14 दिन चली। बोन्द डिस्ट्रीब्यूटरी की कैपेसिटी 119 क्यूसिक्स है (विघ्न) जो कमी है, वह हमने ऐडमिट कर ली है। यमुना में जितना पानी आएगा, उसी के मुताबिक तो हम दे सकेंगे। मैं जो फिगर्ज दे रहा हूं, वे वास्तव में सही हैं। यमुना के पानी की डिविजन ताजेवाला हैड पर होती है उसमें यू0पी0 का पानी भी होता है। (विघ्न) जो कमी आई है, वह हम ऐडमिट करते हैं। (विघ्न)

प्रो0 छत्तर सिंह चौहानः स्पीकर साहब, मेरी आपसे गुजारि ा है कि बोन्द डिस्ट्रीब्यूटरी और दादरी डिस्ट्रीब्यूटरी में जितना पानी ये कह रहे हैं उतना पानी नहीं आया है।

चौधरी जगदी ा नेहराः स्पीकर सर, पहले ये मान रहे थे कि पानी चल रहा था। स्पीकर साहब 1992 के 10वें महीने की

जो फिगर्ज हैं वह मैं बताता हूं कि बौंद डिस्ट्रीब्यूटरी 22 दिन चली, भिवानी डिस्ट्रीब्यूटरी की कैपेसिटी 239 क्यूसिक्स है और वह 21 दिन चली। (विघ्न)

श्री अमर सिंहः स्पीकर साहब, बिल्कुल गलत जवाब दिया जा रहा है। (विघ्न)

चौधरी जगदी ा नेहराः स्पीकर साहब, ऐसी बात नहीं है। जो फिगर्ज हैं, जवाब उसके मुताबिक सही है। सितम्बर, अक्तूबर, नवम्बर और दिसम्बर महीनों में यमुना में जितना पानी आया, उसमें से जितना मैक्सिमम दिया जा सकता था, वह हमने दिया था। जनवरी और फरवरी के महीने लीन मन्थस होते हैं और इनमें साल का सबसे कम पानी आता है क्योंकि सर्दी की वजह से बर्फ कम पिछलती है और दूसरे वर्शा नहीं हुई। जिसकी वजह से डब्ल्यू0जे0सी0 में पानी कम रहा। (विघ्न) इस वक्त पांच या साढे पांच हजार क्यूसिक पानी है। (विघ्न) स्पीकर साहब, मेरी गुजारि ा है कि जो यह बात कह रहे हैं, वह सच्ची नहीं है। डिस्ट्रिक्ट महेन्द्रगढ, रिवाडी और झज्जर के ऐरिया में जहां पीने के पानी की स्केयरसिटी है, वहां यमुना का पानी लेकर उनको पीने के लिये मुहैया कराया गया। जहां पीने के पानी की दिक्कत रही है, उनको पीने का पानी दिया गया है।

प्रो0 छत्तर सिंह चौहानः स्पीकर साहब, मैं आपके माध्यम से मन्त्री महोदय से जानना चाहूंगा कि जो फिगर्ज इन्होंने

दी हैं, यह सत्यता से बहुत दूर हैं। हो सकता है इन्होंने 3 महीने का एक महीना बना दिया हो। मन्त्री महोदय, यह बात भी देखें कि दादरी फीडर और बौंद डिस्ट्रीब्यूटरी में जितना पानी जाना चाहिए उसका 30 प्रति ात भी नहीं जा रहा है। अध्यक्ष महोदय, झोझूकलां से मोटर उठवा कर श्री आनन्द सिंह डांगी लाड ले गए। जब लोगों ने भाोर मचाया तो वापिस वहीं लगवा दी। इसी तरह से नेहरा साहब भी वहां पर पहुंचे हों और कह दिया हो पानी चला दो तो अलग बात है। अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से गवर्नमैंट से निवेदन करना चाहता हूं कि भिवानी में सारी नहरों में डी सिल्टिंग नहीं हुई है। उनकी डी सिल्टिंग करवाई जाए। एक एक नहर में चार चार फुट रेत है और नेहरा साहब उसे पानी समझते हैं। रेत की वजह से ही पानी टेल तक नहीं पहुंचता है। अध्यक्ष महोदय, जिस नहर में चार फुट सिल्ट होगा उसमें पानी टेल तक कैसे पहुंचेगा ? मैं नेहरा साहब से प्रार्थना करूंगा कि चण्डीगढ के एयरकंडी ान दफतर को छोड कर वहा ंभी जाएं। इस बारे में मैंने पहले भी कई बार इनके आफिस में जाकर कहा है कि मन्त्री जी हमारे भिवानी जिले के किसी भी सिटम की आपके राज में डि सल्टिंग नहीं हुई है। डी सिल्टिंग न होने की वजह से रेत को भी पानी मे ंनापा जाता है।

श्री अध्यक्षः पहले राज में तो डी सिल्टिंग हुई होगी।

प्रो0 छत्तर सिंह चौहानः अध्यक्ष महोदय, पिछले राज में भी बिल्कुल नहीं हुई है। उसके बाद तो आज दो साल हो गए हैं।

अध्यक्ष महोदय, आप भी किसान हैं। किसानों के प्रति आपकी हमदर्दी होनी चाहिये। यह सरकार भी उन्हीं पिछली सरकरों के पद चिन्हों पर चल रही है। कम से कम भिवानी जिले के बारे में तो मैं कहता हूं। अध्यक्ष महोदय, लोहारू कैनाल के सारे पैम्प खराब पडे हैं। वे अभी तक रिपेयर नहीं हुए हैं।

श्री अध्यक्षः आप सिर्फ प्र न ही पूंछें।

प्रो0 छत्तर सिंह चौहानः अध्यक्ष महोदय, मैं प्र न ही पूछ रहा हूं। मेरा सिंचाई मंत्री जी से निवेदन है कि यह जो सारा पानी सिरसा ले जा रहे हैं कृपा करके भाखडा का पानी वैस्टर्न यमुना कैनाल में भी दे दें। इसका सिर्फ एक रास्ता है लेकिन वह इनको सूट नहीं करता है। ये पिछली सरकार की सारी नीतियों की आलोंचना करते हैं। अध्यक्ष महोदय, भाखडा सिस्टम 22 दिन तक चलती है और डब्ल्यू0जे0सी0 7 दिन चलती है। कम से कम ये ठीक नीतियों की तो बात करें। उसमें भिवानी का भी हक है, झज्जर का भी हक है। ये जो सारा पानी सिरसा ले जा रहे हैं मैं मंत्री जी से कहूंगा कि इनको भी वहीं दिन देखने पडेंगे जो वे लोग देख रहे हैं। मंत्री जी मेरा आपसे निवेदन है कि आप भाखडा से डब्ल्यू0जे0सी0 को पानी दें।

अध्यक्ष महोदय, मैं इनको तीन बातें बताता हूं, ये उनका जवाब दे दें :–

1. हमारा डी सिल्टिंग जब तक नहीं होता, तब तक पानी नहीं चलेगा।

2. दादरी फीडर, जुई कैनाल, सिवानी कैनाल और बाकी जो कैनाल्ज हैं, इनको भाखडा से पानी देने का क्या कोई इरादा रखते हैं ?

3. ये जाकर वहां देख लें या आज ही मेरे साल चलें। जो सूचना ये लिये बैठे हैं, यह सारी की सारी गलत है कि वहां पर इतना पानी चल रहा है।

चौधरी जगदी ा नेहराः अध्यक्ष महोदय, इन्होंने सवाल किया है कि भाखडा से पानी दिया जाए। जितना हम भाखडा से पानी दे सकते हैं, उस बारे मैंने पहले ही बता दिया है कि 27 सौ क्यूसिक तक हमने पानी दिया है। इनकी एक बात में कन्फयूजन है। भिवानी में दो सिस्टम हैं एक पैरीनियल है और दूसरा नान पैरीनियल है। लोहारू और जे0एल0एन0 का जो सिस्टम है वह नान पैरीनियल है। नान पैरीनियल का मतलब है कि बारि ा के दिनों में पानी दिया जाएगा, जब यमुना में पानी होगा। यह सिस्टम चौधरी बंसी लाल जी के टाईम से चला आ रहा है। जो पैरीनियल सिस्टम है उसका पानी हम रोटे ान के हिसाब से देते हैं। इसी तरह से सिरसा में भी रोटे ान के हिसाब से पानी दिया जाता है। इसी तरह से भिवानी और रोहतक में भी रोटे ान के हिसाब से पानी दिया जाता है।

प्रो0 छत्तर सिंह चौहानः अध्यक्ष महोदय, नेहरा साहब यह बता दें कि सिरसा में कितना पानी मिलता है ?

चौधरी जगदी ा नेहराः अध्यक्ष महोदय, सभी जगहों पर आठ दिन का रोटे ान है और सिरसा में भी आठ दिन का रोटे ान है। इन चैनल्स से हमने पिछले दिनों 2700 क्यूसिक्स पानी दिया है जो मैक्सिमम है। हम भाखडा कैनाल को भी मैक्सिमम पानी देते हैं। मैंने इनको चैक किय है और इनके साथ ही लिफट एरिये में भी चैक किया है। यह बात इनकी सही है कि इसमें कुछ दिक्कते हैं उसका कारण यह है कि जो लिफट सिस्टम है उसमें 400 फुट तक पानी लिफट हुआ है और वह लिफट काफी सालों से बनी हुई है, इसलिये उनकी कैपेसिटी कम है। लेकिन पानी का जो सिस्टम है, उसे हम ठीक करने की कोि ा ा कर रहे हैं। पीने के पानी के साथ साथ इरीगे ान के पानी को जो हक इनका बनता है उसे भी हम पूरा करेंगे।

लोक निर्माण मंत्री (चौधरी आनन्द सिंह डांगी): अध्यक्ष महोदय, जैसा कि अभी नेहरा साहब ने रोटे ान के बारे में कहा कि आठ दिन के रोटे ान के हिसाब से डब्ल्यू0जे0सी0 और आठ दिन के रोटे ान के हिसाब से भाखडा कैनाल को पानी देते हैं। मैं उनकी इस बात से सहमत नहीं हूं। भाखडा नहर तो हमे ाा 21 या 22 दिन तक चलती है और डब्ल्यू0जे0सी0 नहर केवल 8 दिन तक ही चलती है। मैं यह समझता हूं कि यह ज्यादती है। मैं

चाहूंगा कि भाखडा कैनाल से पानी डाइवर्ट करके डब्ल्यू0जे0सी0 को दिया जानाचाहिये ताकि लोगों को पानी की दिक्कत न हो।

चौधरी जगदी ा नेहराः अध्यक्ष महोदय, जो भाखडा कैनाल का सिस्टम बना हुआ है, वहां से राजस्थान को भी पानी दिया जाता है। यह पानी हमे ाा चलता रहता है। इसमें विसंगति वाली कोई बात नहीं है। दो तरह के चैनल्स हैं। एक तो ग्रेविटी से पानी यमुना में आता है और दूसरे ग्रेविटी से पानी भाखडा में आता है। साथ ही इसमें लिफट इरीगे ान भी है। इसके हिसाब से इसकी जो कैपेसिटी भाखडा कैनाल को पानी देने तथा राजस्थान में पानी जाने की है, वह हमे ाा से चल रही हैं यह सरकार ने अलग नहीं की है। जैसा सिस्टम है उसी हिसाब से चल रहा है लेकिन इसमें कुछ दिक्कते जरूर हैं।

श्री धीरपाल सिंहः अध्यक्ष महोदय, यह तो सरकार ने भी माना है कि इसके अंदर खामियां हैं, फिर उन खामियों को दूर क्यों नहीं किया जाता ? (ाोर एवं व्यवधान) अध्यक्ष महोदय, यह बहुत गंभीर मामला है क्योंकि इसको सरकार भी मान रही है।

श्री अध्यक्षः धीरपाल जी, आप बैठिए। यह बात तो आप अपनी स्पीच में कह लेना।

श्री धीरपाल सिंहः अध्यक्ष महोदय, सरकार ने भी इस बात को माना है कि पानी के बांटने में अंतर है। मंत्री महोदय भी कह रहे हैं कि पानी के बांटने में खामियां हैं।

चौधरी जगदी ा नेहराः अध्यक्ष महोदय, जो सिस्टम इनके समय में चल रहा था, अब भी चल रहा है। (विघ्न)

श्री अध्यक्षः ऐसा है कि यह अलग मामला है। सबको यह पता है कि भाखडा कैनाल का अलाउंस ज्यादा है यानी लगभग डबल है और डब्ल्यू0जे0सी0 का अलाउंस कम है।

श्री धीरपाल सिंहः अध्यक्ष महोदय, पानी के कम आने की वजह से रोहतक को पानी नहीं मिल रहा है वहां पर सारे किसान निरा ा हो रहे हैं। वहां पर पानी 35 दिन में मिल रहा है। (विघ्न)

चौधरी आनन्द सिंह डांगीः अध्यक्ष महोदय, जैसा कि मैंने विसंगति के बारे में कहा था, वह बात इस सरकार पर लागू नहीं होती है। पहली सरकार के समय से ही ऐसा सिस्टम चला आ रहा है। लेकिन अगर इस तरह का फर्क रहेगा तो जो आज हम एस0वाई0एल0 का पानी पंजाब से मांग रहे हैं, वह कैसे मांग सकते हैं जब हम अपनी स्टेट में ही पानी की बांट पूरी और सही ढंग से नहीं कर पा रहे हैं ? (विघ्न)

श्री अध्यक्षः ये बातें आप गवर्नर ऐड्रैस पर बोल लेना।

विभिन्न ध्यानाकर्शण सूचनाओं के बारे में माननीय अध्यक्ष द्वारा संबंधित सदस्यों को सूचना देना

प्रो0 सम्पत सिंहः स्पीकर साहब, हमने कल एक काल अटैन ान मो ान दिया था।

श्री अध्यक्षः आप बैठ जाईए। एक काल अटैन ान नोटिस जो श्री सम्पत सिंह एंड 14 अदर मैम्बर्ज ने कल दी थी जो भूगरकेन की बकाया अदायगी करने के बारे में है। यह काल अटैन ान मो ान नं0 2 आलरेडी 1 मार्च 1993 के लिये एडमिटिड है। यह मो ान 1 मार्च को टेक अप होगा, उसी समय आप को एक या दो प्र न पूछने की इजाजत दी जाएगी।

इसके अलावा एक और काल अटैन ान नोटिस श्री अमर सिंह, श्री छत्तर सिंह चौहान और श्री रामभजन अग्रवाल की तरफ से आया है which is regarding rabing of whole authority of S.D. School, Bhiwani by the then Minister Sh. Bir Singh. It has been sent to Govt. for comments.

Sh. Sampat Singh and 9 other members have also given another calling attention notice yesterday night regarding grant of pay scales to Haryana Govt. employees equal to the Punjab Govt. Employees. It is under consideration.

स्थगन प्रस्ताव–

एस0वाई0एल0 तथा यमुना नदी के पानी के हिस्से संबंधी

Mr. Speaker: Hon'ble Members, I have also received two notices of adjournment motions, one at 9.10 a.m. today from Sh. Sampat Singh and 9 other members and the other at 9.45 a.m. from Sh. Bansi Lal and 6 other members today regaring S.Y.L. and Yamuna Waters Share.

Hon. Members according to Rule 67, notice of an adjournment motion is required to be given not less than one and half an hour before the commencement of the sitting on the day on which the motion is proposed to be made. However, these are under consideration.

Sh. Verender Singh: Mr. Speaker, Sir, I want to speak on Zero Hour because the zero hour is still going on and I have to speak on some important issue.

Mr. Speaker: All right, you may speak.

श्री बीरेन्द्र सिंहः स्पीकर सर, मेरी आपसे गुजारि ा है कि कल भी मैंने आपसे पूछा था कि भाजपा के आनरेबल मैम्बर गायब हैं। मैंने कल भी निवेदन किया था कि श्री रामबिलास भार्मा जी हाउस में नहीं आ रहे हैं। आज सुबह मुझे उनका टेलीफोन पर मैसेज मिला कि कल उनको भांकर रोड पर पुलिस ने बुरी तरह पीटा है और उनको 22 चोटें आई हैं। माननीय सदस्य को 40 लाठियां पडी हैं, चोटें आई हैं, फ्रैक्चर हुआ है। हमें सदन में सरकार के इस कदम की भर्त्सना करनी चाहिये। पुलिस ने किसी को नहीं बख्शा न कांग्रेस वालों को, न भारतीय जनता पार्टी वालों को और न आम जनता को। स्पीकर सर, दूसरे यह जो आप एडजर्नमैंट मो ान पर कंसीड्रे ान कर रहे हैं। इसके संबंध में मैं

कहना चाहूंगा कि यह मामला बहुत अरजैंट है। सब कुछ छोड कर हमें इस पर चर्चा करनी चाहिये। यह बहुत चिन्ता का विशय है। इमसें फौरी तौर से आपको बहस करवानी चाहिये। इस बारे में किसी टैक्नीकैलिटी में जाने का सवाल नहीं है। यह हरियाणा की लाईफ एण्ड डैथ का सवाल है। हमें पानी मिल चुका है और ट्रिब्यूनल अपना फैसला दे चुका है। उसके बाद भी वे विरोध में जा रहे हैं और कह रहे हैं कि सब एग्रीमैंट समाप्त हों और नए सिरे से पानी के डिस्ट्रीब्यू ान का फैसला हो।

प्रो0 सम्पत सिंहः स्पीकर सर, मैं आपको सबमि ान करना चाहता हूं। श्री राम बिलास भार्मा जी का मेरे पास भी आज सुबह टेलीफोन आया है उनको दिल्ली मैं भांकर रोड पर चोंटे लगी हैं बुरी तरह से उनको मारा गया है। वे हमारे सदस्य हैं हाउस के आनरेबल मैम्बर हैं तीसरी बार एम0एल0ए0 बन कर आये हैं और प्रदे ा में अपनी पार्टी के प्रेजीडैंट भी हैं उनका अपना स्टेटस है। पुलिस ने उनको बर्बरतापूर्वक पीटा है। आपको पता करना चाहिये कि उनकी क्या हालत है और वे कहां हैं ?

वैसे वह अस्पताल में एडमिटिड हैं। इसलिए हाउस में नहीं आ रहे हैं। बाकायदा पुलिस के एक ान को हमें कंडैम करना चाहिये। इरस्पैक्टिव आफ दी पार्टी एफीलियेक ान्ज हम सब पुलिस ने जो अत्याचार किये हैं, उनको कंडैम करते हैं। आज मेरा काम रोको प्रस्ताव था। उस पर 9 एम0एल0एज0 ने साईन करके सुबह ही दिय है। आज सुबह ही अखबारों में वह पंजाब के मुख्य

मंत्री का लैटर आया है। सुबह 8 बजे ही हमने अखबारों में वह पढा है। हमने उस लैटर की कापी करने की कोशिश की you will be surprised to know that 1971 वाली बात थी, उसको खत्म कर दिया, 1981 वाली बात को खत्म कर दिया और 1985 वाली बात को भी खत्म कर दिया है। उस लैटर में लिखा है :–

"It will therefore, be appropriate to go back to 1st November 1966 and solve the proble as per the constitutional and legal frame work available on that date."

It is further stated in this letter-

"It is to be appreciated that no waters which are already irrigating the land of Punjab can be withdrawn for any settlement to be effective."

We are not going to get any water. It is also stated in this letter-

"I agree that the afore-mentioned Act does not provide for apportionment of the Yamuna waters, but it also needs to be appreciated that the Act does not provide for apportionment of the Ravi waters. We are prepared to cease our claims for Yamuna waters which was an asset of the joing Punjab provided no effort is made to tinker with Ravi waters share of Punjab."

तो सर, वे तो एस0वाई0एल0 की डिगिंग को यमुना वाटर से जोडते हैं। चूंकि यह नहर हरियाणा की लाईफ लाइन है उस पर या तो किसी सैंट्रल एजेंसी से काम शुरू करवाया जाए

वरना वर्तमान ठेकेदारों को पूरी सिक्योरिटी प्रोवाइड की जाए ताकि नहर पर काम चल सके। लेकिन उस पर कार्यवाही ही नहीं हुई। उसके बाद जब सैंटर में सरकार बदली तो दोबारा प्राइम मिनिस्टर से खतों किताबत किया। 20.2.91 को हमारे आदरणीय मुख्य मंत्री जी तथा मैं, प्रधान मंत्री जी से मिले उनकी हाई पावर्ड कमेटी की मीटिंग हुई उसमें आदरणीय प्रधान मंत्री जी, वाटर रिसोर्सिज मिनिस्टर, फाइनैन्स मिनिस्टर, होम मिनिस्टर और उनके सैक्रेटरीज थे। उन्होंने उस मीटिंग में एस0वाई0एल0 कैनाल की कंस्ट्रक ान के बारे में हम से सारे बयान लिये और यह पूछा कि उसका कितना काम हो चुका है और कितना बाकी है। हमारी सारी बात सुनने के बाद प्रधान मंत्री जी ने इस बात का बहुत ही सीरियस नोटिस लिया और यह कहा कि मैं नहीं जानता किसी न किसी तरीके से एस0वाई0एल0 कैनाल का काम पूरा करवाया जाए। इसलिए आदरणीय उप प्रधान मंत्री चौधरी देवी लाल जी ने यह कहा है कि अगली फसल तक एस0वाई0एल0 कैनाल का पानी हरियाणा में आ जाएगा। गवर्नमैंट औफ इंडिया के आदमी उस नहर को देखने के लिये आए थे और उनको उस समय हमारी तरफ से बाकायदा सिक्योरिटी प्रोवाईड की गई थी। उन्होंने कहा था कि एस0वाई0एल0 की कंस्ट्रक ान का काम जल्दी ही भुरू हो जाएगा। पंजाब के चीफ मिनिस्टर और इरीगे ान एंड पावर मिनिस्टर बार बार यह कह रहे हैं कि हम इस नहर को नहीं बनायेंगे, जब तक यमुना के पानी का फैसला नहीं हो जाता। (व्यवधान व भाोर)

श्री धीरपाल सिंहः स्पीकर साहब, मैं केवल एक मिनट ही लूंगा। यह केवल अपनी कमजोरी को छिपाने के लिये ऐसा कर रहे हैं। इनकी नीयत का सबको पता है। अगर मुख्य मंत्री जी वाकई हरियाणा प्रदे ा के हितों के बारे में चितिंत हैं तो वे सीधे प्राईम मिनिस्टर से यह कह सकते हैं कि दोनों प्रदे ाों में एक ही पार्टी की सरकारें हैं। पंजाब में और हरियाणा में कांग्रेस पार्टी की सरकारें हैं। मुख्य मंत्री ने एक भाब्द भी इस बारे में कडे भाब्दों में नहीं कहा कि पंजाब के मुख्य मंत्री बार बार ऐसे मुद्दों को क्यों उछाल रहे हैं, जिससे हमारे हरियाणा प्रदे ा के हितों पर कुठाराघात होता है ? हमारे मुख्य मंत्री केवल आ वासन देते हैं और वे भी गलत आ वासन देते हैं। स्पीकर साहब, यह बडा ही गम्भीर मामला है। प्राईम मिनिस्टर से इनको कडे भाब्दों में कहना चाहिये। (व्यवधान व भाोर)

Mr. Speaker: I have already told you that it is under considertation. आपकी इंटै ान से जाहिर है कि आप वाक आउट करना चाहते हैं मैंने चीफ मिनिस्टर को बोलने के लिए कह दिया है उनकी प्रायरिटी पहले है।

मुख्य मंत्री (चौधरी भजन लाल): अध्यक्ष महोदय, माननीय सदस्यों ने मुख्य मंत्री पंजाब की स्टेटमैंट के बारे में चिन्ता व्यक्त की और यह कहा है कि पंजाब के मुख्य मंत्री ने यह कहा है कि 1966 की पोजी ान वापिस लाओ। उन्होंने यमुना के पानी में अपने भोयर की बात भी कही है। स्पीकर साहब, अपनी

स्टेट में कोई कुछ भी कहता रहे, उसका हरियाणा के ऊपर कोई असर नहीं है और न ही उसका असर सैंटर के ऊपर है। मेरे कहने का मतलब यह है भारत सरकार के ऊपर उस बात का कोई असर नहीं है। अगर हम अपनी स्टेट में यह कहते रहें कि सारा पंजाब हमारा है तो क्या हमारे कहने से सारा पंजाब हमारा हो जाएगा ? आदमी को वह बात कहनी चाहिए जो ठीक हो और बडी सोच समझ कर बात करनी चाहिए। उन्होंने गवर्नर ऐड्रैस में कह दिया कि यमुना में हमारा भोयर है और हमने भी अपने गवर्नर एड्रैस में कह दिया कि यमुना के पानी में पंजाब का कोई भोयर नहीं है। यह बात सारे सदन को मालूम है। भारत सरकार ने भी यमुना के पानी के मामले में सभी स्टेटस को बुलाया लेकिन पंजाब को नहीं बुलाया। अगर कभी भारत सरकार ने पंजाब को यमुना के पानी के मामले में बुलाया हो तो खद ो की बात हो सकती है लेकिन पंजाब को कभी भी नहीं बुलाया गया। भारत सरकार के इरीगे ान के मिनिस्टर ने स्पश्ट रूप से कह दिया है कि यमुना के पानी में पंजाब का कोई भोयर नहीं है और मैं भी इस सदन को वि वास दिलाता हूं कि जिस तरह से भजन लाल ने चण्डीगढ के मामले में स्टैंण्ड लिया था, उसी तरह से अगर पंजाब को यमुना के पानी की एक बूंद भी दे देंगे तो मैं इस्तीफा दे दूंगा। (ोर एवं व्यवधान) स्पीकर साहब, जहां तक एस0वाई0एल0 का सवाल है इस बारे में हम रात दिन लगे हुए हैं कि किसी तरह से बातचीत के जरिए मामला सुलझ जाए, लडाई से कोई लाभ नहीं है। बहुत लडाई लड चुके हैं हम। स्पीकर साहब, आपको याद होगा कि श्रीमती इंदिरा

गांधी ने 1983 में इस नहर की आधारि ाला रखी थी। उस वक्त से कुछ काम चलता रहा और झगडा भी चलता रहा लेकिन नहर नहीं बनी। चौधरी देवी लाल के पगडी पलट भाई सरदार प्रका ा सिंह बादल ने इस नहर के बनने में काफी अडचन डाली और उनके कारण इस नहर का सत्याना ा हो गया। आप पंजाब के मुख्य मंत्री सरदार बेअंत सिंह के इस नहर के मामले में बयान की बात करते हैं, मैं कहना चाहता हूं कि उन्होंने परसों ही कहा है और सारे अखबारों में आया है। उन्होंन कहा है कि हरियाणा को पानी मिलना चाहिए और नहर बननी चाहिए।

श्री धीरपाल सिंहः लेकिन उन्होंने यमुना के पानी की भार्त लगाई है और कहा है कि एस0वाई0एल0 का पानी तभी मिलेगा, जब यमुना के पानी में पंजाब का भोयर मिलेगा।

चौधरी भजन लालः यमुना के ानी की एक बूंद भी मिलने का सवाल ही नहीं है। आप इस मामले को इतना तूल न दें।

श्री धीरपाल सिंहः हम तो आ वासन चाहते हैं कि उनको यमुना का पानी नहीं मिलेगा। यहां भी कांग्रेस की सरकार है और पंजाब में भी कांग्रेस सरकार है। आप प्राईम मिनिस्टिर को जाकर क्यों नहीं कहते कि पंजाब की चीफ मिनिस्टर ऐसे बयान न दें ?

चौधरी भजन लालः स्पीकर साहब, अपनी अपनी स्टेट के इंट्रैस्ट का सवाल है। उनकी अपनी मजबूरी हो सकती है। सारे कन्टरी का मामला है। स्पीकर साहब, सरदार बेअंत सिंह ने पंजाब के अंदर बहुत ही भाानदार काम करके दिखाया है। बहुत मु कल से पंजाब के हालात ठीक हुए हैं। हो सकता है अपनी स्टेट के मामले में उनकी कुछ मजबूरी हो। उन्होंने पंजाब में बहुत ही भाानदार काम करके पंजाब में भाान्ति स्थापित की है। वे बहुत पुराने दे ाभक्त हैं। उनके विभाग में अकेले पंजाब की बात नही ंहै। मैं इतना ही कह सकता हूं कि उन्होंने यह कहा है कि नहर बनेगी और पानी हरियाणा को मिलेगा। अध्यक्ष महोदय, मेरी उनसे मीटिंग होनी थी पर हो नहीं सकी क्योंकि वे लुधियाना चले गये थे। मेरी उनसे मीटिंग होगी और मुझे पूरी उम्मीद है कि बातचीत से मसला हल हो जाएगा। जब बातचीत से मसला हल हो जाएगा तो नहर हर हालत में बनेगी। इस एस0वाई0एल0 की आधारि ाला मैंने ही रखवाई थी और 95 परसैंट अगर कोई काम करवाया था तो वह भजन लाल ने ही करवाया था और इसका पानी भी भजन लाल ही हरियाणा के अन्दर लाएगा। यह आप लोगों के बस की बात नहीं कि आप कुछ कर सको। मैं वि वास दिलाता हूं कि एस0वाई0एल0 और यमुना का हरियाणा के हिस्से का एक बून्द पानी भी पंजाब को नहीं दिया जाएगा।

अभी श्री बीरेन्द्र सिंह जी ने राम बिलास भार्मा जी के बारे में कहा कि टेलीफोन आया है कि उनको चोटें लगी हैं। 40

लाठियां लगी हैं, टांके लगे हैं। हो सकता है भूल में कहीं ऐसा हो गया होगा, पर दूसरे व्यक्तियों को भी चोंटें आई होंगी। अध्यक्ष महोदय, सभी ने टी0वी0 पर देखा होगा, रेडियों पर सुना होगा, अखबारों में पढा भी होगा कि बाकायदा हमारे गृह मंत्री महोदय ने हाउस के अन्दर खेद व्यक्त किया कि हमें असुविधाओं के लिए खेद है कि कई लोगों के साथ ज्यादती हुई होंगी। अध्यक्ष महोदय, सभी जानते हैं कि 6 दिसम्बर को अयोध्या में इन लोगों ने क्या किया ? क्या वे घटनाएं ठीक हुई थी ? कितना वि वास इन लोगों ने सरकार को दिया था कि वे कुछ नहीं करेंगे लेकिन इसके बावजूद भी किस तरह की अनहोनी बातें इस मुल्क में घटीं, कितनी जान और माल का नुकसान हुआ, कितना आपस में भाईचारे में फर्क पडा, कितनी हमारे दे ा की बदनामी हुई, यह सभी जानते हैं। दे ा की एकता और अखण्डता को ध्यान में रखते हुए सरकार को इतनकी अब वाली रैली पर पाबन्दी लगानी पडी और हर तरह से अमन कायम करने की सरकार ने पूरी कोि ा ा भी की है। जरूरत पडने पर पुलिस ने आंसू गैस भी छोडी होगी, लाठी चार्ज भी किया होगा। हो सकता है कि किसी को चोटें भी आई हों, जिसका सरकार को खेद है। (ाोर)

श्री बीरेन्द्र सिंहः मुख्य मंत्री जी यह कहा जा रहा है कि राम बिलास भार्मा जी को 40 लाठियां लगीं और वे अनभोले में ही पिट गये हैं। (ाोर)

चौधरी भजन लालः वीरेन्द्र सिंह जी, वे सोमवार को आपके पडोस में आ जाएंगे आप उन्हें देख लेना कि उन्हें कितनी चोटें लगीं हैं। (ाोर) अगर लगीं होंगी तो हमें उसके लिये बडा ही खेद है लेकिन न हमने लाठियां मारी हैं और न ही हमारी पुलिस ने मारी हैं, लेकिन अगर कोई आदमी कानून और व्यवस्था को अपने हाथ में लेने की कोि ा ा करेगा तो सरकार को कुछ न कुछ कार्यवाही तो अव य ही करनी पडेगी।

अध्यक्ष महोदय, बात हो रही थी कि एस0वाई0एल0 व यमुना के पानी के बारे में सरकार क्या कर रही है ? मैं इनको बताना चाहता हूं कि इन अपोजी ान के भाईयों की निस्बत सत्ता पक्ष को इस बात की ज्यादा चिन्ता है और हमारी जिम्मेवारी भी है। इनमें से कुछ नहीं होने वाला है। (ाोर एवं व्यवधान)

श्री धीरपाल सिंहः अध्यक्ष महोदय, ये स्वयं ही ठेकेदार बने बैठे हैं। पानी की रिसपौन्सिबिलिटी तो कुलैकटिव है। सभी की प्रदे ा के हित में कुलैक्टिव रिस्पौन्सिबिलिटी है कि पानी हमारे प्रदे ा को पूरा मिले।

चौधरी भजन लालः अध्यक्ष महोदय, मैंने कब कहा कि आपकी जिम्मेवारी नहीं बनती ? लेकिन हमारी कुछ थोडी सी ज्यादा जिम्मेवारी बनती है। प्रदे ा के लोगों ने हमारे पर वि वास करके इस सदन में हमें भेजा है। प्रदे ा की सत्ता पक्ष हमारे हाथ में सौंपी है कि आप ही इस प्रदे ा के हितों की रक्षा

कर सकतो हो। लोगों ने आपको तो फटकारा हैं आप लोगों को जनता ने घर भेज दिया है और आप पर बिल्कुल भी वि वास नहीं किया है। जनता को हम पर वि वास है। इसलिये हम अपनी जिम्मेवारी समझते हुए, इस प्रदे ा के हित को ध्यान में रखते हुए, सभी मसले बातचीत के द्वारा हल करेंगे। जब दे ा में अच्छा महौल बन जाएगा तो प्रदे ा का माहौल भी ठीक ही रहेगा और हमारे प्रदे ा का भी हित होगा।

वाक आउट

Mr. Speaker: Now the Finance Minister will present the Supplementary Estimates for the year 1992-93.

Voices: We are not satisfied with the reply of the Chief Minister. (Noise & Interruptions).

Sh. Bansi Lal: Speaker, Sir, I want to say something in this regard.

Prof. Sampat Singh: Speaker, Sir, I also want to say something.

Mr. Speaker: No, no, it is now all over. I have already called upon the Finance Minister to present the Supplementary Estimates for the year 1992-93 and at this stage you cannot be allowed to speak.

एक आवाजः एडजर्नमैंट मो ान तुरन्त टेक अप किया जाये। (व्यवधान व भाोर)

Sh. Bansi Lal: As a protest we walk out.

Sh. Verender Singh: Sir, we are also not satisfied with the reply given by the Chief Minister. As a protest, we also walk out.

Prof. Samat Singh: As a protest, we also walk out.

(At this stage all the members of the Haryana Vikas Party, Janata Dal Party and the Janata Pary, present in the House, staged a walk out from the House.)

वर्श 1992–93 के अनुपूरक अनुमान प्रस्तुत करना

वित्त मंत्री (श्री मांगे राम गुप्ता): स्पीकर साहब, मैं वर्श 1992–93 के अनुपूरक अनुमान प्रस्तुत करता हूं।

प्राक्कलन समिति की रिपोर्ट प्रस्तुत करना

Mr. Speaker: Now Sh. Om Parkash Beri, Chairman of the Estimates Committee will present the Report of the Committee on Estimates on the Supplementary Estimates for the year 1992-93.

Chairman, Estimates Committee (Sh. Om Parkash Beri): Sir, I beg to present the Report for the Committee on Estimates on the Supplementary Estimates for the year 1992-93.

राज्यपाल के अभिभाशण पर चर्चा (पुनरारम्भ)

श्री अध्यक्ष: अब गवर्नर साहब के एड्रैस पर डिस्क ान रिज्यूम होगी। चौधरी अजमत खां।

चौधरी अजमत खां (हथीन): स्पीकर साहब, भाुक्रिया! आपने मुझे गवर्नर एड्रैस पर बोलने का मौका दिया। मो ान गवर्नर साहब का भाुक्रिया अदा करने के लिए पे ा हुआ है। इस गवर्नर एड्रैस के अन्दर सबसे पहले दे ा के हालात की चिन्ता जताई गई है। उसमें कुछ हमारे इलाके मेवाल का भी जिक्र किया गया है। उसकी चिन्ता तमाम साथियों को है। भारत का जो आईन है, जो विधान है, उसके मुताबिक हर आदमी को कुछ न कुछ बुनियादी हकूक मिले हुए हैं। अगर किसी आदमी को उससे हक नहीं मिलते हैं तो वह कोर्ट में जा सकता है और उसी को हम कान्स्टीच्यू ानल रैमिडी कहते हैं कि उसका यह हक है। आज दे ा के हालात पर चिन्ता यहां तक पहुंच गई है कि हमें गवर्नर एड्रैस के अन्दर भी यह बात लानी पडी। आखिर यह हालात एक दिन में तो पैदा नहीं हुए। इस दे ा को कब से बिगाडा जा रहा है और यह हालात बिगडते बिगडते किस नाजुक मोड पर आ गए हैं। दे ा के हर आदमी को इसकी चिंता है ? क्यों ? इसलिए कि हमने उन ताकतों को जो आईन और विधान को नहीं समझती, जो सिर्फ एक आवाज को समझती हैं कि जिसकी लाठी उसकी भैंस, उनके हाथों को हमने ढीला छोडा हुआ है। हमने कभी गौर नहीं किया कि दे ा के हालात क्या होंगे। आज दे ा में जो हालात हैं, हमें उनसे सबक लेना है कि जो प्रदे ाों में हालात हैं, पंजाब और का मीर में जो हालात हुए हैं, वह इसलिए हुए कि जिन लोगों ने उनको पाला, उन्हीं लोगों ने उनके हाथ काटने भाुरू कर दिए। अगर कोई भी सरकार किसी भी ऐसे आदमी को जो दे ा

के आईन के साथ खिलवाड करे फिरकापरस्ती उभारे, दे ा के कानून को तोडे, और धर्म जाति की राजनीति करे, सुप्रीम कोर्ट में जाकर भी झूठ बोले और झूठा हल्फनामा दाखिल करे उस पार्टी या व्यक्ति को छूट दी जाती है तो यह ठीक नहीं होगा। एक तरफ विधान है और एक तरफ जिसकी लाठी उसकी भैंस है। दुनिया देख रही है कि लाठी और भैंस का कानून चलता है या कानून का राज चलता है। हमारे मुल्के ऊपर इस दुनियां की एक निगाह लगी हुई है। मेरा यह कहना है कि यह हालात सुधारने की जिम्मेदारी, जैसा कि यहां जिक्र हुआ, यह बहुत कुछ हमारे सबके ऊपर है। आज वोट की राजनीति है, हर पार्टी वोट के लिए, राज करने के लिए अगर यही सोचती रही तो एक दिन वह भी आएगा जिस तरीके से दे ा का बंटवारा हुआ था और पाकिस्तान दो टांग की कुर्सी लेकर यहां से चला गया था और उसके बाद उसकी एक टांग भी नहीं रही। अगर एक टांग रही भी है तो वह भी एक दिन नहीं रहेगी। तो अगर दे ा को बचाना है तो हर वह पार्टी जो अपने आपको सैकुलर कहती है, हर वह लीडर जो अपने आपको सैकुलर कहता है, हर वह इंसान जो इस दे ा का हितैशी है, हर वह इंसान जो इस दे ा के लिए यह चाहता है कि यह दे ा एक रहे और अखंड रहे, को कुछ अच्छा कर दिखाना होगा। वैसे तो यह कहने की बात है लेकिन अगर वे लोग दिल से और ईमानदारी से यह चाहते हैं तो इस दे ा के सैकुलरिजम को बचाया जा सकता है। इसके लिए हमारी कांग्रेस पार्टी ने ही नहीं बल्कि बहुत से और दूसरे लोगों ने जो दे ा से प्यार करते हैं, काम किया है।

नेहरू खानदान ने और कितने लोगों ने इस दे ा के लिए कुर्बानियां दी। हमें इस दे ा को यदि बचाना है जो हमारा फर्ज भी है तो हमें कुर्सी का लालच छोड कर, वोट का लालच छोड कर सच बात कहनी होगी। हर बात के लिए हमें आगे आना होगा, हर आदमी को सैकुलरिजम के लिए काम करना होगा।

आज जिक्र होते होते हमारे इलाके का जिक्र आया कि मेवात में बहुत कुछ हुआ। मेवात में सदियों पुरानी हमारी रिवायत है, आपसी भाई चारे की। एक बात तो यह है हम भी मानते हैं और सभी लोग मानते हैं कि हम हिन्दुओं में से कनवर्ट हो कर आए हैं। हमारे रस्मो रिवाज उनमें से हैं लेकिन ये 100 साल के नहीं हैं और हम किसी जुल्म और जब्र के कारण मुसलमान नहीं हुए हैं। एक बात बडे आराम से कही जाती है कि हमें जबरदस्ती मुसलमान बनाया गया है, यह गलत है। कभी हमें बाबर की औलाद कहा जाता है और कभी यह कहा जाता है कि हमको औरंगजेब ने जबरदस्ती मुसलमान बनाया था। लेकिन यह गलत था। हम लोग अगर मुसलमान हुए थे, तो सूफी संतों के कहने से हुए थे और तुगलक खानदान के जमाने से आज मेवाल में हमारे रस्मो रिवाज वहीं हैं जो हिन्दुओं के हैं वही हमारा खानदान है वही हमारे भाई हैं। उनसे हमारा नाता है। यह जो कहा जा रहा है कि मंत्रियों ने वहां जाकर झगडे करवा दिए, यह गलत है। मंत्री तो यहां चण्डीगढ में बैठे थे तो उन्होंने झगडे वहां कैसे करवा दिए ? मैं चाहता हूं कि कहने वाले किसी बात को तो सच बोलें,

किसी बात को ठीक कहें। मैं अपने अपोजी ान के साथियों को कहता हूं कि कोई बात जो ऐसी हो, जो आन रिकार्ड हो, उसको तो सच कह दें। ये मंत्री अगर वहां पर होते तो मुझे यकीन है कि वहां झगडे भी न होते। मैं इतना मान सकता हूं कि इनको वहां होना चाहिए था ताकि अपने इलाके को ये ठीक तरह से संभाल सकते। लेकिन यह कहना कि इन्होंने यह बंद कर दिया, वह बंद कर दिया, यह तमाम बातें निराधार हैं। वहां के हालात अगर बिगडे तो वहां के एस0एस0पी0 और डी0आई0जी0 और डी0सी0 साहेबान की लापरवाही से या जान बूझकर एडमिनिस्ट्रे ान के कारनामों से बिगडे। फरीदाबाद का भी एडमिनिस्ट्रे ान था, वहां पर भी एस0पी0 थे और डी0सी0 थे और वहां के तमाम अफसर थे। उस इलाके में चूं तक नहीं हुई लेकिन गुडगांव के एडमिनिस्ट्रे ान ने जान बूझ कर कहिए या उसकी गफलत समझिये, यह तो अपने अपने कहने की बातें हैं। मैं यह समझता हूं कि उनकी लापरवाही सोची समझी स्कीम से और उनकी कमजोरी से यह हालात हुए। मैंने उस दिन भी कहा था कि हमें दु:ख है, उन पर अफसोस है। मैं बिसला साहब को लेकर वहां खुद गया था। अपने इलाके में हम 7 तारीख से गांवों में घूमते रहे। बिसला साहब जो वहां हमारे फरीदाबाद के जिला कांग्रेस के प्रधान हैं, वे मेरे साथ थे। मैं नूंह में भी गया। हथीन फरीदाबाद के हलकों से मैं अपने भाई जाट, गुजर, लाला और हरिजन सब को लेकर नूंह में गया। हमने कोि ा ा की कि किसी तरह से भी फैसला हो जाये लेकिन उसमें एडमिनिस्ट्रे ान एक बीमारी थी।

एडमिनिस्ट्रे ान ने उन लोगौं को हथियार देने भाुरू कर दिए और बहुत अधिक संख्या में लाईसैंस देने भाुरू कर दिए। तो जनाब जिसके पास लाठी भी होती है उसमें भी थोडी अकड आ जाती है। जिसने कभी बंदूक देखी तक न हो और उसको बंदूक दे दी जाये तो उसमें और भी ज्यादा अकड आयेगी। तो एडमिनिस्ट्रे ान को उनको ऐसे हालात में हथियारों के लाईसैंस नहीं देने चाहिए थे। इसके साथ साथ दूसरी बातें और भी हुईं। एक तरफ तो मन्दिरों को तोडने पर 5–7 सौ आदमियों को गिरफ्तार किया गया और दूसरी तरफ जो लोग पुनहाना में मस्जिद तोड रहे थे, उनके खिलाफ पर्चा तक नहीं लिखा गया और उनमें से एक भी आदमी को गिरफ्तार नहीं किया गया। अपोजी ान के भाईयों ने इस बारे में जितनी भी बातें की हैं, उसमें इस बात का बिल्कुल जिक्र नहीं किया। अगर वे सच्चे दिल से सैकुलर हैं, तो हकीकत को हकीकत समझें और वहां जाकर देखें कि हकीकत क्या थी और किस तरह के हालात थे। जो असली बात है, उसी को इनको यहां कहना चाहिए था। अब अखबार वाले हैं, जो वहां से अफसर कह दें, पुलिस वाले कह दें और एडमिनिस्ट्रे ान कह दे, वही बात अखबार में आ जाती है। बल्कि खबरें जो आती हैं उनको भी वे लोग भेजते हैं जो बी0जे0पी0 के साथ नत्थी हैं। बी0जे0पी0 में काम करते हैं। (विघ्न)

प्रो0 छत्तर सिंह चौहानः आन ए प्वाएंट आफ आर्डर सर। स्पीकर साहब, सालडी गावं के सरपंच ने कि ान सिंह नाम के

आदमी के एक लाख रूपये देने थे, इसलिए उसने उसका मरडर करवा दिया। वह सरपंच मास्टर जी के अपने खासम खास आदमी हैं।

चौधरी अजमत खांः स्पीकर साहब, जो कुछ छत्तर सिंह जी ने कहा है, वह सरासर गलत है। स्पीकर साहब, आज के दौर में अगर सभी लोग सदभावना का माहौल चाहते हैं तो मेरी सरकार से प्रार्थना है कि हर धर्म के जो अच्छे असूल हैं, उनको स्कूल के सिलेबस में भाामिल किया जाए और बच्चों को पढाया जाए ताकि बच्चों के जेहन ठीक हों। सभी धर्मों में अच्दी बातें हैं। मैंने खुद पढा है, गायत्री मन्त्र में जो है, वही कुरान की सरते फातिहा में अरबी जुबान में है। धर्म धर्म के अन्दर कोई फर्क नहीं है। इन्सान इन्सान के अन्दर कोई फर्क नहीं है। आज की ऐजुके ान का जो माहौल है, वह ठीक नहीं है। जो किताबें हैं, उनमें अख्लाकी माहौल कम होकर वैज्ञानिक माहौल बन गया है और हम सांईटिफिक असूलों की ओर चल पडे हैं। पहले किताबों के अन्दर इख्लाकी बातें सिखाई जाती थीं, अच्छे सबक सिखाए जाते थे, जिससे उनकी अखलाकी जेहनियत बढती थी। स्पीकर सर, आपके माध्यम से सरकार से मेरी प्रार्थना है कि हर धर्म के अच्दे असूलों को किताबों से पढाया जाए। जिन महानुभावों की जिन्दगी उम्दी थी, उनके बारे में बच्चों को बताया जाए ताकि वे अच्छे इन्सान बन सकें और इन्सान से हैवान न बनें। इसी एजुके ान से ही हम इसमें सुधार ला सकते हैं। इसके साथ ही

सदियों पुराने हमारे रि ते टूट रहे हैं। यह बात भी अखबारों में आई है। (विघ्न)

श्री अमर सिंहः स्पीकर सर, मेरा प्वायंट आफ आर्डर है। मेरा स्पैसिफिक प्वायंट औफ आर्डर यह है कि एक एक मैम्बर को आपने 45–45 मिनट तक बोलने की इजाजत दी है जो कि सिंगल हैंडिड मैम्बर हैं। दूसरी तरफ हमारी पार्टी के किसी सदस्य को न तो कल और न ही आज बोलने की इजाजत दी है। हमारी पार्टी में से चौधरी बंसी लाल जी कल बोले थे उसके अलावा हमारा कोई और मैम्बर नहीं बोला है। मैं यह चाहूंगा कि हरेक मैम्बर के लिए आप टाईम मुकर्रर कर दें ताकि हमारी पार्टी के दूसरे मैम्बर्ज को भी बोलने का मौका मिल सके। (विघ्न)

श्री अध्यक्षः गवर्नर ऐड्रैस पर जो मैम्बर्ज बोले हैं, उनको टाईम मैं आपको बता देता हूं। श्री फूल चन्द मुलाना, मूवर ऑफ दि मो ान औफ थैक्स आन गवर्नर ऐड्रैस, 34 मिनट, श्री राजेन्द्र सिंह बिसला, जिन्होंने मो ान को सैकण्ड किया हैः 23 मिनट, श्री सम्पत सिंह लीडर औफ अपोजी ान : 75 मिनट, श्री रामपाल सिंह कंवर : 33 मिनट, चौधरी बंसी लालः 74 मिनट, चौधरी वीरेन्द्र सिंह : 43 मिनट, श्री अमीर चन्द मक्कड़ : 35 मिनट तक बोले हैं। जो टाईम आपकी पार्टी को दिया गया है, वह कोई कम नहीं है। रे ाो परपोर ानेट के अनुसार आपका जो टाईम है, वह आपको मिलेगा बल्कि कुछ ज्यादा ही मिलेगा। (विघ्न) अभी कौन सा

सै ान खत्म हो गया है। अभी तो सै ान चल रहा है और फेयरली सभी को टाईम मिलेगा।

चौधरी अजमत खांः स्पीकर सर, मैं यह अर्ज कर रहा था कि पढाई का जो सिलेबस है, उसको ठीक किया जाए। अभी भाई साहब ने कत्ल का जिक्र किया था। मैं खुद उजीना गांव में गया था, उनके चाचा को लेकर आया और मैंने खुद रिपोर्ट दर्ज करवाई। वे उसकी तला ा कर रहे थे। स्पीकर साहब, जिस वक्त मैं 30 तारीख को उजीना गांव होते हुए नूंह कांग्रेस सदभावना रैली के लिए जा रहा था उस दिन बाकायदा ऐडमिनिस्ट्रे ान की साजि ा के साथ उस गांव में 4 हजार आदमी मौजूद थे। मुझे मारने के लिए बाकायदा साजि ा की थी। जो आदमी हमारे साथ गऐ थे, मेरी और उनकी गाडियां साथ साथ थी, मेरे पीछे की गाडी में आग लगाई गई, मेरी गाडी का पैट्रौल ढक्कन भी तोड दिया गया। मेरे अपोजी ान के भाई साहब ने इसका कोई जिक्र कहीं किया ? मैं इलाके के बारे में बार बार ऐडमिनिस्ट्रे ान को बताता रहा, लेकिन ऐडमिनिस्ट्रे ान के साथ तो बी0जे0पी0 वालों की मिली भगत थी। मुझे मारने का प्रयत्न किया गया। इसका भी जिक्र करना जरूरी है। ऐडमिनिस्ट्रे ान को यह दुख था कि उस इलाके में गुलाम नबी आजाद गए। उन्होंने हालत को देखा, और भी बहुत सी बातें थीं। मैंने हर बार कहा कि उजीना में पुलिस रखी जाए, अडबर गांव वहां से 3 किलोमीटर के फासले पर था, वहां 150 आदमी पुलिस कर्मी रहें। उजीना गांव में एक पुलिस

कर्मी था, वह भी मेरे इलाके का रहने वाला एस0आई0 था। इस आदमी के बारे में भी पहले ही बहुत सी गलत रिपोर्टें मिली हैं। हमने बार बार यह बात कही कि उजीना में पुलिस जितनी चाहिए, वह लगा दी जाए लेकिन ऐसा नहीं हुआ। उस गांव का आदमी मारा गया था उनको मेवों पर भाक था और उनको उस पर गुस्सा था इसलिए वहां पर पुलिस का रहना जरूरी था। यह हिन्दु मुसलमान की बात नहीं थी। यह तो एक गांव के दूसरे गांव से इन्तकाम की बात थी। मुझ से अफसरान को यह दुख था कि मैं वहां पर क्येां घूम रहा था, क्यों पुलिस को जुल्म से रोक रहा था आदि, पुलिस सारे मेवाल के मुसलमानों को सबक सिखाना चाहती थी इसलिए मुझे मरवाने का प्लान बनाया गया। यदि मेरा कत्ल होता तो मेवात में भी झगडे हो जाते और पुलिस को जुल्म करने का बहाना मिल जाता। फरीदाबाद जिले में अमन क्यों रहा ? अगर फरीदाबाद मे ंभी झगडे होते तो ज्यादा इलाका बरबाद होता। फरीदाबाद की पोजी ान गुडंगावं से बिल्कुल अलग है। हम एक एक गांव में जगह जगह पर गए। लोगों को इकटठा करके सदभावना का माहौल बनाने की कोि ा ा की और हमारी यह कोि ा ा कामयाब रही और हमारी कोि ा ा आज भी है। स्पीकर सर, हमने यह तय कर लिया है कि अमन रखें।

(इस समय सभापतियों की सूची में से एक सदस्य श्री रामपाल सिंह कंवर पदासीन हुए)

सभापति जी, हमने यह तय कर लिया है कि हर कीमत पर सदभाव बनाए रखेंगे।

तू जुल्म आजमा, हम सब्र आजमाएं।

न तू बाज आए, न हम बाज़ आएं।

कोई कितना जुल्म करता रहे हम अपनी कोि ा ें करते रहेंगे कि दब कर भी हम अपने भाईयों के साथ अमन कायम रखे। इस बात पर यह हमारा यकीन है और हम इसकी कोि ा ा कर रहे हैं और कोि ा ा करते रहेंगे। ऐसा नहीं है आप बी0जे0पी0 वाले लोग और पार्टी के दूसरे लोगों को इकटठा करके पंचायत करवाएं। भौंडसी में एलान करवाएं कि मुसलमानों को सौदा न दिया जाए। यह कहां का इन्साफ है। मैं यह कहता हूं कि इनको यानी बी0जे0पी0 वालों को नूंह में जलसा करने की क्या जरूरत थी जबकि वहां पर कांग्रेस का जलसा हो रहा था। इसका तो मतलब यह हुआ कि बी0जे0पी0 वाले वहां पर झगडा करवाने खुद गए थे। यह इनकी प्रीप्लैन थी। जब हम वहां पर सदभावना का जलसा करते हैं, तो ये वहां पर जलसा क्यों करवाते हैं। चेयरमैन साहब, मेरे पास रिकार्ड है कि होडल से लेकर उजीने तक आखिरी बस की एक दिन की एक तरफ की बुकिंग 529 रूपए है। उससे पहले यह बुकिंग क्यों नहीं होती रही। उस दिन बसों में भर कर बी0जे0पी0 वाले लोग गये और यह सब वहां पर बी0जे0पी0 वालों ने और वहां के ऐडमिनिस्ट्रे ान ने मिलकर

किया। (घंटी) चेयरमैन साहब, मुझे ज्यादा टाईम नहीं मिलेगा इसलिए मैं इस विशय में ज्यादा नहीं बोलता। मुझे अपने इलाके की भी बात करनी है। मैं 27 तारीख को तीन बजे भी डी0आई0जी0 को मिला था और पहली तारीख को भी मिला था जब वहां पर सलाहेड़ी गांव में ला ों पडी हुई थीं। जो व्यवहार और सलूक डी0आई0जी0 ने और उन लोगों ने किया, उससे लगता था कि उन लोगों का भी उसमें पूरा पूरा हाथ था। जो आदमी जहां बैठे हैं, वे अपने तौर पर काम करते हैं। मैं तो आपके माध्यम से सरकार से यह कहूंगा कि वहां पर खुले तौर पर इन्क्वायरी करवाएं और जो भी अफसर इसमें इन्वालव्ड है, उस अफसर को कडी से कडी सजा दी जाए। अगर मैं कसूर वार हूं तो मुझ भी सजा दी जाए। हमारे ऊपर एक प्रकार का धब्बा लगा है। मेवात का जो इतिहास था, उसको आज कलंकित किया गया है। हम नहीं चाहते हैं कि मेवाल का इतिहास कलंकित हो।

प्रो0 सम्पत सिंहः चेयरमैन साहब, यह सब भाकरूल्ला खां ने करवाया है।

चौधरी अजमत सिंहः भाकरूल्ला खां वहां नहीं था। ये मंत्री लोग वहां नहीं थे। आप मंत्री लोगों पर खाम ख्वाह इल्जाम न लगाएं। (ाोर एवं व्यवधान)

प्रो0 सम्पत सिंहः चेयरमैन साहब, मेरा प्वायंट आफ आर्डर है। अजमत खां जी बहुत सीनियर सदस्य हैं, भले आदमी हैं

और ये डायरैक्ट इल्जाम लगा रहे हैं कि ऐडमिनिस्ट्रे ान ने यह करवाया है और फलां पार्टी के साथ मिलकर करवाया है। तो मैं यह कहता हूं कि मंत्रियों ने करवाया है और ये कहने लगे हैं कि मंत्रियों का कोई कसूर नहीं है। सारे के सारे मेवात इलाके में जो दोनों मंत्री चाहते हैं, सिपाही से लेकर एस0पी0 तक, इनके कहने पर वहां करते हैं।

श्री सभापतिः आप स्पीच न करें।

प्रो0 सम्पत सिंहः ठीक है जी। चेयरमैन साहब, मैं इसलिए यह कह रहा हूं कि दो मंत्रियों की डायरैक्ट यह जिम्मेवारी आ जाती है। जो भी ऐडमिनिस्ट्रे ान ने कार्यवाही की है, उसके लिए ऐडमिनिस्ट्रे ान के खिलाफ कार्यवाही होनी चाहिये। जो दोनों मंत्रीगण को वहां लेकर गए उनके खिलाफ भी कार्यवाही होनी चाहिये। इसके साथ ही साथ मैं आपका धन्यवाद करता हूं।

प्रो0 छत्तर सिंह चौहानः मेरा भी प्वायंट आफ आर्डर है। चेयरमैन साहब, मास्टर अजमत खां जी बहुत ही भले आदमी हैं। उजीना में मेरे मामा जी रहते हैं अगर अजमत खां जी यह कह दें कि इन दोनो मंत्रियों ने वहां रैस्ट हाऊस में 10.30 बजे मीटिंग नहीं रखी थी .....

श्री सभापतिः छत्तर सिंह चौहान जी, यह कोई प्वायंट आफ आर्डन नही है। (ाोर एवं व्यवधान) चौहान जी आप बैठ जाएं।

प्रो0 छत्तर सिंह चौहानः .....

श्री सभापतिः चौहान जी आप बैठ जाएं। आप उनसे न उलझे। Nothing more should be recorded. (Interruptions).

चौधरी अजमत खांः इनकी अपनी पार्टी के आदमी खुद रास्ते में चण्डीगए आ रहे थे।

12.00 बजे।

आप इन अपोजी ान के भाईयों से पूछ लें कि यह रास्ते में आ रहे थे या नहीं। इसके अलावा यह भी इनसे पूछ लें कि यह जो कह रहे थे कि दोनों मंत्री वहां पर थे, तो वे वहां पर नहीं थे, बल्कि चण्डीगढ में थे। वे 5 तारीख को भी और 7 तारीख को भी यहीं पर थे।

श्री सभापतिः अजमत खां जी, अब आप वाईन्ड अप करने की कोि ा ा कीजिये।

चौधरी अजमत खांः चैयरमैन साहब, जो कुछ भी दोनों मंत्री वहां पर कर सकते थे, उन्होंने किया। लोगों को भी उन्होंने वहां पर समझाने की कोि ा ा की। डराने वाली कोई बात उन्होंने नहीं की। मेरी गाडी के बारे में भी कहा जाता है। इस संबंध में जब मैं अपनी रिपोर्ट थाने में दर्ज करवाने के लिए गया तो पुलिस ने मेरी रिपोर्ट दर्ज नहीं की। चेयरमैन साहब, अगर एक एम0एल0ए0 की रिपोर्ट दर्ज नहीं होगी तो यह बहुत भार्म की बात

है। मैं जो कुछ कह रहा हूं। सही कह रहा हूं। मैं झूठ नहीं बोलता, बल्कि सच्ची बात कहता हूं। लेकिन उसका नतीजा यह होता है कि एक बीमारी लग जाती है। मुझसे अपने भी खफा हो जाते हैं और दूसरे भी खफा हो जाते हैं। (विघ्न) मेरी तो बिल्कुल सच्ची बात है। चेयरमैन साहब, मैं कह रहा था कि चार आदमियों को उजीना वालों ने बाहर के आदमियों के साथ मिल कर मार दिया। यह तो इनकी बात ठीक है कि यह तो सरकार का खजाना है हमें तो तब चिन्ता होती है, जब तकलीफ होती है जब हाउस में लोग खडे होकर यह कहते हैं कि श्री मांगे राम जी का खजाना खाली है। वह तो हो सकता है लेकिन श्री मांगे राम का खजाना खाली है। वह तो हो सकता है लेकिन श्री मांगे राम का खजाना खाली नहीं है। अगर सरकार का खजाना खाली है तो हम मुख्य मंत्री महोदय से यह कहेंगे कि इसका उनको सोचना चाहिये। (व्यवधान व भाोर) मांगे राम जी तो बडे सौलिड आदमी हैं, वे बडे ही फाइनैंि ायली मजबूत आदमी हैं। हम वह बात बर्दा त नहीं कर सकते। अगर सरकार का खजाना खाली हो तो मुख्य मंत्री जी को इसका इलाज करना चाहिए। मुझे यह सुनना अच्छा नहीं लगता कि सरकार का खजाना खाली है। आपका खजाना भरना चाहिये, मैं तो यह चाहता हूं। पिछली दफा पी0ए0सी0 की मीटिंग में एक अधिकारी ने कहा कि मुझे जाना है क्योंकि मुख्यमंत्री के साथ मेरी एक मीटिंग है और मीटिंग इस बात के लिये है कि तनखाहों का इन्तजाम कैसे किया जाए। स्पीकर साहब, इस स्टेट में कर्मचारियों

को देने के लिये तनखाहें नहीं हैं। सरकार का खजाना खाली है आज तनखाहों के लाले पड रहे हैं।

मुख्य मंत्री जी आपने भार्त लगा दी कि व्यापारी सैल्ज टैक्स का पैसा और दूसरे टैक्सिज का पैसा सरकारी खजाने में जमा कराएं। इस बात से व्यापारी बहुत ज्यादा परे ाान हैं। नोटों का बंडल लेकर व्यापारी जमा कराने के लिये सुबह दस बजे से भााम पांच बजे तक लाइन में खडा रहता है। लेकिन पैसा जमा नहीं होता। आज कितने ही ने ानेलाइज्ड बैंक्स हैं आप खुली छुटटी कर दीजिए कि किसी भी बैंक में पैसा जमा कराया जा सकता है। लेकिन आपने ऐसा नहीं करना है क्योंकि व्यापारी को आपने तंग करना है। ने ानेलाइज्ड बैंक्स में पैसा जमा कराने में आपको क्या दिक्कत है ? आप बैंक्स में पैसा जमा कराने का प्रोवीजन कर दीजिए इससे व्यापारी को काफी राहत मिलेगी और उसका समय बच जाएगा। आज व्यापारी सरकार को पैसा देना चाहता है आपका खजाना खाली है लेकिन आप पैसा लेना नहीं चाहते क्योंकि आपने व्यापारी को तंग करना है। इसलिये मेरी प्रार्थना है कि किस भी बैंक में पैसा जमा कराने का प्रोवीजन आप कर दीजिए।

स्पीकर साहब, भाराब का जिक्र आया। कहा गया कि भाराब से बहुत ज्यादा रैवेन्यू आता है। काफी पैसा इकटठा होता है। मैं कहना चाहता हूं कि भाराब के कारण ला एण्ड आर्डर खराब होता है। जो भाराब पीता है, वह आदमी अपने हो ा में नहीं

रहता और झगडा करता है जिससे ला एण्ड आर्डर की स्थिति पैदा होती है। मुख्य मंत्री जी से कहना चाहता हूं कि जहां सरकार का काम नहर बनाना, पीने का पानी देना, सडक बनाना, स्कूल बनाना और बिजली सप्लाई करना है, वहां सरकार का काम लोगों का चरित्र बनाना भी है। अगर चरित्र खराब हो गया तो ये सब चीजें बेकार हो जाएंगी। लोगों का चरित्र रखना सरकार का पहला काम है। भाराब के कारण आज हमारा सब कुछ तबाह होता जा रहा है। वह आमदनी किस काम की जो चरित्र को खराब करके हो। वह पैसा किसी काम नहीं आएगा। स्पीकर साहब, भाराब पिलाकर आने वाली पीढी के जीवने के साथ खिलवाड न किया जाए। यह भाराब ला एण्ड आर्डर की प्रोब्लम को बढाती है। आपको टैक्स चाहिए तो इसका इलाज यह है कि जितनी भाराब पर हजार गुणा टैक्स लगा दो। दो सौ रूपए का पऊआ कर दो। जितनी भाराब सस्ती होगी, लोग उतना ही अधिक इसे पिएंगे। अगर आप इस पर हजार गु

णा टैक्स लगा दोगे तो समृद्ध आदमी ही पिएगा। मजदूर और छोटा आदमी भाराब नहीं पिएगा। समर्थ आदमी जब भाराब पिएगा तो वह घर में बैठ कर पिएगा सडक पर हु हल्ला नहीं करेगा। मेरा कहना यह है कि भाराब पिलाकर आने वाली पीढी को बरबाद न करो। आप भाराब को महंगी कर दो जिससे आम आदमी की पहुंच से बाहर हो जाए। चरित्र की कीमत पर जो टैक्स लिया जाता है, वह ठीक नहीं है। यह सरकार रैडक्रास के मेले लगाती है और ये मेले जुआ खेलने का ओपन सर्टिफिकेट है।

स्पीकर साहब, पहले तो हम कहते थे कि टी0वी0 ने हमारे बच्चों का जीवन खराब कर दिया है लेकिन अब एक नई बीमारी आ गई है और वह है केबल टी0वी0। इतनी गन्दी फिल्में इस केबल टी0वी0 पर दिखाई जाती हैं, ऐसे ऐसे दृ य दिखाए जाते हैं जिससे बच्चों का जीवन सत्याना ा हो रहा है। वे बच्चे बिल्कुल नहीं पढते। आप कोई ऐसा कानून बनाएं जिससे इस पर कुछ रोक लग सके। बच्चे भाराब पीते हैं, बच्चे रैडक्रास के मेलों में जुआ खेलते हैं, टी0वी0 और केबल टी0वी0 देखते हैं और अपने चरित्र को खराब करते हैं। वे न लिखते हैं न पढते हैं। घर से बस्ता उठाया, किताबें उठाई और केबल टी0वी0 देखने लग जाते हैं या मेलों में घुस जाते हैं, वे स्कूल पहुंचते ही नहीं है। मुख्य मंत्री महोदय, आप इसका इलाज करें। इसके साथ साथ मैं यह भी कहना चाहूंगा कि मार्किट कमेटी के अन्दर एक ही जिन्स पर तीन तीन चार चार व पांच पांच दफा टैक्स लगता है। इस बारे में मैं पहले भी कई बार कह चुका हूं कि इस तरह से जो टैक्स वौल्यूमज में लगाया जाता है, यह उचित नहीं है। यह न्यायोचित नहीं है। मेरी रिक्वैस्ट है कि मार्किट कमेटी में आप जो टैक्स लेते हैं, उसको तीन से एक परसैन्ट किया जाए। होता यह है कि अगर माल एक जगह गया तो वहां टैक्स, वहीं माल दूसरी जगह गया तो वहां पर भी टेक्स इस तरह नहीं होना चाहिये एक ही जिन्स पर एक जगह पर एक ही दफा टैक्स लगना चाहिये। इस तरह से आप मंडियों को पछाडना चाहते हैं इसके साथ साथ मैं आपको एक बात और भी कहना चाहता हूं। मेरी यह रिक्वैस्ट भी है और

हरियाणा के हित में भी है कि आप टैक्स का स्टेटस ठीक करिये और टैक्स की दर को आप दिल्ली पंजाब और चण्डीगढ के मुकाबले में लाएं ताकि हरियाणा का व्यापारी आगे बढ सके।

स्पीकर साहब, अब मैं अडल्ट्रे ान के बारे में भी अपने विचार रखना चाहूंगा। मुख्य मंत्री महोदय, कोई नहीं चाहता कि मिलावटी सामान बिके। जो मैनुफैक्चरर्ज हैं, वे बल्क में माल रखते हैं उन पर सरकार कोई नजर नहीं रखती लेकिन गरीब आदमियों को ही पकडने पर जोर चलता है। इसके लिये मैंने पहले भी कहा था कि हरेक जिला हैड क्वार्टर पर एक लैबोरेटरी होनी चाहिये ताकि व्यापारी अपना बनाया हुआ माल पहले ही टैस्ट करवा ले और उन्हें किसी की खु ाामद न करनी पडे। एक व्यापारी का जो सैम्पल भरा जाए, उसका एक सैम्पल उस दुकानदार को भी दिया जाए जिसका सैम्पल लिया गया है ताकि अगर एक जगह पर उसका सैम्पल फेल हो जाए तो वह बेचारा दोबारा उसको टैस्ट करवा सके। इंस्पैक्टर्ज वगैरह के चक्करों में उसे न भागना पडे। इसके साथ साथ मुख्य मंत्री महोदय एक बात और करवा दीजिएगा कि जो सैम्पल भरने जाए, उस आदमी के साथ व्यापार मण्डल या भाहर का कोई आदमी साथ लिया जाए ताकि ज्यादती किसी के साथ न हो और कोई इस काम के लिये पैसे भी न ले सके। ये ऐसी बातें हैं, जहां पर सरकार का कुछ लगने वाला नहीं है। यह नीति की बातें हैं। इस पर सरकार को अव य ध्यान देना चाहिये।

इससे आगे स्पीकर साहब, मैं एक बात और कहना चाहूंगा कि भाहरों के अन्दर तह बाजारी है। उस तहबाजारी का टैक्स सरकार की ओर से कभी दोगुणा कर दिया जाता है या उससे भी ज्यादा कर दिया जाता है जो उचित नहीं है। आप इस काम के लिये कोई न कोई डिमार्के ान कर दें। तह बाजारी के नीचे एक तीन फुट का तखता होता है और ऊपर तीन फुट का पर्दा होता है। इसकी ओर भी सरकार को ध्यान देना चाहिये। वहां पर गरीब आदमी अपनी रोजी रोटी का साधन बनाकर के बैठे हैं। जो रेहडी लगाते हैं वे बडे कंफ्यूज्ड हैं कोई सब्जी वगैरह की रेहडी लगाता है, कोई दूसरी रेहडी लगाता है। सरकार को चाहिये कि उनको अपना काम धन्धा चलाने के लिये कोई जगह दे। इसी कारण से बाजारों में र ा रहता है और रोज झगडा रहता है। हम नहीं चाहते कि वहां पर रोजाना घण्टों घण्टों ट्रैफिक रूका रहे लेकिन य नहीं होना चाहिये कि बजाये सरकार इनको खडे होने के लिये जगह दे इसके बदले में जो एक गरीब आदमी सब्जी बेच कर अपने बाल बच्चों व परिवार का पेट पालता है, उसकी रेहडी को फेंक दिया जाए। यह नहीं होना चाहिये। पिछले दिनों क्या हुआ कि रेहडियों का मामला उठा लिया गया, उनकी रेहडियां हटा दी गई। सरकार की ओर से ऐसा प्रावधान होना चाहिये कि ऐसे गरीब आदमियों के काम धन्धों के लिये कोई न कोई जगह स्पैसीफाइड हो ताकि वे अपना सामान बेच कर अपना गुजारा चलाते रहें। रेहडी वाले फिरते रहें जब तक कि सरकार की ओर से उन्हें कोई जगह नहीं मिलती। वे लोग हमारे काम में मदद देते

हैं। वे हमारे घरों में सब्जी लेकर जाते हैं तो इससे हमारी दिक्कत दूर होती है। इसलिये इन गरीब लोगों के साथ सरकार को खिलवाड नहीं करना चाहिये। इनको जगह अलाट की जानी चाहिये। मैं मुख्य मंत्री महोदय से यह रिक्वैस्ट करूंगा और मुझे पूरा वि वास है कि जो जो सुझाव मैंने यहां पर दिये हैं सरकार उनकी ओर वि ोश ध्यान देंगी। खासतौर पर व्यापारियों के बारे में मैंने जो कुछ कहा है, मुख्य मंत्री महोदय उस ओर वि ोश ध्यान देंगे। व्यापारियों के लिये वहां से यह हाउस बडा है। इसके लिये अगर सरकार आ वासन देगी तो हमें बडी प्रसन्नता होगी। भाहर में पीने के पानी के बारे में कहना चाहता था पर वह ध्यानाकर्शण प्रस्ताव के जरिये मसला यहां पर आ गया है। इस बारे में सारी बातें विस्तार से आ गयी हैं। इस बात के लिये मैं ज्यादा समय नहीं लूंगा। यह मामला खूब डिस्कस हो गया है और मुख्य मंत्री महोदय ने इसके लिये सदन में आ वासन भी दे दिया है और मुझे उम्मीद है कि मुख्य मंत्री महोदय अपने आ वासन को रखते हुए आने वाली गर्मियों में भाहर में कोई दिक्कत नहीं आने देंगे।

स्पीकर साहब, अपने भाहर भिवानी में सीवरेज से उत्पन्न स्थिति के बारे में भी कहना चाहूंगा। सरकार का दृश्टिकोण यही होगा कि पापुले ान बढने से सीवरेज की कैपेसिटी कम होगी लेकिन इस भाहर में सीवरेज ओवर फलो होता है। सडकों पर पानी भरा रहता है। आई अस्पताल के पास,

चन्द्रगिरी स्कूल के पास, लम्बी गली में और हरिजन मुहल्लों में सीवरेज का इतना बुरा हाल है कि इस बारे में मैं क्या बताऊं ? बहुत ही बुरा हाल है। मैं डिस्ट्रिक्ट ग्रिवैनसिज कमेटी की मीटिंग में गया था और अधिकारियों को ये सभी जगहें मैंने दिखायी भी थीं। उस मुहल्ले के अन्दर जितने घर हैं, उनमें हर एक घर के अन्दर एक एक या दो दो आदमी बीमार पडे हैं। केवल इसलिये कि सीवरेज का पानी ऊपर को उठ रहा है। वहां पर नालियों के पास से तो हम जा ही नहीं सकते। कोमन लैट्रीन गेटस के सामने बनी हुई हैं। वहां पर एक हरिजन मुहल्ले में जब मैं अधिकारियों को लेकर गया तो वे कहने लगे कि चलो यहां से पता नहीं ये हरिजन भाई यहां कैसे जीवन व्यतीत कर रहे हैं। मुझे देख कर सचमुच में यह हैरानी हुई कि इतनी बुरी हालत होने के बावजूद भी सरकार कुछ नहीं कर रही है। मुख्य मंत्री महोदय, अगर सीवरेज काम ठीक नहीं कर सकता तो वहां पर और कुछ नहीं तो सफाई का साधन ही सरकार की ओर से करवाइए। मेरे विचार से पब्लिक हैल्थ डिपार्टमैंट और कमेटी की आपस में कोआर्डिने ान नहीं है। पिछले दिनों मुझे पता चला कि वहां पर जो सफाई करने के लिये म ीन थी, उसके लिये दस हजार गज रस्से की जरूरत थी जिसे कमेटी वाले ले आए लेकिन पब्लिक हैल्थ वाले उस रस्से को वहां तक ले जाने के लिए तैयान नहीं। वह म ीन भी नहीं चलती जिस वजह से सारे काम रूके हुए हैं कमेटी को आप ग्रांट क्या देते हों ? पिछले दिनों हमने अखबारों में पढा था कि गाबा जी कहते हैं कि मांगे राम जी रूपए ही नहीं देते, नाट गए।

कमेटियों को ग्रांट दिए बिना कुछ नहीं होगा। वहां पर गन्दगी के ढेर लगे हुए हैं। मुख्य मंत्री जी, पता नहीं आपका खजाना है या गुप्ता जी का अपना खजाना है, गाबा जी की रिकवैस्ट क्यों नहीं मानी जाती। मेरी यह जानकारी है उस कमेटी को सरकार से एक कौडी भी नहीं मिलती और कमेटी अपने साधनों से काम चलाने में असमर्थ है। मुख्य मंत्री जी आप सरकार चलाते हैं और सारे प्रदे ा का भार आपके ऊपर है। आपसे प्रार्थना है कि आप भाहर की सफाई का काम अव य करवा दें चाहे इसके लिये आपको किसी और मद में से पैसा क्यों न देना पडे। अगर आप ऐसा कर देंगे तो हम आपके आभारी रहेंगे। आप यह जान लें कि जहां सफाई इन्वाल्वड है, वहां लोगों का जीवन भी इन्वाल्वड है। इसलिये इस ओर आप अव य ध्यान दें। इसके बाद मैं वहां की अनाज मंडी के बारे में बताना चाहूंगा। वहां भी सब जगह सीवरेज का पानी भरा पडा है और वहां की नालियां टूटी हुई हैं। अगर नालियों के किनारे पूरे हों तो वह पानी सीधा सीवरेज में चला भी जाए लेकिन नालियां ही टूटी हुई हैं और उनकी कोई मुरम्मत नहीं कर रहा। मुख्य मंत्री जी वहां पर न तो नालियों की और न ही सडकों की रिपेयर हुई है, उनकी हालत बडी ही खस्ता है। सडकें रिपेयर न हों तो कोई बात नहीं लेकिन जो दो दो और तीन तीन फुट के गडढे हैं, उनको तो कम से कम भरवा दीजिए। उन पर गाडियां बिल्कुल नहीं चल सकतीं। अगर आपके पास तारकोल और रोडी नहीं है तो कच्ची मिटटी से ही भरवा दीजिए उसी से काम चल जाएगा।

मैरे हल्के में गांव भी हैं जैसे आलवास, गोरीपुर, इतलाने और नरसिंह धाने हैं, मैंने इनके बारे में लिख कर भी दिया हुआ है अगर आप कहें तो मैं सरकार को और गांवों की लिस्ट भी दे सकता हूं। मुख्य मंत्री जहां गन्दगी होगी, वहां बीमारी भी जरूर होगी। भिवानी के अन्दर एक बहुत बडा हस्पताल है और उसकी बिल्डिंग भी बहुत बडी है। मुख्य मंत्री जी आप उस हस्पताल में जाकर देखें। भगवान न करे कि आप वहां पर बीमार हो कर जाएं, राजी खु ी जाएं। वहां की ग्रिवैंसिज कमेटी की प्रधान हमारी हैल्थ मिनिस्टर हैं। हमने उनको भी बहुत कुछ कहा लेकिन उन्होंने उस कमेटी की मीटिंग में जाने की तकलीफ नहीं की। जहां तक पानी के बिलों का सवाली है उसके बारे में पता चला है कि मुख्य मंत्री महोदय ने उनके रेटस को ठीक करवा दिया है। मैं मुख्य मंत्री जी से आ वासन चाहूंगा कि जिनके 50–50 या 100–100 रूपये के बिल थे और वे उन्होंने जमा करवा दिए हैं। तो क्या उनके फालतु भरे हुए पैसे अगले बिलों में एडजस्ट हो जाएंगे। इससे गवर्नमैंट का नुकसान हुआ है। उद्दे य तो फेल हो गया।

श्री निर्मल सिंहः हमारा तो सिर्फ 7 लाख रूपये का कान्ट्रैक्ट था। यहां पर आने के बाद खराब हुआ है। वहां से खराब नहीं आया है। हमारी उनके साथ अन्डरस्टैंडिंग है कि अगर सीमन डैड पाया गया या कोई दोश पाया गया तो वे जिम्मेदार हैं।

आवासीय राज्य मन्त्री (राव धर्मपाल): इस बारे में इंक्वायरी चल रही है और विजिलैंस इंक्वायरी कर रही है।

चौधरी जिले सिंह जाखड़ (सालहावास): चेयरमैन साहब, गवर्नर साहब ने जो अभिभाशण पढा, मैं उसका विरोध करने के लिये खडा हुआ हूं। इस अभिभाशण मैं किसान के लिए, नहर के लिए तथा पानी के लिए कोई व्यवस्था नहीं है। चेयरमैन साहब, हरियाणा प्रान्त एक कृशि प्रधान प्रदे ा है और यहां पर 85 प्रति ात लोग खेती करते हैं। अध्यक्ष महोदय,'मन्डूसी' (कनकी) गेहूं की फसल का हानिकारक खरपतवार है, तथा यदि इस खरपतवार का नियन्त्रण न किया जाये तो पैदावार में काफी कमी आ जाती है। इस खरपतवार का नियन्त्रण आईसोप्रोटूरान खरपतवारना ाक दवाई का प्रयोग करके किया जा सकता है। जैसा कि यह महान सदन जानता है गत वर्शों में इस खरपतवार ना ाक दवाई की काफी कमी महसूस की गई थी। अत सरकार द्वारा यह निर्णय लिया गया कि इस खरपतवार ना ाक दवाई का उत्पादन हरियाणा कृशि उद्योग निगम व हैफेड द्वारा कराया जाये। वर्श 1990–91 के दौरान 500 मी0 टन (50 प्रति ात) में आईसोप्रोटूरान खरपतवार ना ाक दवाई को 20 प्रति ात अनुदान पर वितरण करने की योजना बनाई गई थी। हरियाणा कृशि उद्योग निगम द्वारा 350 मी0 टन, जब कि हैफेड द्वारा 123.7 मी0 टन आईसोप्रोटूरान खरपतवार ना ाक दवाई का उत्पादन किया गया था।

हरियाणा कृशि उद्योग निगम तथा हैफेड द्वारा बनाई गई आईसोप्रोटूरान खरपतवार ना ाक दवाई किसानों को प्राथमिक कृशि सहकारी समितियों (मिनी बैंकों) हरियाणा भूमि सुधार निगम, हरियाणा बीज विकास निगम, हरियाणा कृशि उद्योग निगम और सहकारी विपणन समितियों के द्वारा अनुदान पर बेची गई। कुल 900 मी0 टन आईसोप्रोटूरान संस्थागत समितियों व खुले बाजार के माध्यम से वितरित की गई। इस प्रकार इस वर्श खरपतवार ना ाक दवाई की कोई कमी नहीं आई।

बनाई गई खरपतवार ना ाक दवाई की गुणवता को बनाये रखने के लिये हरियाणा कृशि उद्योग निगम ने 690 नमूने और हैफेड ने 430 नमूने लेकर अपनी प्रयोग ााला में इनको वि लेशण किया। कृशि विभाग ने भी हरियाणा कृशि उद्योग निगम व हैफेड की फैक्ट्रीयों से 28 नमूने (हरियाणा कृशि उद्योग निगम से 15 व हैफेड से 13) लिये। इन दोनो संस्थाओं के सभी नमूने सही पाये गये। इसके अतिरिक्त कृशि विभाग ने एक अभियान चलाकर 122 नमूने सहकारी समितियों व प्राईवेट ट्रेड के द्वारा भण्डारण की गई खरपतवार ना ाक दवाई में से लिये गये। हैफैड और हरियाणा कृशि उद्योग निगम की फैक्ट्रीयों से लिये गये सभी नमूने सही पाये गये, केवल प्राईवेट ट्रेड के 6 नमूने निम्न स्तर के पाये गये। दोशी पाई गई सभी पार्टियों के खिलाफ मुकदमें दायर करने की कार्यवाही आरम्भ की जा रही है।

हरियाणा कृशि उद्योग निगम द्वारा बनाई गई खरपतवार ना ाक दवाई की कम क्रिया ीलता के बारे में अम्बाला, करनला, कुरूक्षेत्र तथा कैथल जिलों के किसानों से केवल 8 ि ाकायतें प्राप्त हुई थी। इन ि ाकायतों को कृशि विभाग और हरियाणा कृशि उद्योग निगम के अधिकारियों द्वारा मौके पर देखे जाने पर पाया कि खरपतवार ना ाक दवाई की क्रिया ीलता गुणवत्ता की कमी से नहीं, बल्कि इस खरपतवार ना ाक दवाई की तकनीकी ढंग से प्रयोग न करने के कारण हैं कुछ केसों में खरपतरवार ना ाक दवाई को कम मात्रा में डाला गया व कुछ केसों में खरपतवार ना ाक दवाई को सूखे खेतों में प्रयोग किया गया व कुछ खेतों में धान की पराली को जलाये जाने के बाद इस्तेमाल किया गया।

अतः यह सही नहीं है कि खरपतवार का सही ढंग से नियन्त्रण नहीं हुआ है, और इसका गेहूं की पैदावार पर प्रतिकूल प्रभाव पडेगा। मैं इस महान सदन को यह वि वास दिलाना चाहता हूं कि सरकार के प्रयत्नों से सभी जरूरी कृशि सामग्री जैसे उन्नत किस्म के बीज, उर्वरक, खरपतवार ना ाक दवाई व बिजली व नहर के पानी की समय पर आपूर्ति किये जाने से इस वर्श हरियाणा के किसानों द्वारा गेहूं की रिकार्ड उपज लेने की सम्भावना है। स्पीकर साहब, मेरे साथ यह बहुत ज्यादती हैं मेरे खिलाफ पहले भी आरोप लगाए गए थे लेकिन आपने मुझे बोलने का मौका नहीं दिया अब फिर मेरे खिलाफ आरोप लगाए गए हैं

लेकिन आप मुझे पर्सनल ऐक्सप्लेने ान के लिए समय नहीं दे रहे हैं। स्पीकर साहब, मैं अपनी बात पर ही आ रहा हूं। मैं यह कहता हूं कि मेरे बारे में जो कुछ इन्होंने कहा है, यह बिल्कुल निराधार है, गलत है, और बेबुनियाद है कि किसी व्यक्ति से पैसे लेकर मैंने लाईसैंस दिया ही। दूसरी बात मैं एक और कहना चाहता हूं। मैं इस बारे में मुख्य मंत्री महोदय से प्रार्थना करता हूं कि वे एक इंक्वायरी कमी ान बिठा दें। जब से यह सरकार बनी है तब से लेकर आज तक के सारे कालोनाईजे ान के और सारे हुडडा के मामले की वह थोरो इंक्वायरी करे। उसमें जो जो भी दोशी पाया जाये, उसके खिलाफ आप कार्यवाही करें। मैं इस बात का चैलेंज स्वीकार करता हूं। दूसरी बात मैं एक और कहता हूं। मुख्य मंत्री जी यहां पर बैठे हुए हैं इनका चुनाव घोशणा पत्र जो है, उसके अनुसार ये लोकायुक्त द्वारा जांच की घोशणा कर दें। मेरे मामले भी और दूसरे सारे मामले भी सारे इसके सुपुर्द कर दें और यह देखें कि इस हमाम में कौन कौन नंगे हैं। इस किस्म के झूठे और निराधार आरोप लगा कर यह हमारी जुबान को बन्द करना चाहते हैं। यह जांच की घोशणा कर दें। लोकायुक्त नियुक्त कर दें। इसके अन्दर सारे मामले वीरेन्द्र सिंह जी का मामला सूरजभान जी का मामला भी और सारे मामले लोकायुक्त को सुपुर्द करें और देखें कि कौन कितने पानी में है। यह सारा पता लग जायेगा। (व्यवधान व भाोर)

अभी गुप्ता जी ने अपनी स्थिति स्पश्ट करने की कोि ा ा की है या तो कहते कि मैंने वह लाईसैंस नहीं दिया या फिर अपनी इस बारे में स्थिति स्पश्ट करते, लेकिन इस तरह से इन्होंने नहीं किया। आज भी वह ऐलीगे ान स्टैण्ड करता है जिसको हम सही मानते हैं। जैसे इन्होंने स्थिति स्पश्ट की है, उससे कुछ स्पश्ट नहीं हो पाया है। (व्यवधान व भाोर) फरीदाबाद डिस्ट्रिक्ट में किसी कालोनी के वि ोश आदमी को इन्होंने 450 एकड जमीन के लाईसैंस की रिन्युअल दी। ये खुद कहें कि मैंने रिन्युअल नहीं दी। स्पीकर साहब, इंक्वायरी की कोई जरूरत नहीं है। ये एक दफा अपनी जबान से कहें कि मैंने रिन्यूअल नहीं दी। (ाोर एवं व्यवधान)

आदरणीय अध्यक्ष महोदय, फरीदाबाद वाली जमीन के बारे में जो कुछ मैंने कहा था मैं उसको दोहराना चाहता हूं क्योंकि जिस समय मैंने यह बात कही थी उस समय आप यहां नहीं थे। (ाोर एवं व्यवधान) उपाध्यक्ष महोदय, मैं कल कह रहा था कि सरकार इस बारे में स्पश्टीकरण दे। मैंने यह कहा था कि अनंगपुर गांव में एक व्यक्ति जिसका नाम आर0 कान्त है को, मुझे पता नहीं कि उस व्यक्ति का गुप्ता जी सरकार से क्या संबंध रहा था, 400 एकड जमीन पर कब्जा कराया था।

हमारी सरकार ने जो काम किए हैं उसके बारे में हाउस के सभी साथी अच्छी प्रकार से जानते हैं। कांग्रेस के समय में बिजली की क्या हालत थी और अब क्या हालत है इसका भी सभी

को अच्छी तरह से पता है। इस समय किसानों को 24 घंटे बिजली मिल रही है। सरकार की जो सही बात है उसे सभी को मान लेना चाहिए। अगर किसी बात पर कोई कमी सरकार की तरफ से रह गई है तो उसे भी सरकार ठीक करने के लिए तैयार है। बिजली के मामले में आज हमारे गांवों की हालत पहले की अपेक्षा बहुत अधिक अच्छी है। अध्यक्ष महोदय, हमारे आदरणीय नेता चौधरी देवी लाल जी ने कर्जा माफी करने की घोशणा करके एक मिसाल सारे हिन्दुस्तान में कायम की और 266 करोड रूपये के कर्जे करीब 10.50 लाख लोगों के माफ हुए। इसी तरह से हमारी सरकार ने लोगों को बुढापा पैं ान देना भाुरू किया है और किसानों की जिन्सों के भाव पहले से अधिक दिए हैं। हरिजन महिलाओं को पहला और दूसरा बच्चा होने पर 300 रूपये की सहायता दी जाती है। इसी प्रकार से हरिजन चौपालें हर गांव में बनाई जा रही हैं और लडकों के स्कूलों के लिये डबल मैचिंग ग्रान्ट और लडकियों के स्कूलों के लिये तीन गुणा मैंचिंग ग्रान्ट सरकार की तरफ से दी जाती है। इसी प्रकार से सरकार इस बात के लिये भी प्र ांसा की पात्र है कि ओला वृश्टि से हुए नुकसान का मुआवजा अब किसानों को मिलने लगा है। यह काम आज से पहले किसी सरकार ने भाुरू नहीं किया था। इस सारे काम का श्रेय चौधरी देवी लाल जी को जाता है। जो भी काम हुए हैं मैं समझता हूं कि उसका ठीक प्रकार से प्रचार नहीं हुआ और सरकार को जो य ा अपने कामों का मिलना चाहिए था वह नहीं मिल रहा। या तो पब्लिक रिले ान डिपार्टमैंट की तरफ से ठीक प्रचार

नहीं हुआ या हमारी आपसी तालमेल की कमी रही है। जिसकी वजह से हमारी सारी स्कीमों की जानकारी आम लोगों तक नहीं पहुंच पाई हैं। हम जो पब्लिक के नुमाइन्दे हैं अगर हम सभी पब्लिक के साथ इन टच रहे तो अच्छा है।

स्पीकर साहब, अब मैं अपने हल्के की मांगों की तरफ सरकार का ध्यान दिलाना चाहता हूं। नरवाना माईनर की ऐक्सटैं ान के बारे में मैंने रिप्रेजैन्ट किया था और मुख्य मंत्री जी से इसकी एक्सटैं ान करने बारे बात भी हुई थी। इस माईनर के ऐक्सटैंड होने से करीब 8–10 गांवों को फायदा होगा और इससे 2800 एकड अतिरिक्त जमीन की सिंचाई होगी और जो मारू इलाका है वह नहरी हो जाएगा। इस माईनर के ऐक्सटैंड होने से गांव भिखेवाला कटैन कलां, फौन खुर्द, कलौदा कलां, दनौदा खुर्द, सच्चा खेडा और चिम्मेवाला आदि की पानी की समस्या हल हो जाएगी। अगर सरकार इस स्कीम पर 95 पैसे खर्च करे तो उसे अढाई रूपये का फायदा होगा। मैंने आई0पी0एम0 साहब को भी इस बारे में लिख कर दिया है। मैं यह गुजारि ा करूंगा कि इस बारे में वे सिम्पैथैटिकली विचार करें। चौधरी देवी लाल जी ने कण्डी सडक का टुकडा बनवाने का ऐलान किया था लेकिन उस सडक को ठेकेदार बीच में ही छोड कर चला गया। इस समय पी0डब्ल्यू0डी0 मिनिस्टर साहब यहां पर बैठे हुए नहीं हैं। मैं वित्त मंत्री चौधरी तैयब हुसैन जी से अनुरोध करूंगा कि एस0ई0 हिसार से कहकर 2–4 किलोमीटर का इस सडक का यह टुकडा पूरा

करवाने की मेहरबानी करें। स्पीकर साहब, मेरे हल्के में प्राईमरी स्कूलों में 2–2 कमरे बनवाने की स्कीम के तहत 5–6 प्राइमरी स्कूल हैं जिनकी बिल्डिंगे बनवाई जानी हैं। मैं सरकार से इन्हें भीघ्र बनाने का निवेदन करूंगा। इस बारे में हमने सरकार को रिप्रैजैंटे ान भी भेजी हुई है। प्राइमरी स्कूलों के लिए जहां दो दो कमरे बनवाएं जाने हैं वे भीघ्र बनवाएं जाएं और जिन बिल्डिंगों की रिपेयर की जानी है वह भी भीघ्र ही की जाए। स्पीकर साहब, नरवाना में पिछले कई वर्शों से मिनि सैक्रेटेरियेट मंजूर हुआ है लेकिन अभी तक उसके लिए जमीन ऐक्वायर नहीं की गई है। डी0सी0 जीन्द को कहा जाए कि जमीन ऐक्वायर की जाए ताकि मिनि सैक्रैटेरियेट बन सके। नरवाना में रोडवेज की वर्क ाप बनवाने के लिये 25000 रूपये की सैक ान हो चुकी है लेकिन अभी तक इस पर काम भुरू नहीं हुआ है। सरकार ने इस काम के लिए पैसा अलौट कर दिया है इसलिये इसको जल्दी से जल्दी बनवाने की कृपा करें।

स्पीकर साहब, गांव लोन में मिडल स्कूल को हाई स्कूल में और गांव धनोरी में हाई स्कूल को दस जमा दो में बनाने के बारे में ि ाक्षा मंत्री महोदय ने एक पब्लिक मीटिंग में ऐलान किया था। इनको भी जल्दी पूरा करने का मैं अनुरोध करता हूं। क्योंकि यहां से 15–20 किलोमीटर के दायरे में कोई भी कालेज नहीं है इसलिये मैं सरकार से चाहूंगा कि इस ओर भी वह ध्यान दे। इसके अलावा जो प्राइमरी स्कूल मिडल स्कूलों में

जो मिडल स्कूल हाई स्कूलों में अपग्रेड किये जाने हैं वे भी भीघ्र किए जाए। गांव घरौंदी में प ाुओं के लिये एस0एम0सी0 बनवाने का केस भी महकमें के पास भेजा हुआ है। इसलिये मैं मन्त्री महोदय से यह अनुरोध करूंगा कि इस वेटरनरी होस्पीटल को भी जल्दी ही बनवने की मेहरबानी करें। स्पीकर साहब, इसमें जो मेरे हल्के की अन्य समस्यायें हैं मैं सरकार से चाहूंगा कि वह उनको भी सुलझाए। स्पीकर साहब, इन भाब्दों के साथ मैं आपका धन्यवाद करते हुए अपना स्थान ग्रहण करता हूं।

श्री सभापतिः आपको बोलते हुए काफी समय हो गया है और अब आपका टाईम खत्म हो गया है इसलिए अब आप बैठिए।

चौधरी जिले सिंह जाखड़ः चेयरमैन साहब, मुझे 5 मिनट का समय और दीजिए क्योंकि मुझे कुछ जरूरी बातें कहनीं हैं। (विघ्न) चेयरमैन साहब, देहातों की हालत बुरी है। बेरी से निकलते वक्त दादा गांव हैं, वहां पर बहिन बेटियां सडक के किनारे लैट्रिन बैठती हैं उन्हें बार बार खडे होना पडता है और कभी बैठना पडता हैं क्योंकि उनके लिए कोई उचित जगह नहीं है। अतः आपके माध्यम से सरकार से मेरी प्रार्थना है कि सभी देहातों में बुरी हालत है इसलिए सभी गांवों में भौचालय बनाये जाने चाहिएं।

श्री सभापतिः आपका टाईम खत्म हो गया है। अब आप बैठिये। (विघ्न एवं भोर)

चौधरी जिले सिंह जाखड़: चेयरमैन साहब, मैं कुछ और भी कहना चाहता था परन्तु आप द्वारा समय नहीं दिया जा रहा है, इसलिये आपका धन्यवाद करते हुए मैं अपना स्थान ग्रहण करता हूं। (विघ्न एवं भाोर)

श्री सभापतिः अब श्री ओम प्रका ा बेरी बोलेंगे। (विघ्न)

प्रो0 सम्पत सिंहः हमारी पार्टी के मैम्बर्ज को बोलने का समय नहीं दिया जा रहा है इसलिये मैं आपसे रिकवैस्ट करूंगा कि अब आप हमारी पार्टी के सदस्य को बोलने के लिए समय दें।

श्री सभापतिः अब आप बैठिये। मैंने ओम प्रका ा बेरी जी को बोलने के लिए कहा है। (विघ्न)

चौधरी ओम प्रका ा बेरी (बेरी): चेयरमैन साहब, आपका धन्यवाद, जो आपने मुझे बोलने का समय दिया। राज्यपाल महोदय के अभिभाशण पर जो चर्चा हो रही है, मैं उस पर बोलने के लिये खडा हुआ हूं। (विघ्न)

श्री अमर सिंहः चेयरमैन साहब, मेरा प्वायंट आफ आर्डर है। मैंने स्पीकर साहब से सुबह रिक्वैस्ट की थी कि सभी सदस्यों को बांट कर टाईम दिया जाए ताकि नये सदस्य भी बोल सकें, तो उन्होंने कहा था कि प्रैफरैन्स के हिसाब से नाम लिखकर भेजिये तो उनको प्रैफरैंस के हिसाब से समय दिया जायेगा। हमने प्रैफरैन्स के हिसाब से नाम लिखकर भेजे हैं लेकिन अभी तक हमारे किसी भी मैम्बर को बोलने का समय नहीं दिया गया जबकि

दूसरी तरफ से इधर उधर से कई सदस्य बोल चुके हैं। हमारे सदस्यों को भी बोलने का समय दीजिए ताकि वे भी अपने हल्के की बात कह सकें। (विघ्न)

श्री सभापतिः आपने जो रिक्वैस्ट की थी उसी के मुताबिक स्पीकर साहब ने प्रैफरेन्स के हिसाब से लिस्ट बना दी है और मैं उसी लिस्ट के इन एकोरडैन्स ही काम चला रहा हूं। (विघ्न)

चौधरी ओम प्रका ा बेरीः सभापति महोदय, मैं राज्यपाल के अभिभाशण पर बोलने के लिये खडा हुआ हूं।

श्री अमर सिंहः सभापति महोदय, मेरा प्वायंट आफ आर्डर है। डा0 ओम प्रका ा भार्मा जी कल तो इधर बैठे हुए थे और आज वे उधर जाकर बैठ गए हैं, क्या उनकी सीट वहां अलाट हो गई है।

श्री सभापतिः अमर सिंह जी, वे अपनी अलाटिड सीट के अलावा दूसरी सीट पर भी बैठ सकते हैं। परन्तु उन्हें कुछ बोलना है तो उन्हें अपनी अलाटिड सीट से ही बोलना पडेगा।

प्रो0 सम्पत सिंहः चेयरमैन जी, क्या डा0 भार्मा जी कांग्रेस में आ गए हैं ?

श्री सभापतिः जी हां। (ाोर एवं व्यवधान)

चौधरी ओम प्रका ा बेरी: चेयरमैन साहब, मैं राज्यपाल महोदय के अभिभाशण पर धन्यवाद प्रस्ताव का समर्थन करने के लिए खडा हुआ हूं। सुरक्षा बलों का व लोगों हौंसला बढाने के लिये सेकेण्ड लैफटीनैट राके ा सिंह को मरणों उपरान्त अ ाोक चक्र दिया गया हैं यह अत्यन्त सराहनीकय कदम है।

इसी प्रकार बिजली के बारे में उत्पादन बढाने के लिये राज्यपाल के अभिभाशण में चर्चा की गई है कि सरकार आने वाले वर्शों में बिजली उत्पादन बढाने की नीति लागू करने जा रही है। यह अच्छी बात है। राज्यपाल महोदय ने इस सदन में 10 तारीख को जो अपना अभिभाशण दिया, उसके लिये हम उनके बहुत ही आभारी हैं। उन्होंने सरकार की नीति, सरकार की पोलिसी और प्रोग्राम के बारे में सारे सदन को जो अवगत करवाया है, उसके लिये हम किन लफ्जों से उनका धन्यवाद करें ऐसे भाब्द तो ढूंढने से भी नहीं मिलते। लेकिन एक बात अव य ही कहनी पडती है कि अपोजी ान के इन भाइयों ने जिनको इस सदन में सबसे बडी पार्टी कहते हैं और है भी, राज्यपाल महोदय के अभिभाशण पर जिस प्रकार का प्रद र्ान किया वह बडी ही खेदजनक बात है। अध्यक्ष महोदय, राज्यपाल महोदय साल में एक बार ही इस सदन में आते हैं और फिर ये लोग उनका आदर व सम्मान न करें तो कोई अच्छी बात नहीं है। प्रदे ा की जनता, दे ा की जनता, हमारी इन सारी बातों की तरफ देखती हैं स्पीकर साहब, अपोजी ान का भी कोई रोल होता है। उस रोल के तहत वह

अपना कोई प्वायंट उठाए तो समझ में आ सकता है, सरकार का क्रिटिसिज्म करें समझ में आ सकता है। अध्यक्ष महोदय, राज्यपाल महोदय एक बहुत नेक आदमी हैं वे गांधी वादी हैं और लोहिया के वे चेले और भगत हैं। ये इन्हीं के नेता यानी चौधरी देवी लाल के लगाए हुए हैं और यही लोग उनके खिलाफ प्रद र्शन करें तो बात जमती नहीं। इसीलिए हमें इस बात का दुख है।

अध्यक्ष महोदय, हमारे आदरणीय मुख्य मंत्री जी ने यह कहा था कि कर्मचारियों की सब बातें सुन करके फैसला किया जाए। इसलिए हमने हरियाणा के कर्मचारियों की तमाम यूनियनों के लोगों को बुला करके उनके साथ बात की। ऐसी कोई भी यूनियन नहीं है जिसके वर्कर के साथ हमारी बात न हुई हो। सभी के साथ बात करके यह फैसला लिया गया था।

स्पीकर साहब, अपोजी ान लीडर श्री सूरज भान जी ने हरिजनों के बारे में कुछ बातें कहीं हैं। मैं उनको बडे अदब के साथ अर्ज करना चाहूंगा कि इस मौजूदा सरकार ने हरिजनों के साथ न कभी पहले कोई भेदभाव किया है और न ही आगे कोई भेदभाव करने का इरादा रखती है। हरिजनों के बारे में सरकार पर जो आरोप लगाए गए हैं वे निराधार और बेबुनियाद हैं।

स्पीकर साहब, मैं एक बात बडे अदब के साथ और अर्ज करना चाहूंगा कि ओला वृश्टि के कारण हुए फसलों के नुकसान का मुआवजा देना हमने भाुरू किया था। जिस समय यह योजना

लागू की गई उस समय यह बात सामने आई थी कि हरिजनों का लामणी में जो पांच परसैंट मिलता है वहीं पांच परसैंट इस तरह के प्राकृतिक प्रकोप से हुए नुकसान के मुआवजे में से भी दिया जाए। वह पांच परसैंट पैसा उनको भी मिलता है। इसके अलावा चौधरी देवी लाल जी ने हरिजनों को दो बच्चों तक बच्चा और जच्चा के लिए इमदाद देने की बात कही थी वह इमदाद भी उनको दी जा रही है। हिन्दुस्तान के किसी भी दूसरे सूबे में हरिजनों को ऐसी सहूलियतें नहीं दी जा रही हैं। इसके अलावा कई माननीय सदस्यौं ने एक परिवार एक रोजगार के बारे में बहुत कुछ कहा। स्पीकर साहब, मेरी समझ में यह बिल्कुल नहीं आता कि रोजगार मिलने से इनको क्या परे ाानी है ? (विघ्न) मोहतरिम स्पीकर साहब, अगर सरकार कोई अच्छी बात करने जा रही हो तो उससे इनको परे ाानी नहीं होनी चाहिए। (विघ्न) आप मुझे बोलने का मौका दें। मैं सारी स्थिति स्पश्ट कर दूंगा। जैसे हमारे माननीय सदस्य ने बताया, उसी तरह से हमारे जिले में भी बगैर पानी की भूमि में चने की फसल बाई जाती है। स्पीकर साहब, मैं आपके माध्यम से मुख्य मंत्री जी का ध्यान दिलाना चाहता हूं कि आपके पास खराबे की रिपोर्ट तो आ गई, लेकिन उस खराबे का कोई कम्पैन्से ान देने का प्रावधान नहीं है। स्पीकर साहब, मैं आपके माध्यम से कृशि मंत्री सरदार हरपाल सिंह जी का वि ोश रूप से ध्यान दिलाना चाहता हूं क्योंकि सरदार हरपाल सिंह का कृशक परिवार से संबंध है और उनको कृशि का बहुत तजुरबा है। चौधरी भजन लाल जी को तो किसान का इतना तजुरबा नहीं है।

मैं कृशि मंत्री जी के ध्यान में यह बात लाना चाहूंगा कि हमारे भिवानी जिले में दादरी तहसील, लोहारू तहसील यानी जितनी भी तहसीलें हैं, उनमें फसलों के अंदर खराबा है। जो खराबे की रिपोर्ट आयी है, वह तथ्यों से परे है। वहां पर चने की फसल अभी खडी है, मैं चाहता हूं कि उसका दुबारा से वि ोश निरीक्षण करवा लिया जाए ताकि पता चल सके कि आया वाकई कितने परसैंट खराब है। दूसरे मैं कहना चाहता हूं कि जो 400, 500, 600 और 300 रूपये मुआवजे का दिया जाता है, यह बहुत कम है क्योंकि पहले एक खाद का कटटा 100 रूपये में आता था, वह अब 405 रूपये का हो गया है। इसके अलावा किसान की बिजाई, बाही और बीज आदि पर खर्चा होता है। इसलिए मैं चाहता हूं कि मुआवजे की रा ि ा बढा कर कम से कम 2000 रूपये की जाये ताकि किसानों को राहत मिल सके क्योंकि ये किसान हितैशी बनते हैं। इसके अलावा, मैं आपके माध्यम से मुख्य मंत्री महोदय को यह भी सुझाव देता हूं कि वे इस विशय पर आज ही अपनी कैबिनेट की मीटिंग बुला कर इस मुआवजे की रा ि ा को बढा दें।

स्पीकर साहब, यह ठीक है कि जो पैसे मुआवजे के देने फिक्स किए हुए हैं, ये पहले के हैं, अब खर्चा भी काफी बढ गया है। हम भी मानते हैं कि इसको बढाना पडेगा। हम इस मुआवजे की रा ि ा को बढाने के बारे में विचार करेंगे। एक बात इन्होंने यह कही कि भजन लाल किसान नहीं है। मैं चौहान साहब से पूछना चाहता हूं कि या तो ये बता दें कि चने, गेहूं और जीरी में

कितने ओडे निकलते हैं, या आप मुझसे पूछ कर देखो, मैं बता देता हूं और बे ाक खेत में जाकर गिन लेना कि मेरी बात सही है या नहीं। अध्यक्ष महोदय, आप भी किसान हैं, इसलिए आप जानते हैं और चौधरी अमर सिंह भी जानते हैं कि जब भी फसलों की गिरदावरी होती है तो उसकी इंस्पैक ान नायब तहसीलदार, तहसीलदार और एस0डी0एम0 करते हैं और डी0सी0 भी 10 या 15 परसैंट तक चैक करता है कि आया गिरदावरी ठीक हुई है या नहीं। जहां तक फसल के खराबे की बात है, खराबा अलग चीज है और मुआवजा देना अलग चीज है। खराबा क्या होता है ? खराबा वह होता है कि अगर फसल खराब हो गई और उसका आबियाना माफ करना है तो वह स्पै ाल गिरदावरी के तौर पर माफ किया जाता है।

स्पीकर साहब, मैं अपनी बात पर ही आ रहा हूं। मैं यह कहता हूं कि मेरे बारे में जो कुछ इन्होंने कहा है, यह बिल्कुल निराधार है, गलत है, और बेबुनियाद है कि किसी व्यक्ति से पैसे लेकर मैंने लाईसैंस दिया ही। दूसरी बात मैं एक और कहना चाहता हूं। मैं इस बारे में मुख्य मंत्री महोदय से प्रार्थना करता हूं कि वे एक इंक्वायरी कमी ान बिठा दें। जब से यह सरकार बनी है तब से लेकर आज तक के सारे कालोनाईजे ान के और सारे हुडडा के मामले की वह थोरो इंक्वायरी करे। उसमें जो जो भी दोशी पाया जाये, उसके खिलाफ आप कार्यवाही करें। मैं इस बात का चैलेंज स्वीकार करता हूं। दूसरी बात मैं एक और कहता हूं।

मुख्य मंत्री जी यहां पर बैठे हुए हैं इनका चुनाव घोशणा पत्र जो है, उसके अनुसार ये लोकायुक्त द्वारा जांच की घोशणा कर दें। मेरे मामले भी और दूसरे सारे मामले भी सारे इसके सुपुर्द कर दें और यह देखें कि इस हमाम में कौन कौन नंगे हैं। इस किस्म के झूठे और निराधार आरोप लगा कर यह हमारी जुबान को बन्द करना चाहते हैं। यह जांच की घोशणा कर दें। लोकायुक्त नियुक्त कर दें। इसके अन्दर सारे मामले वीरेन्द्र सिंह जी का मामला सूरजभान जी का मामला भी और सारे मामले लोकायुक्त को सुपुर्द करें और देखें कि कौन कितने पानी में है। यह सारा पता लग जायेगा। अध्यक्ष महोदय, सबसे पहले तो मैं राज्यपाल महोदय का इस बात के लिए धन्यवाद करना चाहूंगा कि उन्होंने सारे प्रदे ा में बहुत ही निश्पक्ष चुनाव करवाए, किसी जगह भी गुंडा गर्दी बूथ कैपचरिंग नहीं होने दी। मैं सारे प्र ाासन को भी बधाई देना चाहता हूं। जो इलैक ान से जुडे हुए लोग थे उन सभी अधिकारियों ने बहुत ही निश्ठा, ईमानदारी और लगन के साथ काम करके जो प्रदे ा पर बहुत बडा कलंक लग गया था उस कलंक को धोने की कोि ा ा की है। उसके लिए मैं उनको बधाई देना चाहता हूं। अध्यक्ष महोदय, आप जानते हैं कि प्रजातन्त्र में अगर हम प्रजा को वोट न डालने दें तो प्रजातन्त्र का कोई अर्थ नहीं रहता, क्योंकि इसी वोट के लिए कितनी ही माताओं के सपूतों ने और बहिनों के भाइयों ने फांसी के फंदे को चूमा। प्रदे ा में पिछले चार सालों में किस तरह से प्रजातन्त्र की हत्या की गई थी, इसकी मिसाल इतिहास में आपको कहीं भी देखने को

नहीं मिलेगी। जैसे कि अभी हमारे माननीय साथी आनन्द सिंह डांगी ने मेहम की बहुत विस्तार से चर्चा की, मैं उतने विस्तार में नहीं जाऊंगा क्योंकि जो बातें कही गई हैं उनको दोहराने का फायदा नहीं है। लेकिन जिस तरह की हालत जिस तरह का माहौल इन्होंने बनाया वह बडा भारी दुखदाई है। चौधरी देवी लाल जी प्रजातन्त्र की बडी दुहाई दिया करते थे। किस तरह से प्रजातन्त्र की धज्जियां उन्होंने उडाई इसकी मिसाल नहीं मिलती। प्रजातन्त्र ही नहीं उम्मीदवार की हत्या कर दी गई। अमीर सिंह के बारे में बडी भारी चर्चा है, लोगों में बडा भाक और भ्राुबह है कि उनकी हत्या किस तरह से की गई। आज मैं कोई बात कहूं जरा अच्छी नहीं लगेगी, ये भाई कहेंगे कि अभी इन्कवायरी पैंडिंग है और चीफ मिनिस्टर साहब ऐसी बातें कहते हैं। लेकिन रात को 12 बजे पहले साथ साथ खाना खाएं, उसके बाद गैस्ट हाउस से अपनी गाडी में बिठा कर ले जाएं और दो बजे अध्यक्ष महोदय मुंढाल में उसको मार कर डाल दें। क्या और कोई आदमी उसको मार सकता है ? फिर एक ऐसे व्यक्ति के खिलाफ जो चुनाव लड रहा हो यह कह देना कि यह कत्ल इन्होंने किया है यह बात जमती नहीं। आखिर आप जानते हैं कि जो इस संसार में पैदा हुआ है उसने एक दिन मरना भी है लेकिन इन्सान को इन्सानियत से तो नहीं गिरना चाहिए। जो सरकार इन्सानियत से गिर जाती है वह सरकार बहुत लम्बे अरसे तक चल नहीं सकती और न ही इन्सान बहुत ज्यादा अरसे तक जी सकता है उसके लिए भी पाप का घडा बहुत जल्द भर जाता है। सरकार ने एक जगह नहीं

जितने भी पिछले चार साल में चुनाव हुए, चाहे वे मयूनिसिपल कमेटी के थे और चाहे पंचायत के थे गडबड की। आप जानते हैं कि हांसी का कांड किसी से छिपा हुआ नहीं है। किस तरह से कि ान खंडेलवाल की हत्या की गई, किस तरह से दूसरी जगह बूथ कैप्चर किए गए और किस तरह से भिवानी के इलैक ान में हुआ। अध्यक्ष महोदय, मेरे सामने जो लोग बैठे हैं इन्होंने दे ा में और प्रदे ा में ऐसा माहौल पेदा किया कि लोगों को वोट तक नहीं डालने दिया। लेकिन इस दे ा के और प्रदे ा के लोग बडे समझदार हैं जनता ने इनको सबक सिखा ही दिया। इन्साफ में देरी तो हो सकती है, समय तो लगता है, परमात्मा के घर में देर तो हो सकती है, अंधेर नहीं हो सकती, न्याय जरूर मिलता है। जनता ने इन लोगों को सबक तो सिखा ही दिया। मैं हरियाणा प्रदे ा की जनता का आभार प्रकट करता हूं कि प्रदे ा की जनता ने बहुत भाानदार निर्णय किया है। अध्यक्ष महोदय, चौधरी देवी लाल जो समुद्र की तीन चुल्लु करते थे, जिसको ये मेरे सामने बैठे भाई अपना लीडर मानते हैं उस चौधरी देवी लाल को हरियाणा प्रदे ा की जनता ने असैम्बली का मुंह नहीं देखने दिया। अध्यक्ष महोदय, मैं यह बात भी दावे के साथ कह सकता हूं कि अगर चौधरी देवी लाल गांव में सरपंच का चुनाव लडें तो वह सरपंच का चुनाव भी नहीं जीत सकते।

अध्यक्ष महोदय, यह सब कुछ हाउस के रिकार्ड पर है। मेरे पास कापी है उसकी। कोई कच्ची बात नहीं है। यह सदन है।

सदन में जो कहूंगा बिल्क ुल ईमानदारी से और सच्चाई से कहूंगा। नहीं तो मेरे खिलाफ प्रिविलिज मो ान ला सकते हैं कोई दिक्कत नहीं है। स्पीकर साहब, मैं तो रिकार्ड की बात कह रहा हूं। दे ा और प्रदे ा की जनता को पता है। मेरे पास कापी हैं मैं उसको लाकर दिखा दूंगा। वह रिकार्ड में है। स्पीकर साहब, उस रिकार्ड को निकलवाकर देख लेंगे। यह आप लोगों की स्पीच है। स्पीकर साहब, इस तरह का वातावरण बनाने की कोि ा ा की कि कानून नाम की चीज इस प्रदे ा में कोई नहीं रही। रात को किसी की बहू, बहन और बेटी निकल नहीं सकती थी। फिर मण्डल कमी ान पर किस तरह का वातावरण सरकार ने बनाने की कोि ाश की और बसें जलाई गईं। राम बिलास भार्मा ने कल बिल्कुल ठीक कहा। कई इल्जाम उन्होंने सही लगाए। उन्होंने जो कुछ कहा वह ठीक कहा, कोई गलत नहीं कहा।

अध्यक्ष महोदय, इसके बारे में देखना पडेगा। इसमें बहुत कानूनी पहलू हैं। मु तरका मालिकान की जमीन पंचायत के नाम से ट्रांसफर करवा दी और वह जमीन पंचायत से आगे बिक गई। क्या हुआ क्या नहीं हुआ इस बात की तह में जाएंगे।

स्पीकर साहब, सदन में इस बात का भी जिक्र आया कि स्कूलों में अध्यापक नहीं हैं। अध्यापकों के पांच हजार पद खाली पडे हैं। मैं हाउस को वि वास दिलाता हूं कि हम अध्यापकों के खाली पडे पदों को बहुत जल्दी भरेंगे। जिस स्कूल में भी टीचर्ज की कमी है उस कमी को पूरा कर देंगे। एक बात स्कूलों को

अपग्रेड करने के बारे में कही गई। अध्यक्ष महोदय, पिछली सरकार जाते जाते एक बडी भारी गलत बात कर गई। बजट में पैसा नहीं है। बहुत मामूली पैसा है। उस सरकार ने वोट लेने के लिए स्कूल अपग्रेड कर दिए। पिछली सरकार ने जाते जाते 350 स्कूल अपग्रेड करने के आर्डर कर दिए। वह आर्डर हमें आकर रदद करने पडे। उस सरकार ने यह नहीं देखा कि बिल्डिंग है या नहीं है। जब कोई स्कूल अपग्रेड किया जाता है तो वह नौर्म्ज के मुताबिक अपग्रेड किया जाता है।

अध्यक्ष महोदय, जो कायदे कानून बने हुए हैं उनमें बहुत दिक्कत है। बैकवर्ड एरिया को थोडी बहुत रिजर्वे ान दी जा सकती है। अब देखना यह है कि किस तरह से हम उस इलाके के लोगों को फायदा पहुंचाने की बात कर सकते हैं ताकि उस इलाके के लोगों को उसका फायदा पहुंच सके। मेवात के इलाके में बहुत बेरोजगारी है, बहुत गुरबत है। उन लोगों की हालत सुधारने के लिए ऐसा कोई रास्ता निकाला जाए कि 50 परसैंट सीटें जरूर मेवात के इलाके के लोगों को मिल जाएं और बाकी 50 परसैंट सीटें दूसरे लोगों को मिल जाएं। यदि इसका कोई रास्ता निकल सका तो हम जरूर निकाल देंगे ताकि मेवात के इलाके के लोगों को उसका फायदा मिल सके। मैं आ ाा करूंगा कि जहां इस अभिभाशण में नये कम्युनिटी हैल्थ सैन्टर खोलने की बात कही गयी है, वहां पर ही मेरे यहां पर खोलने की बात जोड दी जायेगी।

इसके साथ ही अब मैं इरीगे ान मिनिस्टर साहब को एक सुझाव देना चाहता हूं। जिस तरह से उन्होंने इरीगे ान के लिये प्रदे ा में चार ग्रुप्स बनाये हुए हैं। एक सुन्दर, एक अन्टा, सक और एक बुटाना ग्रुप। इनमें से रिवाडी को भी किसी ने किसी ग्रुप के साथ जोड दिया जाये ताकि इन्हें भी महीने में कम सै 7–8 दिन तक पानी तो मिल सके। इस इलाके को इरीगे ान फैसिलिटी देने के लिये किसी न किसी ग्रुप में भाामिल किया जाना चाहिये। ताकि वहां के लोगों को भी सिंचाई के लिये पानी मिल सके। वहां पर पानी की बहुत ही किल्लत है। इरीगे ान के मामले में लोगों की भावनाएं बहुत भाार्प हैं।

13.00 बजे।

पानी के बारे में वहां के लोगों को इन्साफ दिया जाना चाहिये। पन्द्रह साल से वहां के लोगों के साथ गैर इन्साफी की जा रही है। दक्षिणी हरियाणा के साथ अब इन्साफ किया जाना चाहिए। हमको एक माह में दो हफ्ता नहरी पानी मिलना चाहिये। अब ज्यादा दिन गैर इन्साफी चलने वाली नहीं है। सरकार इस बारे में ज्यादा से ज्यादा ध्यान दें और कैनाल वाटर का ईक्वल डिस्ट्रीब्यू ान होना चाहिये। इन भाब्दों के साथ में मैं राज्यपाल महोदय के अभिभाशण का अनुमोदन करता हूं।

सरदार जसविन्द्र सिंह (पेहवा): डिप्टी स्पीकर साहब, आपने मुझे बोलने का समय दिया, इसके लिए मैं आपका धन्यवाद

करता हूं। डिप्टी स्पीकर साहब, इस अभिभाशण के भाुरू में ही गवर्नर साहब ने कानून और व्यवस्था की बात कही है। उन्होंने कहा है कि कुल मिलाकर कानून और व्यवस्था की स्थिति नियन्त्रण की बात कही है। यह बात बिल्कुल ठीक नहीं है। हालत यह है कि आज हमारे विधान सभा के एक सदस्य श्री राम बिलास भार्मा का कुछ पता नहीं है कि उनके साथ क्या गुजर रही है। दूसरी ओर रूलिंग पार्टी के सदस्य श्री अजमत खां ने बताया कि मैं थाने में रिपोर्ट लिखाने गया लेकिन मेरी रिपोर्ट नहीं लिखी गई। फिर यह सरकार कैसे कहती है कि ला एण्ड आर्डर की स्थिति ठीक है। डिप्टी स्पीकर साहब, पिछले दिनों पंजाब के टैरेरिस्टस पर जब पुलिस का जोर पडा तो वे वहां से भाग ककर हरियाणा, राजस्थान और यू0पी0 में चले गए। कुछ टैरेरिस्ट हिमाचल में भी चले गए। आज सदन में जो एप्रोप्रिये ान बिल पे ा किया गया, उस पर माननीय सदस्यों ने विस्तार से चर्चा की है। अध्यक्ष महोदय, मैं समझता हूं कि जितना समय इस सैं ान में बजट पर चर्चा करने का माननीय सदस्यों को दिया है और भाायद ही कोई माननीय सदस्य इस हाउस का बाकी रहा होगा जिसने अपने हल्के के बारे में स्टेट के बारे में चर्चा न की हो। पूरा समय आपने दिया और अध्यक्ष महोदय, लगातार तीन दिन से माननीय सदस्यों की बातें हाउस में चर्चा के रूप में आई, चाहे वह हल्के की मांग थी। चाहे सरकार पर नुक्ताचीनी थी, नोट कर रहे हैं। मुख्य मंत्री जी द्वारा दूसरे मंत्रियों एवं मेरे द्वारा उस पर पूरे स्पश्टीकरण दिए गए। मांगों के बारे में भी पूरा वि वास दिलाया गया है। सरकार पूरी

सहानुभूति से इस पर गौर करेगी और किसी से भेदभाव नहीं करेगी, क्योंकि इसमें विधायक का सवाल नहीं है। हरियाणा की जनता ने अपना नुमाइंदा चुनकर विधान सभा मे ंभेजा है। वह हरियाणा की एक करोड 65 लाख जनता की सरकार है। सरकार विकास के कार्यक्रम में कोई भेदभाव नहीं रखती। अध्यक्ष महोदय, हरियाणा में 7 हजार के करीब गांव हैं और इनके 90 विधायक हैं, हर विधायक के हल्के में किसी में 50, किसी में 60, किसी में 70 गांव हैं। हर विधायक की अलग अलग मांगों को जोडा जाए और इस पर जवाब दिया जाए यह हमारा कर्त्तव्य है। कोई विधायक स्कूलों के अपग्रेड करने के बारे में कहता है कि उसके हल्के का स्कूल मिडल से हाई स्कूल नहीं हुआ। अगर हाई स्कूल हो जाए तो 10 जमा 2 नहीं हुआ, कोई कस्बा है तो उसमें कालेज नहीं खोला गया। गांव में अस्पताल नहीं है, स्कूल में स्टाफ नहीं है। पीने के पानी का इंतजाम सरकार ने किया है, सडकों का जिक्र है। हरियाणा में भाायद ही कोई गांव ऐसा होगा जो एक सडक से न जुडा हो। रामपाल सिंह जी का गांव तो 6 सडकों से जुडा हैं यह विकास की ही बात है। सडके की मुरम्मत की ि ाकायत हो सकती है, जो चीज बनेगी, उसको इस्तेमाल किया जाएगा उस पर ट्रक, ट्रैक्टर और छोटी सवारी भी चलती है। एक खास बीमारी यह कि गांव हो या भाहर हो, घर का पानी टूटी का पानी, नलके का पानी सडक पर जमा हो जाता है। उस सडक का ध्यान उस वक्त कोई भी व्यक्ति नहीं करता लेकिन सडक पर जो पानी जमा हो जाता है, यह सडक को बरबाद करता है। तारकोल और पानी का

बैर ऐसा है जैसे सांप और न्योले का हैं समय समय पर मुरम्मत करायेंगे। अध्यक्ष महोदय, माननीय सदस्यों से मैं यही निवेदन करना ाहता हूं कि आपकी जो मांगें हैं चाहे सडक की मुरम्मत की है और चाहे सडक बनाने की है, उसको पूरा करने की कोि ा ा की जाएगी। कुछ माननीय सदस्यों ने एतराज किया कि कुछ सडकें अधूरी रह गई हैं। अध्यक्ष महोदय, मैं यह कह सकता हूं कि सरकार का पूरा प्रयास होगा कि हरियाणा की कोई सडक बिना मुरम्मत न रहें। आज चारों तरफ सडकों पर काम होता दिखाई देता है। चाहे जी0टी0 रोड की बात है और फोर लेनिंग की बात है और चाहे पुल बनाने की बात है। स्पीकर साहब, हरियाणा में इस बात की मिसाल नहीं मिलेगी कि पानीपत के अन्दर दो पुल यानि दो ओवर ब्रिज एक ही समय में बनाए गए हैं। ऐसी मिसाल अभी तक नहीं है। यह पानीपत के लोगों की मांग थी और इसको हमारी सरकार ने पूरा किया है। सतबीर सिंह कादियान पानीपत के बारे में बहुत बात करते हैं यदि मैं विशय से हट कर बोलता तो मैं यह कहता कि इनके राज में अराजकता थी और बहू बेटियों की इज्जत महफूज नहीं थी। स्पीकर साहब, जहां तक साधन जुटाने की बात है, मैं कहता हूं कि मार्किटिंग बोर्ड के पास जो 100 करोड रूपए हैं, वे किसानों की भलाई के लिए लोगों की भलाई के लिये खर्च नहीं कर सकता। मार्किटिंग बोर्ड उस पैसे को वैसे ही अपने काबू में रखे हुए है। मैं कहता हूं कि ऐक्ट में तरमीम की जाए और 100 करोड रूपया स्टेट ट्रेजरी में जमा होना चाहिए। उस समय सुप्रीम कोर्ट ने एक फैसला दिया था उस समय मैं

एस्टिमेटस कमेटी का चेयरमैन था, मैंने अधिकारियों से यह कहा था कि यह जो सुप्रीम कोर्ट का फैसला है जब तक सरकार के पास साधन नहीं होंगे, तब तक बिजली बोर्ड सरकार का पीछा नहीं छोडेंगे। मैं साधन जुटाने की बात करता हूं हमारे पास जो साधन हैं, उनमें यह देखने वाली बात है कि आया वे ठीक खर्च होते हैं या नहीं। सुप्रीम कोर्ट ने सिर्फ एक रूलिंग दी जिसकी बिना पर मार्किटिंग बोर्ड उस पैसे को उन विशयों पर खर्चना चाहता है, जिनकी आज जरूरत नहीं है, इससे हमें नुकसान होता है। मेरा कहना है कि इस एक्ट के अंदर यह अमैंडमैंट कराई जाए ताकि this money can be a part of Budget and a part of the State Exchequer. It should be part of the State Exchequer. इस पर विचार किया जाए कि किस तरह से उस पैसे को सरकार लोगों की भलाई के लिये, खास करके किसानों की भलाई के लिए खर्च कर सकती है क्योंकि यह पैसा किसानों से इकटठा होता है। अभी फसल बीमा योजना की एक स्कीम पायलट की जा रही है। और मेरे ख्याल से यह स्कीम फाईनल होने जा रही है। अध्यक्ष महोदय, मुख्य मंत्री जी का यह कहना है कि हरियाणा में आने वाले पांच सालों में बिजली की खपत दुगनी हो जाएगी। मैं मुख्य मंत्री जी से पूछना चाहता हूं कि अगर खपत डबल हो जाएगी तो इसको आप पूरा कैसे करेंगे ? दूसरे, मैं यह कहना चाहता हूं कि हिमाचल प्रदे ा के साथ जो हाइडल पावर पार्वती प्रोजैक्ट का एग्रीमैंट किया गया है, वह भी 10 साल से पहले पूरा नहीं होगा और न ही उससे पहले बिजली मिल पायेगी। इसी प्रकार यमुना

नगर का जो गैस बेस्ड प्लांट पेपरों पर है, उस पर कोई कार्यवाही नहीं हो रही है। इसके अलावा जो हिसार का थर्मल प्लांट बनना है, वह अभी तक पेपरों पर भी नहीं है। इसी प्रकार से नाथपा झाकडी प्रोजैक्ट का भी कुछ पता नहीं कि उससे कब बिजली मिलेगी। इसलिये इन सारी चीजों को देखते हुए कडे कदम उठाने पडेंगे ताकि बिजली को अधिक से अधिक पैदावार हो सके। इसके अलावा मैं कहना चाहता हूं कि जब हमारे यहां बिजली उत्पादन के साधन इतने नहीं है जिनसे हम अपनी आव यकता को पूरी कर सकें तो फिर ये ने ानल ग्रिडस में से कितनी बिजली प्राप्त कर सकेंगे ? इसलिये सरकार को इन सारी बातों को ध्यान में रखते हुए यह सोचना चाहिये कि हम बिजली की जनरे ान कैसे बढा सकते हैं ? बिजली बोर्ड 1000 करोड रूपये की गारन्टी देने से पहले सरकार को यह सोचना चाहिये कि बे ाक बिजली बोर्ड एक अलग से औटोनोमस बाडी है, लेकिन सरकार अपनी जिम्मेवारी से बच नहीं सकती क्यौंकि सरकार का काम बिजली बोर्ड को गाइड करने का भी है, इसलिये सरकार को किसी प्रकार की कोताही नहीं करनी चाहिये। हम एक एक गांव में जगह जगह पर गए। लोगों को इकटठा करके सदभावना का माहौल बनाने की कोि ा ा की और हमारी यह कोि ा ा कामयाब रही और हमारी कोि ा ा आज भी है। स्पीकर सर, हमने यह तय कर लिया है कि अमन रखें। मार्किटिंग बोर्ड को पैसा किसानों से आता है। मैं इस बारे में कहना चाहता हूं कि किसानों से ही पैसा नहीं आता जबकि किसान मैं भी हूं। मैं यह बताना चाहता हूं कि पैसा

व्यापारियों से भी आता है, और कन्ज्यूमर्ज से भी आता है। (ाोर) किसान भाहरों में भी रहते हैं। मैं फिर कहना चाहता हूं अध्यक्ष महोदय, अभी बत्रा जी ने कहा कि पैसा व्यापारियों से भी आता है। मैं इनको बताना चाहता हूं कि मार्किटिंग बोर्ड को जो फीस मिलती है वह किसानों की जिन्स से मिलती है, इस बात को ये ध्यान में रखें। (ाोर एवं विघ्न)कि पैसा व्यापारियेां से भी आता है और कन्ज्यूमर्ज से भी आता है। (ाोर एवं विघ्न) स्पीकर साहब, डा0 साहब बहुत पढे लिखे आदमी हैं और इन्होंने पी0एच0डी0 भी कर रखी है। हम तो साधारण आदमी हैं इसलिए ये खुद ही समझ लें कि क्या लिखा है। महेन्द्र प्रताप सिंह जी ने कहा कि इसमें दो सौ करोड रूपए तो सैंटर का है। उन्होंन स्पीच अच्छी तरह से नहीं पढी। इसमें लिखा है कि 123 करोड रूपया सैंटर से आया है बाकी सारा अपना है। उन्होंने अच्छी बातों को जैसे कर्जा माफी है और पैन ान की बात है उसकी भी बैसाखी बनाने की कोि ा ा की। यह गलत बात है इनको अच्छी बात को तो अच्छा कहना चाहिए था।

वे झुग्गी झोंपडियों का भी जिक्र कर रहे थे। उसके लिए हमने एक योजना बनाई है। हमने फरीदाबाद में फेज वन में 90 एकड जमीन इस काम के लिए रखी है। हम झुग्गी झोंपडियों वालों को 150 रूपये गज के हिसाब से 35–35 गज जमीन देंगे ताकि उनका आउटरनेटिव इन्तजाम हो सके। तो स्पीकर साहब, ये सब चीजें हैं जो हमने की हैं, किसी तरह का कोई फर्क नहीं है।

एक बात यहां कही गई कि किसानों को कोई बैनिफिट नहीं दिया गया। हमने इसी साल पैस्टीसाइडज और सीडज पर सेल्ज टैक्स माफ किया है। श्री अनिल विज जी कह रहे थे कि व्यवस्था में परिवर्तन की कोई बात नहीं हुई है। स्पीकर साहब, यह सब को पता है कि चौधरी देवी लाल जी ही व्यवस्था में परिवर्तन लाए हैं। (विघ्न) कर्मचारियों के बारे में हमारे साथी अनिल विज जी बोल रहे थे, वे भाायद यह नहीं समझ पाए कि कर्मचारियों की मांगें क्या हैं और क्या नहीं हैं ? मुख्य मंत्री जी ने इस मसले को तय करवाया वरना यह इतनी जल्दी तय होने वाला नहीं था। विज साहब ने कहा कि 1.1.86 को यह हो गया और 1.1.91 को वह हो गया। मैं इन दोनों डेटस के बारे में इनको बता देता हूं। स्पीकर साहब 1.1.86 से चौथे पे कमी ान की रिकमैंडे ांज लागू हुई। जो पुरानी तनख्वाह थी वह बढ कर मिलने लग गई। 1.1.91 से हमने ऐडवांसमैंट स्कीम को लागू किया है। पिछली बजट स्पीच में यह कहा गया था कि दो ऐडवांसमैंटस का पूरे साल का खर्चा 4–5 करोड रूपए पडेगा। हमने बढा कर वह खर्चा साढे आठ करोड रूपए कर दिया है। जहां तक मुलाजिमों की बात है, मुझे इनकी सारी यूनियनों से बात करने का मौका मिला था। मेरे साथ चीफ सैक्रेटरी भी थे और फाइनैंस सैक्रेटरी भी थे। सर्व कर्मचारी संघ के लोग सात तारीख को जब आए तो इतने उत्सुक थे और चाहते थे कि आठ तारीख को ही इन बातों का जब आए तो इतने उत्सुक थे और चाहते थे कि आठ तारीख को ही इन बातों का ऐलान कर दिया जाए। मेरे अपने दफतर के कमरे में उनके साथ

बातचीत हुई थी। हमने कहा जितनी भी हरियाणा में यूनियन्ज हैं चाहे वह हरियाणा सबोर्डीनेट सर्विस फैडरे ान है, चाहे वह कर्मचारियों को कोई यूनियन है और चाहे सैक्रेटेरियट के कर्मचारियेां की ऐसोसिए ान है उन सभी से बात होगी। लगातार 15–16 दिन तक बात करके उनकी मांगों के बारे में सरकार ने फैसला किया है। कुछ माननीय सदस्यों ने कहा कि किसी भी यूयिन ने सरकार का लिखित रूप में धन्यवाद नहीं किया। मैं कहता हूं कि कुछ यूनियनों ने बाकायदा लिखित रूप में सरकार का धन्यवाद किया है। आप अगर किसी पोलिटीकल मकसद को पूरा करने के लिए यह बात कहते हैं तो वह अलग बात है लेकिन उससे आपको कुछ हासिल होने वाला नहीं है। हरियाणा के कर्मचारियों को जितनी भी यूनियन्ज हैं उन सभी से बाकायदा मेरी बात हुई है। उन सभी से बातचीत करके ही सरकार ने उनकी मांगों को माना है जिसके लिए कुछ यूनियनों ने लिख करके सरकार का धन्यवाद किया है। उनकी जो सही मांगें थीं वें हमने मान ली हैं और वे सारीं बातें आपके सामने अनाउंस भी की हैं। स्पीकर साहब, मैं अपनी बात पर ही आ रहा हूं। मैं यह कहता हूं कि मेरे बारे में जो कुछ इन्होंने कहा है, यह बिल्कुल निराधार है, गलत है, और बेबुनियाद है कि किसी व्यक्ति से पैसे लेकर मैंने लाईसैंस दिया ही। दूसरी बात मैं एक और कहना चाहता हूं। मैं इस बारे में मुख्य मंत्री महोदय से प्रार्थना करता हूं कि वे एक इंक्वायरी कमी ान बिठा दें। जब से यह सरकार बनी है तब से लेकर आज तक के सारे कालोनाईजे ान के और सारे हुडडा के

मामले की वह थोरो इंक्वायरी करे। उसमें जो जो भी दोशी पाया जाये, उसके खिलाफ आप कार्यवाही करें। मैं इस बात का चैलेंज स्वीकार करता हूं। दूसरी बात मैं एक और कहता हूं। मुख्य मंत्री जी यहां पर बैठे हुए हैं इनका चुनाव घोशणा पत्र जो है, उसके अनुसार ये लोकायुक्त द्वारा जांच की घोशणा कर दें। मेरे मामले भी और दूसरे सारे मामले भी सारे इसके सुपुर्द कर दें और यह देखें कि इस हमाम में कौन कौन नंगे हैं। इस किस्म के झूठे और निराधार आरोप लगा कर यह हमारी जुबान को बन्द करना चाहते हैं। यह जांच की घोशणा कर दें। लोकायुक्त नियुक्त कर दें। इसके अन्दर सारे मामले वीरेन्द्र सिंह जी का मामला सूरजभान जी का मामला भी और सारे मामले लोकायुक्त को सुपुर्द करें और देखें कि कौन कितने पानी में है। यह सारा पता लग जायेगा। अजरानां कलां गांव में लडकियों का स्कूल तो बना हुआ है लेकिन इस स्कूल की बिल्डिंग नहीं हैं, लडके और लडकियां इकटठे पढते हैं। इस बारे में लडकियों को बडी परे ाानी है। इसलिए सरकार से मेरी प्रार्थना है कि लडकियों के स्कूल के लिए अलाहिदा बिल्डिग जल्दी से जल्दी बनाई जाए। गांव मेंघा माजरा से जलबेड़ा के लिए एक सडक तो बनी हुई है, लेकिन इस पर एक पुल बना होने की वजह से यह सड़क इस्तेमाल नहीं हो रही है। इस सडक पर बारामासी चलने वाली नहर पडती है जिस पर पुल बनाया जाना है। इसलिए इस पुल को जल्दी से जल्दी बनाया जाए ताकि इस सडक का इस्तेमाल हो सके। स्पीकर साहब, इसी तरह से सुदपुर में एक हाई स्कूल की डिमांड है। यह डिमांड भी जल्दी

ही पूरी होनी चाहिए। झांसा से भोगपुर के बीच भाखडा नहर पर 1982 में सरदार तारा सिंह जी ने जोगना खेडा माईनर का नींव पत्थर रखा था परन्तु आज तक भी वह माइनर चालू नहीं हो सकी है इसलिए उसे भी जल्दी से जल्दी पूरा करवाया जाए। छज्जुपुर गांव से अजराना डेढ किलोमीटर सडक का टुकडा है। हाई स्कूल में बच्चे पढने आते हैं। इसलिए इस सडक को भी जल्दी से जल्दी बनवाया जाए। स्पीकर साहब, इन भाब्दों के साथ मैं आपका बहुत बहुत धन्यवाद करता हूं कि आपने मुझे बोलने का समय दिया। इन भाब्दों के साथ मैं अपनी बात समाप्त करते हुए अपना स्थान ग्रहण करता हूं।

श्री राम भजन अग्रवाल (भिवानी): अध्यक्ष महोदय, माननीय राज्यपाल महोदय ने 23 तारीख को जो अभिभाशण दिया था, मैं उस पर बोलने के लिए खडा हुआ हूं। अध्यक्ष महोदय, मैं इस अभिभाशण का समर्थन करता यदि राज्यपाल महोदय ने अपने अभिभाशण में एस0वाई0एल0 नहर के पानी के बारे में कोई फिक्स डेट बताई होती या कोई कन्क्रीट परपोजल रखी होती कि यह नहर किस तारीख तक पूरी हो जाएगी तो मुझे खु ाी होती। अध्यक्ष महोदय, जहां अभिभाशण के अन्दर एक ओर भविश्य की नीतियों के बारे में बताया गया है वहीं दूसरी ओर राज्यपाल महोदय के अभिभाशण में व्यापारी वर्ग के बारे में किंचित मात्र भी उल्लेख नहीं किया गया है। व्यापारी वर्ग गुप्ता जी के खजाने को भरने के लिए टैक्स देता है। उस खजाने को भरने के लिए जो

कि आजकल सुना है कि खाली हो गया है, उस व्यापारी वर्ग के लिए अभिभाशण में कोई किंचित मात्र भी उल्लेख नहीं किया गया है, इसके लिए मुझे बहुत ही दुख है।

अध्यक्ष महोदय, जहां तक हरियाणा प्रान्त का सवाल है, यहां पर कानून व्यवस्था नाम की कोई चीज नहीं है। यहां पर ला एंड आर्डर की स्थिति बहुत ही खराब है। जैसा कि आप इस हाउस के अन्दर देख ही रहे हैं चाहे जमीनों पर कब्जों की बात हो, चाहे रेप केसिज हों, चाहे पानी का मसला हो, या स्वास्थ्य का मामला हो, चाहे सडकों के निर्माण का मामला हो, हर तरफ असन्तोश ही असन्तोश है। अध्यक्ष महोदय, जमीनों के कब्जों के बारे में हम इस हाउस में और हाउस के बाहर रोज सुनते आ रहे हैं। रेप की घटनाओं के बारे में तो सुनते सुनते थक गए हैं लेकिन आज इस प्रान्त के अन्दर इन घटनाओं के आगे भी घटनाएं हो रही हैं। अध्यक्ष महोदय, आज इस प्रान्त के अन्दर जो घटना हो रही हैं, वे स्कूलों पर कब्जे की हो रही है। मैं आपका ध्यान भिवानी की एक घटना की ओर आकर्शित करना चाहता हूं। वहां एक एस0डी0 हाई स्कूल के नाम से एक स्कूल कार्यरत है जो चिडीमार परिवार ने 1951–52 में चलाया था। 1965 में इसी परिवार ने अपनी जमीन पर 50–60 लाख रूपए की बहुत बडी बिल्डिंग का निर्माण करवाया था। आज भी वह स्कूल चल रहा है। इस स्कूल का संचालन स्वामी गणे ाानन्द जी कर रहे हैं। वे सेठ लोग, जिन्होंने यह स्कूल बनवाया था, किसी कारणव ा कलकत्ता

मैं रहते हैं। स्वामी जी ने कुछ मतभेद होने के कारण, तत्कालीन मंत्री श्री बीर सिंह को उसकी मैनेजिंग कमेटी में ले लिया। उसका नतीजा यह हुआ है कि उसके ऊपर कब्जा कर लिया गया। मुझे बडी भार्म के साथ कहना पडता है कि जहां कोर्ट द्वारा मैनेजिंग कमेटी को मान्यता दे दी थी लेकिन कुछ स्वार्थी लोग उसको छोडना नहीं चाहते हैं और स्कूल को दुकानदारी का धन्धा बना लिया है। अध्यक्ष महोदय, आप तो ि ाक्षा क्षेत्र से भलीभांति परिचित हैं कि स्कूल चलाना कोई आसान काम नहीं है लेकिन जहां नीयत ही खराब हो, वहां वह दुकानदारी बन कर रह जाती है। उन्होंने जो पत्र लिखकर भेजना है, उसमें से मैं दो लाईनें पढ कर सुनाना चाहता हूं कि इन लोगों ने क्या किया है। कोर्ट के फैसले के बावजूद भाहर के सम्मानित नागरिकों ने जो कार्यकारिणी के सदस्य थे, उनको अधिकार न देकर, स्कूल खुद चलाते रहे और इस स्कूल के अन्दर जो बीस तीस साल पुराने अध्यापक थे, उनको निकाल दिया क्योंकि उनकी तनख्वाह दो दो, अढाई अढाई हजार रूपए मासिक थी। उसके बाद सरकार को चिटठी 13—8—90 को लिखी गई कि we request the Govt. to stop all tyeps of aid to this school and the grant be stopped with immediate effect ..... (ाोर एवं व्यवधान) अध्यक्ष महोदय, मैं इसको डिटेल में बता देता हूं। मैं टाईम कम लेना चाहता था परन्तु अब ये विस्तार से सुनें। 1989 के अन्दर भिवानी सै ान कोर्ट ने एक आदे ा दिया और कम्प्रोमाईज से उसकी एक मैनेजिंग कमेटी बना दी जिसमें लाला भागीरथमल जी, जो बी0डी0 गुप्ता जी के पहले

पैटट हैं, उनको उसका उपाध्यक्ष बना दिया। अध्यक्ष महोदय, हमने स्कूल बहुत चलाए हैं। इस स्कूल को चलाने को कोई भाौक नहीं है लेकिन जब स्कूल का मिस यूज होता है तो हमें चिन्ता होती है। 1989 में यह आर्डर हो गया और हम लोग गए, मैं भी उसमें मैम्बर था, हमने पूछा कि क्या गडबडी हो रही है ? कलकत्ता वाले सेट हमारे पास आए और कहने लगे कि हमारा इससे पीछा छुडवाओ ओर आप इसका प्र ाासन संभाल लो। जब लाला भागीरथमल जी और दूसरे आदमी वहां पर गए तो उन्होंने उनसे मिस बिहेव किया। हमारी मीटिंग हुई और हमने निर्णय लिया कि स्कूल चलाना चाहिए, चाहे इसे कोई चलाए। स्कूल ठीक चलना चाहिए। जब 1990–91 में दूसरी घटना हुई और उसे दुकानदारी बना दिया गया तब हम फिर इस हाऊस के दरबार में आए। उन्होंने अब यह सोच लिया है कि यह स्कूल मान्यता प्राप्त है और वे लोग ग्रान्ट लेने की कोि ा ा करेंगे।

बैठक का समय बढाना

श्री अध्यक्षः अगर हाऊस की सहमति हो तो हाऊस का समय आधा घण्टा और बढा दिया जाए।

आवाजें: जी हां।

श्री अध्यक्षः हाऊस का समय आधा घण्टा बढाया जाता है।

राज्यपाल के अभिभाशण पर चर्चा (पुनरारम्भ)

श्री राम भजन अग्रवालः अध्यक्ष महोदय, लोग तो ग्रांट लेने की कोि ा ा करते हैं लेकिन उसके विपरीत इस मैनेजिंग कमेटी के अधिकारियौं ने सरकार से ग्रांट लेना इसलिए बन्द कर दिया क्योंकि उस ग्रांट का आडिट कराना पडेगा अध्यापक पूरे ग्रेड के रखने पडेंगे तथा कायदे कानून से काम करना पडेगा। ग्रांट बन्द करने के बाद जो 20–25 पुराने अध्यापक थे, उनको जवाब दे दिया और अब नये अध्यापक 500 से 800 रूपये देकर रख लिये हैं, जबकि उस स्कूल मैं 1200 से लेकर 1300 के आसपास बच्चे हैं और उनसे 50 रूपये से लेकर 90 रूपये तक फीस भी ली जाती है। इतनी फीस लेकर इतने सस्ते टीचर रख कर वे स्कूल को चला रहे हैं। उन्होंने उसके अन्दर एक दुकान बना ली है और पचास साठ हजार रूपये की बचत कर रहे हैं। अध्यक्ष महोदय, लोग ग्रांट लेना चाहते हैं और स्कूल फिर से ऐप्रूव कराना चाहते हैं। मैनेजिंग बौडी लिखती है कि इसी ग्रांट बन्द कर दी जाए। अध्यख महोदय, हमने इसके बारे में प्रोटेस्ट किया है और भाहर में भी बडी चर्चा है। जब हम यह पता करने के लिए डिस्ट्रिक्ट ऐडमिनिस्ट्रे ान के पास गये तो उनसे जवाब मिला कि भाायद मुख्य मंत्री जी के ऐसे ही आदे ा हैं। अध्यक्ष महोदय, इसके अलावा, एजूके ान बोर्ड के बारे में आपने देख ही लिया है। यहां पर भी बहुत गडबड है। हम यह नहीं चाहते कि स्कूल का दुरूपयोग हो। बच्चौं के जीवन के साथ खिलवाड हो। पुराने 20–25 अध्यापकों को निकाला जाए और नये अध्यापक बगैर कायदे कानून के रखे जाएं। अध्यक्ष महोदय, आखिर सरकार है, कुछ कायदे कानून हैं। कोर्ट की

अवहेलना तथा कानून की अवहेलना ि ाक्षा के क्षेत्र में होना बहुत ही बडा अन्याय होगा। 1200 या 1300 बच्चों के लिए तथा 15–20 अध्यापकों के साथ इतना अन्याय हो रहा है कि इसकी भाहर में बडी चर्चा है। अगर यह अन्याय होता रहा तो कोई भी बडी दुर्घटना हो सकती है और इसके लिए सरकार की उत्तरदायी होगी। यह ि ाक्षा के क्षेत्र में बहुत बडी ज्यादती है, जिसका कोई जवाब नहीं है।

अध्यक्ष महोदय, अब मैं दूसरी बातों पर आता हूं। ि ाक्षा के क्षेत्र में प्रौढ ि ाक्षा का प्रावधान है। प्रौढ ि ाक्षा में दो आदमियों के दस्तख्त से पैसा निकलता है। करोडों रूपये सरकार ने उपलब्ध कराये हैं, यह बहुत अच्छी बात है, लेकिन अगर उस पैसे को निकालने के लिए एक और आदमी सरकार की ओर से रख दिया जाए तो जब पैसे का दुरूपयोग नहीं होगा। एक पुराना अध्यापक रिटायर हो गया और दूसरा जो नान आफि ायल है, पैसा निकाल कर ले गया। इस तरह से पैसे का दुरूपयोग किया जा रहा है। न उसकी कोई चैकिंग है और न ही कोई देखभाल है। इसलिए इसकी चैकिंग की जाए। प्रौढ ि ाक्षा से संबंधित सरकार के पैसे का इस्तेमाल गलत हो रहा है। अध्यक्ष महोदय, मुख्य मंत्री जी जल्दी ही भिवानी मैं व्यापारिक सम्मेलन में आने वाले हैं, हम इनका स्वागत करेंगे। लेकिन साथ ही मैं बताना चाहूंगा कि स्टेट के अन्दर व्यापारियों को बुरा हाल है। खास तौर से भिवानी में तो और भी बुरा हाल है क्येांकि भिवानी के ऊपर तो

इनकी वि ोश कृपा है। अध्यक्ष महोदय, आपने भी अखबारों में पढा होगा कि दस या बारह ऐसी पार्टियां हैं जिन्होंने अपने की दीवालिया घोशित कर दिया है और वे मजदूरों व स्त्रियों का जो उनके पास जमा पैसा था, उसको देने में असमर्थ हैं। मुख्य मंत्री जी का आना कारगर तभी होगा जब वे खाद की सबसिडी की तरह उन दीवालियों के लिए कोई मुआवजा दें ताकि गरीब आदमियों, लेडीज, विधवा स्त्रियों को वह पैसा मिल सके। ये उसकी इंक्वायरी भी करायें और अगर किसी ने यह बदमा ाी की है तो उसको सजा दी जानी चाहिए। दरअसल व्यापार में घाटा जैनुअल है लेकिन उनको आपको कंपनसैट करना चाहिए।

अध्यक्ष महोदय, कुछ बातें व्यापार के बारे में कहना चाहता हूं। हमारे व्यापार मंडल प्रदे ा के प्रधान मुझसे मिले थे। अध्यक्ष महोदय, इस सम्मेलन का भिवानी के अन्दर मातम के गीत गाने वाली बाते है। यहां व्यापारी लोग बहुत दुखी हैं। अगर मुख्यमंत्री जी कुछ रिलीफ दें तो अच्छा होगा। अन्यथा आप यह फंक ान रोहतक या दूसरी जगह कर लें। मेरे को केवल एक ही जवाब मिला कि भाई साहब मुख्य मंत्री जी वि ोश तौर से चाहते हें कि भिवानी में करें। हमें बहुत खु ाी है, भिवानी में करें, लेकिन उसका दृश्टिकोण कुछ और है (विघ्न) उन्होंने कहा आप पता कर लें। मैंने व्यापारी मण्डल की मीटिंग बुलाई। मैं भिवानी जिले का व्यापार मंडल का अध्यक्ष भी हूं। मैंने कहा आप सब आदमियों से सलाह करें। एक मीटिंग बुलानी पडी और एक आदमी

नहीं, 50 आदमियों के बीच में अध्यक्ष ने कहा कि मुख्य मंत्री पर्टिकुलरली भिवानी में चाहते हैं क्योंकि मुख्य मंत्री जी को दूसरी जगह जाने के लिए जगह नजर नहीं आती और भिवानी के नागरिक इतने भाान्तिप्रिय हैं कि वहां पुलिस की जरूरत नहीं पडेगी। हम बडे खु ा होंगे, अगर मुख्य मंत्री जी, जो व्यापारी दुखी हैं, उनके आंसू पोंछने के लिए आएं। हम आपका वहां स्वागत करेंगे। व्यापारी के लिए जहां तक फैसिलिटी का सवाल है, आप इस हाउस के अन्दर दे सकते हैं। हम आपसे आपके आफिस में मिल सकते हैं आप जहां कहीं आ सकते हैं लेकिन व्यापारियों के कंधे पर बन्दूक रखकर सारी स्टेट के व्यापारी बसें भर भर कर इकटठे हो जाएं और मुख्य मंत्री महोदय अपना राजनीतिक फंक ान दिखाएं, यह अच्छी बात नहीं है। मैंने व्यापारियों से कहा कि हमारे मुख्य मंत्री हैं। हम उनसे फैसिलिटी चाहते हैं, मांगते हैं। गुप्ता जी से व ए0सी0 चौधरी जी से मिलते रहते हैं ताकि टैक्स का सरलीकरण किया जाए। हम चाहते हैं कि ज्यादा से ज्यादा टेक्स दें, अगर टैक्स ही नहीं आएगा तो सरकार कैसे चलेगी ? अध्यक्ष महोदय, व्यापार के अंदर जैसे आक्ट्राय का मामला है, हम पहले भी कह चुके कि महसूल या चुंगी वसूल करने में उतना खर्च आताहै, जितनी महसूल या चुंगी आती हे और इससे करप ान बढती है और छोटा व्यक्ति एक या दो किलो घी ले आता है उसका पीछा करते हैं और ट्रक के ट्रक ऐसे ही पास होते हैं। वह पैसा म्युनिसिपल कमेटी को न आकर दूसरी जगह पर जाता है। मेरे भाहर के अन्दर एम0सी0 ने सडकें बांध रखी हैं। रोहतक रोड

इस एम0सी0 की, हांसी रोड इस एम0सी0 की और लाल बत्ती वाली गाडी लेकर सडक पर पहरा देते हैं। जो ट्रक वहां से गुजरते हैं हजार हजार दो दो हजार लूट कर एक एक आदमी एम0सी0 कोई अपने घर लेकर जाता है। आपके पास इसकी सी0आई0डी0 है। आप इसकी तहकीकात करा सकते हैं जो पैसा म्यूनिसिपैलिटी में आना चाहिए उसका दुरूपयोग होकर नगर पार्शदों के पास जाता है। यह रिकार्ड की बात है। हमारे भाहर के अन्दर किसी वजह से प्रधान ने रिजाईन कर दिया और एस0डी0एम0 को एडमिनिस्ट्रेटर अप्वायंट कर दिया। जो चुंगी 5–6 हजार डैली से कभी नहीं बढी थी वही एडमिनिस्ट्रेटर ने एक दिन में 88 हजार के करीब कर दी। आप अंदाजा लगाएं जब एक एडमिनिस्ट्रेटर दो दिन में चुंगी की आमदनी 30 गुणी बढा देता है तो क्या यह चुंगी अभि ाप नहीं है ? इसको आप बन्द करें। चुंगी से जितनी आमदनी होती है, उससे ज्यादा उसकी रिकवरी पर खर्च होता है। हम व्यापारी लोग कंज्यूमर्ज और दूसरी जगह से टैक्स का कुलैक ान कर सरकार को देते हैं अर्थात हम व्यापारी कुलैक्टिंग एजैन्सी है और हम ज्यादा से ज्यादा टैक्स देना चाहते हैं लेकिन इसके लिए हमें कुछ तो राहत चाहिए। अभिभाशण में हरिजनों का जिक्र होता है, फसल का जिक्र होता है लेकिन व्यापारी जो समाज की रीढ की हडडी है, जो व्यापारी सबको चन्दा देता है, सहायता भी देता है, वोट भी देता है, उस वर्ग को बिल्कुल निकाल दिया जाता है। अध्यक्ष महोदय, व्यापारी टैक्स देने जाता है, आप पता कराएं, आप हैरान होंगे, दफतर जाते हैं लेकिन

वहां बैठने की जगह नहीं है। जो व्यापारी एक एक लाख रूपये का ट्रेजरी चालान लेकर जाता है उसको कह दिया जाता है कि इधर जाओ या उधर जाओ। 6–6 तारीखें दे दी जाती हैं। जो पैसा देता है, जो आपके अधिकारियों की तनख्वाह का इंतजाम करतो है उसके साथ ऐसा सलूक किया जाता है। आज स्टेट के पास तनख्वाह देने के लिए प्रौब्लम है। हम आपका टैक्स दुगना कर देंगे मगर व्यापारी के साथ ऐसा बर्ताव किया जाता है कि उनके बैठने के लिए स्टूल भी नहीं है। आपका सेल टैक्स दफतर जहां अधिकारी एयर कंडी ान दफतरों में बैठते हैं वहां एक एक व्यापारी को 6–6 दफा बुलाते हैं। वहां पर व्यापारियों के बैठने के लिये जगह नहीं दी जाती। यह बडे ही भार्म की बात है। अध्यक्ष महोदय, इन्सपैक्टरी राज का बोल बाला है। हम काम पेसे से होता है, चाहे कोई भी काम हो, छोटा हो या बडा हो, अगर पैसा देंगे तो काम होगा वरना बैठने के लिये भी जगह नहीं है। अगर पैसा नहीं देते हो छः छः चक्कर काटते रहो, पानी पी पीकर घूमते रहो। अध्यक्ष महोदय, मुख्य मंत्री महोदय खुद व्यापारी रहे हैं। व्यापारी हैं। इनको व्यापारियों का पता है लेकिन पता होते हुए भी बार बार यह सुनने में आता है कि सरकार यह कहती है कि टैक्सों का सरलीकरण किया जायेगा। हमारे गुप्ता जी ने और श्री ए0सी0 चौधरी साहब ने भी कहा है कि सेल्ज टैक्स का सरलीकरण किया जायेगा। मैं यह कहना चाहता हूं कि इसका सरलीकरण तुरन्त कर दिया जाना चाहिये। अध्यक्ष महोदय बगैर जरूरत के ही सैंकडों फार्म बना रखे हैं जिनको भरना आसान नहीं

हे। कहीं एस0टी0 15 है तो कहीं एस0टी0 18 है तो कहीं कोई और फार्म है। इतने ज्यादा फार्म होने की वजह से व्यापारियों को परे ाानी हो जाती है। यह केवल अधिकारियों की जेबें भरने और उनको एकोमोडेट करने के लिये बनाये हुए हैं। मैं यह नहीं समझता कि इनका सरलीकरण कैसे और कब तक हो पायेगा। मैं एक बात टैक्स की स्लैब के बारे में कहना चाहता हूं। अब तो इन्होंने किसी चीज पर 4, किसी पर 5, किसी पर 9, किसी पर 10, किसी पर 12 परसैन्ट टैक्स रखा हुआ है। मेरा एक सुझाव इस बारे में यह है कि इस टैक्स के तीन टायर बना दिये जायें। दो परसैन्ट चार परसैन्ट ओर 5 परसैन्ट। आपने तो इतने ज्यादा आयर खोल रखे हैं कि इसकी कोई हद ही नहीं है। अधिकारियों को खुद को ही पता नहीं होता कि कितने परसैन्ट टैक्स लगना है दस परसैन्ट लगना है या 12 परसैन्ट लगना है। ऐसा माहौल है। एक ही आईटम ऐसी होती है जिसके बारे में कई बार कन्फयूजन रहता है कि इस पर टैक्स है या नहीं है। इसलिये मेरा कहना यह है कि टैक्स का सरलीकरण किया जाये। टैक्सों को थ्री टायर कर दिया जाना चाहिये। इससे आपकी रिकवरी ज्यादा होगी। एक मेरा सुझाव और है कि जो सेल्ज टैक्स के लाइसैन्स बनाते हो, वह तो व्यापारियों के लिये मजबूरी है। उसके लिये आप रजिस्टर्ड डीलर की गारन्अी लेते हो। अगर आप वाकई टैक्स की रिकवरी करना चाहते हें तो आप इसको समाप्त कर दो वरना अगर व्यापारियों को परे ाान करना ही है तो आपकी मर्जी है। इस तरह से लाखों रूपया आपके अधिकारियों की जेबों में चला जाता है। व्यापारी तो

टैक्स देने के लिये तैयार हैं। आप कोई एडहाक बेसिज पर उनसे टैक्स की रिकवरी का सिस्टम बना लिजिये। जैसे 10 लाख बिक्री वाले व्यापारी पर 10 हजार टैक्स और 5 लाख वाले व्यापारी पर 2 हजार रूपया टैक्स इस तरह से श्री मांगे राम जी के खजाने में पैसा खुद ब खुद जायेगा। इनको किसी को तंग करने की जरूरत नहीं पडेगी। मुख्य मंत्री जी खुद व्यापारी हैं। अगर आप ऐसे चक्करों में डाले रखना चाहते हैं तो दूसरी बात है। व्यापारी को चक्कर कई कई बार काटने पडते हैं तब अधिकारी की तसल्ली कराने के बाद और उसको ले दे कर कहीं उसका पीछा छूंटता है। अगर उसने 10–20 हजार टैक्स देना है तो उसको कम से कम एक दो हजार देना पडता है। आपका इंस्पैक्टरी राज इस किस्म का बना हुआ है कि उसका लिये दिये बिना पीछा छूटता ही नहीं है।

वित्त मंत्री (श्री मांगेराम गुप्ता): आन ए प्वायंट आफ आर्डर, सर। स्पीकर साहब, माननीय सदस्य ने श्री मांगे राम के खजाने की बात की है। मैं इनको यह बताना चाहता हूं कि यह मेरा खजाना नहीं है। यह तो हरियाणा सरकार का खजाना है।

श्री राम भजन अग्रवाल: यह तो इनकी बात ठीक है कि यह तो सरकार का खजाना है हमें तो तब चिन्ता होती है, जब तकलीफ होती है जब हाउस में लोग खडे होकर यह कहते हैं कि श्री मांगे राम जी का खजाना खाली है। वह तो हो सकता है लेकिन श्री मांगे राम का खजाना खाली है। वह तो हो सकता है

लेकिन श्री मांगे राम का खजाना खाली नहीं है। अगर सरकार का खजाना खाली है तो हम मुख्य मंत्री महोदय से यह कहेंगे कि इसका उनको सोचना चाहिये। (व्यवधान व भाोर) मांगे राम जी तो बडे सौलिड आदमी हैं, वे बडे ही फाइनैंि ायली मजबूत आदमी हैं। हम वह बात बर्दा त नहीं कर सकते। अगर सरकार का खजाना खाली हो तो मुख्य मंत्री जी को इसका इलाज करना चाहिए। मुझे यह सुनना अच्छा नहीं लगता कि सरकार का खजाना खाली है। आपका खजाना भरना चाहिये, मैं तो यह चाहता हूं। पिछली दफा पी0ए0सी0 की मीटिंग में एक अधिकारी ने कहा कि मुझे जाना है क्योंकि मुख्यमंत्री के साथ मेरी एक मीटिंग है और मीटिंग इस बात के लिये है कि तनखाहों का इन्तजाम कैसे किया जाए। स्पीकर साहब, इस स्टेट में कर्मचारियों को देने के लिये तनखाहें नहीं हैं। सरकार का खजाना खाली है आज तनखाहों के लाले पड रहे हैं।

मुख्य मंत्री जी आपने भार्त लगा दी कि व्यापारी सैल्ज टैक्स का पैसा और दूसरे टैक्सिज का पैसा सरकारी खजाने में जमा कराएं। इस बात से व्यापारी बहुत ज्यादा परे ाान हैं। नोटों का बंडल लेकर व्यापारी जमा कराने के लिये सुबह दस बजे से भााम पांच बजे तक लाइन में खडा रहता है। लेकिन पैसा जमा नहीं होता। आज कितने ही ने ानेलाइज्ड बैंक्स हैं आप खुली छुटटी कर दीजिए कि किसी भी बैंक में पैसा जमा कराया जा सकता है। लेकिन आपने ऐसा नहीं करना है क्योंकि व्यापारी को

आपने तंग करना है। ने ानेलाइज्ड बैंक्स में पैसा जमा कराने में आपको क्या दिक्कत है ? आप बैंक्स में पैसा जमा कराने का प्रोवीजन कर दीजिए इससे व्यापारी को काफी राहत मिलेगी और उसका समय बच जाएगा। आज व्यापारी सरकार को पैसा देना चाहता है आपका खजाना खाली है लेकिन आप पैसा लेना नहीं चाहते क्योंकि आपने व्यापारी को तंग करना है। इसलिये मेरी प्रार्थना है कि किस भी बैंक में पैसा जमा कराने का प्रोवीजन आप कर दीजिए।

स्पीकर साहब, भाराब का जिक्र आया। कहा गया कि भाराब से बहुत ज्यादा रैवेन्यू आता है। काफी पैसा इकटठा होता है। मैं कहना चाहता हूं कि भाराब के कारण ला एण्ड आर्डर खराब होता है। जो भाराब पीता है, वह आदमी अपने हो ा में नहीं रहता और झगडा करता है जिससे ला एण्ड आर्डर की स्थिति पैदा होती है। मुख्य मंत्री जी से कहना चाहता हूं कि जहां सरकार का काम नहर बनाना, पीने का पानी देना, सडक बनाना, स्कूल बनाना और बिजली सप्लाई करना है, वहां सरकार का काम लोगों का चरित्र बनाना भी है। अगर चरित्र खराब हो गया तो ये सब चीजें बेकार हो जाएंगी। लोगों का चरित्र रखना सरकार का पहला काम है। भाराब के कारण आज हमारा सब कुछ तबाह होता जा रहा है। वह आमदनी किस काम की जो चरित्र को खराब करके हो। वह पैसा किसी काम नहीं आएगा। स्पीकर साहब, भाराब पिलाकर आने वाली पीढी के जीवने के साथ खिलवाड न किया जाए। यह भाराब

ला एण्ड आर्डर की प्रोब्लम को बढाती है। आपको टैक्स चाहिए तो इसका इलाज यह है कि जितनी भाराब पर हजार गुणा टैक्स लगा दो। दो सौ रूपए का पऊआ कर दो। जितनी भाराब सस्ती होगी, लोग उतना ही अधिक इसे पिएंगे। अगर आप इस पर हजार गु

णा टैक्स लगा दोगे तो समृद्ध आदमी ही पिएगा। मजदूर और छोटा आदमी भाराब नहीं पिएगा। समर्थ आदमी जब भाराब पिएगा तो वह घर में बैठ कर पिएगा सडक पर हु हल्ला नहीं करेगा। मेरा कहना यह है कि भाराब पिलाकर आने वाली पीढी को बरबाद न करो। आप भाराब को महंगी कर दो जिससे आम आदमी की पहुंच से बाहर हो जाए। चरित्र की कीमत पर जो टैक्स लिया जाता है, वह ठीक नहीं है।

यह सरकार रैडक्रास के मेले लगाती है और ये मेले जुआ खेलने का ओपन सर्टिफिकेट है। स्पीकर साहब, पहले तो हम कहते थे कि टी0वी0 ने हमारे बच्चों का जीवन खराब कर दिया है लेकिन अब एक नई बीमारी आ गई है और वह है केबल टी0वी0। इतनी गन्दी फिल्में इस केबल टी0वी0 पर दिखाई जाती हैं, ऐसे ऐसे दृ य दिखाए जाते हैं जिससे बच्चों का जीवन सत्याना ा हो रहा है। वे बच्चे बिल्कुल नहीं पढते। आप कोई ऐसा कानून बनाएं जिससे इस पर कुछ रोक लग सके। बच्चे भाराब पीते हैं, बच्चे रैडक्रास के मेलों में जुआ खेलते हैं, टी0वी0 और केबल टी0वी0 देखते हैं और अपने चरित्र को खराब करते हैं। वे न लिखते हैं न पढते हैं। घर से बस्ता उठाया, किताबें

उठाई और केबल टी0वी0 देखने लग जाते हैं या मेलों में घुस जाते हैं, वे स्कूल पहुंचते ही नहीं है। मुख्य मंत्री महोदय, आप इसका इलाज करें। इसके साथ साथ मैं यह भी कहना चाहूंगा कि मार्किट कमेटी के अन्दर एक ही जिन्स पर तीन तीन चार चार व पांच पांच दफा टैक्स लगता है। इस बारे में मैं पहले भी कई बार कह चुका हूं कि इस तरह से जो टैक्स वौल्यूमज में लगाया जाता है, यह उचित नहीं है। यह न्यायोचित नहीं है। मेरी रिक्वैस्ट है कि मार्किट कमेटी में आप जो टैक्स लेते हैं, उसको तीन से एक परसैन्ट किया जाए। होता यह है कि अगर माल एक जगह गया तो वहां टैक्स, वहीं माल दूसरी जगह गया तो वहां पर भी टेक्स इस तरह नहीं होना चाहिये एक ही जिन्स पर एक जगह पर एक ही दफा टैक्स लगना चाहिये। इस तरह से आप मंडियों को पछाडना चाहते हैं इसके साथ साथ मैं आपको एक बात और भी कहना चाहता हूं। मेरी यह रिक्वैस्ट भी है और हरियाणा के हित में भी है कि आप टैक्स का स्टेटस ठीक करिये और टैक्स की दर को आप दिल्ली पंजाब और चण्डीगढ के मुकाबले में लाएं ताकि हरियाणा का व्यापारी आगे बढ सके।

स्पीकर साहब, अब मैं अडल्ट्रे ान के बारे में भी अपने विचार रखना चाहूंगा। मुख्य मंत्री महोदय, कोई नहीं चाहता कि मिलावटी सामान बिके। जो मैनुफैक्चरर्ज हैं, वे बल्क में माल रखते हैं उन पर सरकार कोई नजर नहीं रखती लेकिन गरीब आदमियों को ही पकडने पर जोर चलता है। इसके लिये मैंने पहले भी कहा

था कि हरेक जिला हैड क्वार्टर पर एक लैबोरेटरी होनी चाहिये ताकि व्यापारी अपना बनाया हुआ माल पहले ही टैस्ट करवा ले और उन्हें किसी की खु ाामद न करनी पडे। एक व्यापारी का जो सैम्पल भरा जाए, उसका एक सैम्पल उस दुकानदार को भी दिया जाए जिसका सैम्पल लिया गया है ताकि अगर एक जगह पर उसका सैम्पल फेल हो जाए तो वह बेचारा दोबारा उसको टैस्ट करवा सके। इंस्पैक्टर्ज वगैरह के चक्करों में उसे न भागना पडे। इसके साथ साथ मुख्य मंत्री महोदय एक बात और करवा दीजिएगा कि जो सैम्पल भरने जाए, उस आदमी के साथ व्यापार मण्डल या भाहर का कोई आदमी साथ लिया जाए ताकि ज्यादती किसी के साथ न हो और कोई इस काम के लिये पैसे भी न ले सके। ये ऐसी बातें हैं, जहां पर सरकार का कुछ लगने वाला नहीं है। यह नीति की बातें हैं। इस पर सरकार को अव य ध्यान देना चाहिये।

इससे आगे स्पीकर साहब, मैं एक बात और कहना चाहूंगा कि भाहरों के अन्दर तह बाजारी है। उस तहबाजारी का टैक्स सरकार की ओर से कभी दोगुणा कर दिया जाता है या उससे भी ज्यादा कर दिया जाता है जो उचित नहीं है। आप इस काम के लिये कोई न कोई डिमार्के ान कर दें। तह बाजारी के नीचे एक तीन फुट का तखता होता है और ऊपर तीन फुट का पर्दा होता है। इसकी ओर भी सरकार को ध्यान देना चाहिये। वहां पर गरीब आदमी अपनी रोजी रोटी का साधन बनाकर के बैठे हैं। जो रेहडी लगाते हैं वे बडे कंफ्यूज्ड हैं कोई सब्जी वगैरह की

रेहडी लगाता है, कोई दूसरी रेहडी लगाता है। सरकार को चाहिये कि उनको अपना काम धन्धा चलाने के लिये कोई जगह दे। इसी कारण से बाजारों में र ा रहता है और रोज झगडा रहता है। हम नहीं चाहते कि वहां पर रोजाना घण्टों घण्टों ट्रैफिक रूका रहे लेकिन य नहीं होना चाहिये कि बजाये सरकार इनको खडे होने के लिये जगह दे इसके बदले में जो एक गरीब आदमी 50–100 रूपये की सब्जी बेच कर अपने बाल बच्चों व परिवार का पेट पालता है, उसकी रेहडी को फेंक दिया जाए। यह नहीं होना चाहिये। पिछले दिनों क्या हुआ कि रेहडियों का मामला उठा लिया गया, उनकी रेहडियां हटा दी गई। सरकार की ओर से ऐसा प्रावधान होना चाहिये कि ऐसे गरीब आदमियों के काम धन्धों के लिये कोई न कोई जगह स्पैसीफाइड हो ताकि वे अपना सामान बेच कर अपना गुजारा चलाते रहें। रेहडी वाले फिरते रहें जब तक कि सरकार की ओर से उन्हें कोई जगह नहीं मिलती। वे लोग हमारे काम में मदद देते हैं। वे हमारे घरों में सब्जी लेकर जाते हैं तो इससे हमारी दिक्कत दूर होती है। इसलिये इन गरीब लोगों के साथ सरकार को खिलवाड नहीं करना चाहिये। इनको जगह अलाट की जानी चाहिये। मैं मुख्य मंत्री महोदय से यह रिक्वैस्ट करूंगा और मुझे पूरा वि वास है कि जो जो सुझाव मैंने यहां पर दिये हैं सरकार उनकी ओर वि ोश ध्यान देंगी। खासतौर पर व्यापारियों के बारे में मैंने जो कुछ कहा है, मुख्य मंत्री महोदय उस ओर वि ोश ध्यान देंगे। व्यापारियों के लिये वहां से यह हाउस बडा है। इसके लिये अगर सरकार आ वासन देगी तो हमें

बडी प्रसन्नता होगी। भाहर में पीने के पानी के बारे में कहना चाहता था पर वह ध्यानाकर्शण प्रस्ताव के जरिये मसला यहां पर आ गया है। इस बारे में सारी बातें विस्तार से आ गयी हैं। इस बात के लिये मैं ज्यादा समय नहीं लूंगा। यह मामला खूब डिस्कस हो गया है और मुख्य मंत्री महोदय ने इसके लिये सदन में आ वासन भी दे दिया है और मुझे उम्मीद है कि मुख्य मंत्री महोदय अपने आ वासन को रखते हुए आने वाली गर्मियों में भाहर में कोई दिक्कत नहीं आने देंगे।

स्पीकर साहब, अपने भाहर भिवानी में सीवरेज से उत्पन्न स्थिति के बारे में भी कहना चाहूंगा। सरकार का दृश्टिकोण यही होगा कि पापुले ान बढने से सीवरेज की कैपेसिटी कम होगी लेकिन इस भिवानी भाहर में सीवरेज ओवर फलो होता है। सडकों पर पानी भरा रहता है। आई अस्पताल के पास, चन्द्रगिरी स्कूल के पास, लम्बी गली में और हरिजन मुहल्लों में सीवरेज का इतना बुरा हाल है कि इस बारे में मैं क्या बताऊं ? बहुत ही बुरा हाल है। मैं डिस्ट्रिक्ट ग्रिवैनसिज कमेटी की मीटिंग में गया था और अधिकारियों को ये सभी जगहें मैंने दिखायी भी थीं। उस मुहल्ले के अन्दर जितने घर हैं, उनमें हर एक घर के अन्दर एक एक या दो दो आदमी बीमार पडे हैं। केवल इसलिये कि सीवरेज का पानी ऊपर को उठ रहा है। वहां पर नालियों के पास से तो हम जा ही नहीं सकते। कोमन लैट्रीन गेटस के सामने बनी हुई हैं। वहां पर एक हरिजन मुहल्ले में जब मैं अधिकारियों

को लेकर गया तो वे कहने लगे कि चलो यहां से पता नहीं ये हरिजन भाई यहां कैसे जीवन व्यतीत कर रहे हैं। मुझे देख कर सचमुच में यह हैरानी हुई कि इतनी बुरी हालत होने के बावजूद भी सरकार कुछ नहीं कर रही है। मुख्य मंत्री महोदय, अगर सीवरेज काम ठीक नहीं कर सकता तो वहां पर और कुछ नहीं तो सफाई का साधन ही सरकार की ओर से करवाइए। मेरे विचार से पब्लिक हैल्थ डिपार्टमैंट और कमेटी की आपस में कोआर्डिने ान नहीं है। पिछले दिनों मुझे पता चला कि वहां पर जो सफाई करने के लिये म ाीन थी, उसके लिये दस हजार गज रस्से की जरूरत थी जिसे कमेटी वाले ले आए लेकिन पब्लिक हैल्थ वाले उस रस्से को वहां तक ले जाने के लिए तैयान नहीं। वह म ाीन भी नहीं चलती जिस वजह से सारे काम रूके हुए हैं कमेटी को आप ग्रांट क्या देते हों ? पिछले दिनों हमने अखबारों में पढा था कि गाबा जी कहते हैं कि मांगे राम जी रूपए ही नहीं देते, नाट गए। कमेटियों को ग्रांट दिए बिना कुछ नहीं होगा। वहां पर गन्दगी के ढेर लगे हुए हैं। मुख्य मंत्री जी, पता नहीं आपका खजाना है या गुप्ता जी का अपना खजाना है, गाबा जी की रिकवैस्ट क्यों नहीं मानी जाती। मेरी यह जानकारी है उस कमेटी को सरकार से एक कौडी भी नहीं मिलती और कमेटी अपने साधनों से काम चलाने में असमर्थ है। मुख्य मंत्री जी आप सरकार चलाते हैं और सारे प्रदे ा का भार आपके ऊपर है। आपसे प्रार्थना है कि आप भाहर की सफाई का काम अव य करवा दें चाहे इसके लिये आपको किसी और मद में से पैसा क्यों न देना पडे। अगर आप ऐसा कर

देंगे तो हम आपके आभारी रहेंगे। आप यह जान लें कि जहां सफाई इन्वाल्वड है, वहां लोगों का जीवन भी इन्वाल्वड है। इसलिये इस ओर आप अव य ध्यान दें। इसके बाद मैं वहां की अनाज मंडी के बारे में बताना चाहूंगा। वहां भी सब जगह सीवरेज का पानी भरा पडा है और वहां की नालियां टूटी हुई हैं। अगर नालियों के किनारे पूरे हों तो वह पानी सीधा सीवरेज में चला भी जाए लेकिन नालियां ही टूटी हुई हैं और उनकी कोई मुरम्मत नहीं कर रहा। मुख्य मंत्री जी वहां पर न तो नालियों की और न ही सडकों की रिपेयर हुई है, उनकी हालत बडी ही खस्ता है। सडकें रिपेयर न हों तो कोई बात नहीं लेकिन जो दो दो और तीन तीन फुट के गडढे हैं, उनको तो कम से कम भरवा दीजिए। उन पर गाडियां बिल्कुल नहीं चल सकतीं। अगर आपके पास तारकोल और रोडी नहीं है तो कच्ची मिटटी से ही भरवा दीजिए उसी से काम चल जाएगा।

श्री अध्यक्षः आपके हल्के में गांव भी तो होंगे, उनके भी नाम लीजिए।

श्री राम भजन अग्रवालः मैं भिवानी भाहर की सडकों के बारे में बोल रहा था। मेरे हल्के में गांव भी हैं जैसे आलवास, गोरीपुर, इतलाने और नरसिंह धाने हैं, मैंने इनके बारे में लिख कर भी दिया हुआ है अगर आप कहें तो मैं सरकार को और गांवों की लिस्ट भी दे सकता हूं। मुख्य मंत्री जहां गन्दगी होगी, वहां बीमारी भी जरूर होगी। भिवानी के अन्दर एक बहुत बडा हस्पताल

है और उसकी बिल्डिंग भी बहुत बडी है। मुख्य मंत्री जी आप उस हस्पताल में जाकर देखें। भगवान न करे कि आप वहां पर बीमार हो कर जाएं, राजी खु ी जाएं। वहां की ग्रिवैंसिज कमेटी की प्रधान हमारी हैल्थ मिनिस्टर हैं। हमने उनको भी बहुत कुछ कहा लेकिन उन्होंने उस कमेटी की मीटिंग में जाने की तकलीफ नहीं की। जहां तक पानी के बिलों का सवाली है उसके बारे में पता चला है कि मुख्य मंत्री महोदय ने उनके रेटस को ठीक करवा दिया है। मैं मुख्य मंत्री जी से आ वासन चाहूंगा कि जिनके 50–50 या 100–100 रूपये के बिल थे और वे उन्होंने जमा करवा दिए हैं। तो क्या उनके फालतु भरे हुए पैसे अगले बिलों में एडजस्ट हो जाएंगे।

श्री अध्यक्षः राज भजन जी, अब आप बैठिए आपका समय समाप्त हो गया है।

अब हाउस सोमवार दिनांक 1 मार्च 1993 बाद दोपहर 2.00 बजे तक के लिए एडजर्न किया जाता है।

*14.00 बजे।

(तत्प चात सदन सोमवार दिनांक 1–3–1993 बाद दोपहर दो बजे तक *स्थगित हुआ।

अनैक चर–'ए'

अतारांकित प्र न संख्या 84 पार्ट (बी) से सम्बन्धित विवरण

1. वर्श 1992 (1–92 से 12–92) के दौरान पलवल उप मण्डल (नागरिक उप मण्डल) में मुरम्मत की गई सडकों की सूची तथा उन पर किया गया कुल खर्च निम्न प्रकार से है :–

(1) वि ोश मुरम्मत के किए गए कार्यों का विवरण

क्र0 सं0	सड़क का नाम	खर्चा (रू0 लाखों में)
1	डी0एम0 सडके से नंगला भासानपुर	0.80
2	डी0एम0 सडके से मंडकोल बरासता देवली	2.74
3	मडकौला हथीन सडक	2.25
4	पलवल रसुलपुर बरोली सडक से खेरला फरै ापुर बरास्ता अकबरपुर डाडोरा	2.08
5	पलवल रसूलपुर बरोली सडके से आया नगर	1.18
6	पहाडी से बहीन सडक	1.04

7	पलवल आलावलपुर अमरपुर मोहना सडक से जनोली	2.45
8	गहलाव से कौंडल सडक	1.23
9	डी0एम0 सडक से ततारपुर	1.75
10	डी0एम0 सडके से करमन	1.60
11	कोट से पौसर सडक	1.66
12	कौडल से पहाडी	3.34
13	पलवल भाहर से गुजरती पुरानी डी0एम0 सडक	1.56
14	पी0एच0यू0 सडक से फिरोजपुर राजपुर	0.27
15	औरंगाबाद से गहलाव सडक	2.10
16	आलीमेंव से पौसर	0.87
17	हसनपुर से कु ाक सडक	5.72
18	अपरोच सडक से रेलवे स्टे ान पलवल	1.56
19	होडल भाहर से गुजरती पुरानी डी0एम0 सडक	2.52
20	नूंह पलवल सडक	0.49
21	एच0के0एन0 सडक	2.45

22	छज्जू नगर से मुनीरगढी	1.65
23	पलवल अलावलपुर मोहना सडक	2.79
24	एच0पी0एन सडक से डाडका	1.44
25	पिगौर से सिहा	1.44
26	पलवल धौरी सडक	1.62
27	पी0एस0आर0 सडक से नंगला गवालिन	0.38
28	पी0एस0आर0 सडक से ककराली	0.21
29	पी0एच0यू0 सडक से राजपुरा	1.21
30	पलवल सोहना रिवाडी सडक	5.42
31	पलवल हथीन उटावर सडक	3.19
32	नूंह पलवल सडक	4.55
33	वरौली से रहीमपुर	0.75
	कुल योग	64.31
(2) किये गये वार्शिक सरफेसिंग के कार्यों का विवरणः– (रू0 लाखों में)		
1	पलवल सोहना रिवाडी सडक	4.47

2	पलवल हथीन उटावर सडक	2.26
3	एल0एण्ड ए0 पुरानी डी0एम0 सडक मील 36–37 (ए) गांधी आश्रम पलवल से सम्पर्क	0.28
4	पलवल घौरी सडक से सम्पर्क (ए) बसंतगढ से सम्पर्क	0.25
5	एच0एल0 यमुना पुल से सम्पर्क (ए) चंदाट से गुरवारी	0.38
6	एल0एण्ड ए0पी0एच0यू0 सडक (ए) हथीन से गहलाव (बी) कौडल से पहाडी (सी) मोहदमका से सम्पर्क (डी) हथीन से लखनाका (ई) हथीन से कौडल	3.48
7	पलवल अलावलपुर अमरपुर मोहना सडक से सम्पर्क (ए) सदरपुर बदरान सडक से सम्पर्क	0.62

8	पलवल रसूलपुर बरौली सडक (ए) बाटा से सम्पर्क	0.23
9	एल0 एण्ड ए0 पलवल सोहना रिवाडी सडक (ए) जोधपुर से सम्पर्क	0.76
10	एल0 एण्ड ए0डी0एम0 सडक (ए) पृथला से सेहरालक बाया छपरौला	1.35
	कुल योग	14.08
(3) किये गये वार्शिक मुरम्मत (सामान्य रख रखाव) का विवरण (रू0 लाखों में)		
1	होडल कोट नूंह सडक	0.54
2	सम्पर्क एवं पहुंच मार्ग होडल कोट नूंह सडक (ए) मलाई से अलावलपुर (बी) मलाई से सम्पर्क (सी) डाकलपुर से सम्पर्क (डी) भीमसिक्का से सम्पर्क	0.36

	(ई) जलालपुर से सम्पर्क	
3	उटावर सिकरावा सडक	0.28
4	पलवल हथीन उटावर सडक	2.37
5	सम्पर्क एवं पहुंच मार्ग पी0एच0यू0 सडक (ए) गहलाव भंगूरी सडक (बी) गहलाव कौडल सडक (सी) वेजादा पहाडी सडक (डी) कौंडल से सम्पर्क (ई) पी0एच0यू0 से मनगौरका (एफ) – से गढी (जी) – से रायपुर (एच) – से चिल्ली (आई) – से पहाडी (जे) कौडल से पहाडी (के) हथीन से कौंडल (एल) हथीन से खिलुका वाया गुराकसर	4.16

	(एम) मोहदमका से सम्पर्क (एन) खिलुका से कोट (ओ) हथीन से गहलाव (पी) लखनाका से सम्पर्क (क्यू) पहाडपुर कुकरचटी से सम्पर्क (आर) भुडपुर से जुरारी (एस) हथीन से रिंदका (टी) अहरवान से बीचपुरी सांपनकी सडक से सम्पर्क (यू) गहलाव भूंगूरी से बमनोला जोगी (वी) पी0एच0यू0 सडक से फिरोजपुर राजपूत (डब्ल्यू) औरंगाबाद से गहलाव (एक्स) दुर्गापुर से राजपुरा (वाई) रतीपुर से जोधपुर (जैड) पी0एच0सी0 औरंगाबाद से सम्पर्क (ए1) औरंगाबाद से सम्पर्क	

	(बी2) कलसदा से सम्पर्क (सी3) पहाडी से बहीन (डी4) दुर्गापुर से अहरवान (ई5) औरंगाबाद से नंगल गोपालगढ (एफ6) कौंडल पहाडी से मानपुर (जी7) औरंगाबाद से सम्पर्क (एच8) जलालपुर खालसा से सम्पर्क (आई9) बमनोला जोगी से टोकरी ब्राह्मण (जे10) मालोखेडा से सम्पर्क (के11) बहीन से मानपुर	
6	नूंह हथीन सडक से सम्पर्क (ए) नूंह हथीन सडक (बी) – से लडमाका बाबुपुर (सी) – से रनसोंका (डी) – से हुरीथल (ई) – से हुचपुरी खुर्द	0.55

7	मंडकौला हथीन सडक से सम्पर्क (ए) मंडकौला हथीन सडक (बी) – जानाचौली (सी) – से आलुका (डी) – से खोखीआका वाया पुठली (ई) – से जैनपुर	0.47
8	होडल पुनहाना नगीना सडक	0.17
9	सम्पर्क एवं पहुंच मार्ग एच0पी0एन0 रोड (ए) बक ाुवापटटी से सम्पर्क (बी) डाडका से सम्पर्क (सी) बोराका से सम्पर्क	0.04
10	होडल कोट नूंह सडक	0.85
11	सम्पर्क एवं पहुंच मार्ग एच0के0 एन0 रोड (ए) सौंध से लौहीना सडक (बी) सौंध से अंधोप सडक	0.09

	(सी) सौंध से सम्पर्क सडक (डी) बाहीन से सम्पर्क सडक (ई) नंगल जाट से सम्पर्क सडक (एफ) रनियाला खुर्द से सम्पर्क सडक (जी) मलुका से सारोली	
12	होडल हसनपुर कु ाक सम्पर्क सडक (ए) होडल हसनपुर सडक (बी) हसनपुर बस स्टैंड से हसनपुर (सी) खिडवी से बांसवा (डी) बपतोली से सम्पर्क (ई) " से भनडौली (एफ) " से रामगढ (जी) " से खिरवी (एच) " से वेहरा पटटी (आई) जटौली से सम्पर्क सडक (जे) हसनपुर से कु ाक	1.57

	(के) पी0डब्लयू0डी0 रैस्ट हाउस हसनपुर से सम्पर्क (एल) बांसवा से वडका से यू0पी बार्डर तक (एम) हसनपुर से माहोली (एन) बांसवा से सेखसेई (ओ) मोहाली से यू0पी0 बार्डर तक (पी) भिदुखी से ऐंच से यू0पी0 बार्डर तक (क्यू) तपा बिलोचपुर से हफजाबाद वाया पीरगढी	
13	डी0एम0 रोड के सम्पर्क एवं पहुंच मार्ग (ए) डी0एम0 सडक से असावटा (बी) – से टीकरी ब्राहमण सम्पर्क सडक से चोरवाटा (सी) – से डोलागढ (डी) – से फुलबाडी (ई) – से अटोहन (एफ) – से बहरौला	1.48

	(जी) – से तुमसारा (एच) – से गुधराना (आई) – से मरौली (जे) – से मानपुर (के) – से खटेला (एल) – से नगला एहसानपुर (एम) – से श्रीनगर (एन) – से खुसरपुर नं0 2 (ओ) – से भुलबाना (पी) – से करमन (क्यू) – से डाकोरा (आर) – से न्यू गर्ल स्कूल बनचारी (एस) मारोली से पालडी (टी) आसावटा से सलौठी (यू) हरिजन बस्ती से गुदराना (वी) होडल भाहर से गुजरती डी0एम0 सडक	

	डयूल कैरिजवेज होडल भाहर (डब्ल्यू) होडल से पैनगलथु (एक्स) बनचारी से दाऊजी का मन्दिर (वाई) गढी पटटी से सम्पर्क (जैड) गिरोता से जलालपुर मवफी (ए1) पी0डब्ल्यू0डी0 रैस्ट हाउस होडल से सम्पर्क (बी2) पैनगुलथू से खाम्भी (सी3) रेलवे स्टे ान रूंदी से सम्पर्क (डी4) गढीपटटी से लालपुर से यू0पी0 बार्डर तक	
14	सिंगार से अन्धोप सम्पर्क सडक (ए) सिंगार से अन्धोप (बी) अन्धोप से नगल जाट (सी) लफूरी से सम्पर्क (डी) पुनहाना कोट से रूप नगर नाटोली (ई) – से पोसर (एफ) अलीमेव से पोसर	0.16

	(जी) अन्धोप से अलीमेव (एच) पुन्हाना कोट सडक कि0मी0 7 से 11.45 (आई) कोट से सम्पर्क सडक (जे) अलीमेव से बाहीन	
15	बामनीखेडा से हसनपुर से सम्पर्क सडक (ए) बामनीखेडा से हसरपुर सडक (बी) दिगोट से पहुंच सडक (सी) लिखी से दाराना (डी) दिगोट से रूंधी (ई) दिगोट से रैदासका (एफ) बामनीखेडा से नंगल ब्राहमण (जी) पिगौर से बेला (एच) लिखी से मच्छीपुरा (आई) पिगौंर से कन्वारका (जे) खम्बी से घसेरा (के) रैदासका से दाऊजी का मन्दिर	0.59

	(एल) रूंधी से लडियाका (एम) नंगला ब्राहमण से लडियाका (एन) बेला से आजियाबाद (ओ) रैदासका से बमवारिका वाया डुंगरवास (पी) पिगौंर से सिहा	
16	पलवल सोहना रिवाडी सडक कि0मी0 0 से 16.00	0.47
17	सम्पर्क एवं पहुंच मार्ग पी0एस0आर0 सडक कि0मी0 0 से 16.00 (ए) पी0एस0 आर0 सडक से ककराली (बी) – से अलीका (सी) अलका से आदुपुर (डी) धातौर से सरौली (ई) तिहारकी से सम्पर्क सडक (एफ) दुर्गापुर से सम्पर्क सडक (जी) पारौली से सम्पर्क सडक (एच) नंगला से गवालिन से सम्पर्क सडक	0.47

	(आई) पी0एस0आर0 सडक से जोधपुर (जे) पी0एस0आर0 सडक से अतरचटा	
18	नूंह पलवल सडक कि0मी0 20.80 से 32.19	1.04
19	सम्पर्क एवं पहुंच मार्ग नूंह पलवल सडक (ए) नूंह पलवल सडक से लालवा (बी) – से गैलपुर (सी) – से राजोलिका (डी) – से बढा (ई) – से कैराका (एफ) – से जोहरखेडा (जी) बढा से नंगली पाचनकी (आई) नंगली पाचनकी से धमाका (जे) बढा से राखौटा	0.06
20	डी0एम0 सडक कि0मी0 44.00 से 60.00 सम्पर्क एवं पहुंच मार्ग (ए) अल्हापुर से कलबाका	0.55

	(बी) मीरापुर से सम्पर्क (सी) हरफाली से सम्पर्क (डी) अल्हापुर कलबाका से पटटी खुर्द (ई) पृथला से सेहराला वाया छपरौली (एफ) नंगल भिखु से सम्पर्क (जी) डी0एम0 सडक से ततारपुर (एच) – से मन्दकोल वाया देवली (आई) डी0एम0 सडक से फिरोजपुर (जे) डी0एम0 सडक से अगवानपुर (के) डी0एम0 सडक से अल्हापुर (एल) पृथला से धातीर	
21	पलवल अलावलपुर अमरपुर मोहना सडक कि0मी0 0 से 8.00 के सम्पर्क एवं पहुंच मार्ग (ए) पलवल अलावलपुर अमरपुर मोहना सडक (बी) – से घघोट वाया गोपीखेडा (सी) – से जनौली	0.56

	(डी) – से खाजूरका (ई) – से सदरपुर (एफ) लालपुर कुदीन से सम्पर्क (जी) बनी टैम्पल से सम्पर्क (एच) बधरों से कनजारका नंगला	
22	डी0एम0 सडक मील 36–37 के सम्पर्क एवं पहुंच मार्ग (ए) पुरानी डी0एम0 सडक मील 36–37 (बी) रेलवे गुदाम पलवल से पहुंच सडक (सी) रेलवे स्टे ान पहुंच सडक पलवल (डी) अपरोच रोड से गांधी आश्रम पलवल (ई) अपरोच रोड से नंगला लिखी सिंह (एफ) रेलवे स्टे ान से पलवल बाई पास (जंक ान घौडी सडक) (जी) पुरानी डी0एम0 सडक से पलवल बाई पास जंक ान पी0आर0बी0 रोड	0.30

23	एच0एल0 यमुना सडक सम्पर्क सहित (ए) एच0एल0 यमुना पुल सडक (बी) मिसा से चंदाट (सी) चंदाट से घौडी (डी) चंदाट से गुरबाडी (ई) गुरबाडी से पहलादपुर	0.58
24	पलवल घौडी सम्पर्क सडकों के साथ (ए) पलवल घौडी सडक (बी) – से सेहला वाया पेलक (सी) – से चिरवाडी (डी) – से तराका (ई) – से सुजवाडी (एफ) – से बंसतगढ (जी) – से रामगढ (एच) – से मिलकगनी (आई) – से किथवाडी	0.35

25	पलवल रसूलपुर बरौली सडक सम्पर्क के साथ (ए) पलवल रसूलपुर बरौली सडक (बी) रसूलपुर से चंदाट (सी) अकबरपुर डाकोरा से सम्पर्क (डी) डाकोरा से खेरला फरै ारपुर (ई) छज्जू नगर से सम्पर्क (एफ) – से टीकरी गुजर वाया लालगढ (जी) बरौली से रहीमपुर (एच) बरौली से कु ाक (आई) मुस्तफाबाद से सम्पर्क (जे) रोनिजा से सम्पर्क (के) – से लोहागढ (एल) – से होसटिंगाबाद (एम) – से नंदवाला (एन) – से सुलतानपुर (ओ) – से आया नगर	0.56

	(पी) रहीमपुर से यमुनापुल (क्यू) बरौली हसनपुर से खुदादपुर वाया करीमपुर (आर) रसूलपुर से नंगला ब्राहमण (एस) कु ाक से जटौली (टी) रसूलपुर से जटौली (यू) कमरावली से सम्पर्क (वी) बवाना से सम्पर्क (डब्ल्यू) – से बाटा (एक्स) – से मीरपुर कुराली (वाई) – से कानपुर (जैड) – से नौरंगाबाद (ए1) छज्जू नगर से मुनीरगढी	
	कुल योग	18.62

खर्चे का सामान्य ब्यौरा

क्र0 सं0	आईटम	सड़कों की संख्या	खर्चा (लाखों

			में)
1.	किये गये वि ोश मुरम्मत कार्य	33	64.31
2.	वार्शिक सरफेसिंग के किये गये कार्य	10	14.08
3.	किये गये वार्शिक मुरम्मत के कार्य	25	18.62
	कुल जोड़	68	97.01